वर्ष 69 ▸ अंक 127 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, बुधवार 04 फरवरी, 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 03, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

छोटा लक्ष्य रखना एक अपराध है। हमेशा महान लक्ष्य रखें।
-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

डॉलर के मुकाबले रुपया 129 पैसे मजबूत

तीन साल की सबसे बड़ी बढ़त, 2025 में बना था एशिया की सबसे कमजोर मुद्रा

मुंबई, जेएनएन। भारतीय रुपया मंगलवार (3 फरवरी) को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन साल की सबसे बड़ी मजबूती के साथ 90.20 के स्तर पर खुला। दिन की शुरुआत में आई यह तेजी भारत-अमेरिका ट्रेड डील के ऐलान के बाद देखी गई। इस समझौते के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय उत्पादों पर लगाया गया आयात शुल्क (टैरिफ) 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी करने की घोषणा की है। हालांकि, कारोबार के अंत में भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार रुपया 90.45 पर बंद हुआ। इससे पहले वर्ष 2025 में रुपया करीब 5 फीसदी टूटकर एशिया की सबसे कमजोर मुद्रा बन गया था। वहीं जनवरी 2026 में ही इसमें लगभग 2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। बीते कुछ समय से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) की लगातार निकासी के चलते रुपये पर दबाव बना हुआ था। इसके बावजूद मंगलवार को रुपये ने जोरदार वापसी की और पिछले बंद भाव 91.49 के मुकाबले 129 पैसे की मजबूती दर्ज की।

89 के स्तर तक जा सकता है रुपया

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में यह मजबूती आगे भी जारी रह सकती है। निर्यात बढ़ने की उम्मीद से रुपये की मांग में और इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है। शॉर्ट टर्म में रुपया 89.50 से 89.00 के स्तर तक पहुंच सकता है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, टैरिफ में कटौती से रुपये के लिए मजबूती के रास्ते खुले हैं, लेकिन आगे की दिशा इस बात पर भी निर्भर करेगी कि आरबीआई किस स्तर पर बाजार में हस्तक्षेप करता है।

ट्रेड डील के ऐलान से आया उछाल

रुपये में आई मजबूती के पीछे भारत और अमेरिका के बीच हुआ 'गिव एंड टेक' समझौता अहम माना जा रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना कम करेगा और इसके बदले अमेरिका व वेनेजुएला से तेल खरीदेगा। इसके अलावा भारत ने आने वाले कुछ सालों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर (करीब 45 लाख करोड़ रुपये) के ऊर्जा, टेक्नोलॉजी और कृषि उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता जताई है।

मजबूत आर्थिक जमीन पर 'ट्रंप फैक्टर' से मिला बड़ा उछाल: पेज 7 पर...

सेंसेक्स 2,073 अंक चढ़ा निफ्टी भी 639 अंक ऊपर

मंगलवार को शेयर बाजार में जोरदार तेजी रही। सेंसेक्स 2,073 अंक (2.54 फीसदी) चढ़कर 83,739 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 639 अंक (2.55 फीसदी) की बढ़त के साथ 25,728 पर बंद हुआ। टैरिफ में कटौती के ऐलान से बाजार को मजबूती मिली। रियल्टी, मेटल और फार्मा शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 4.79 फीसदी चढ़ा। सेंसेक्स के 30 में से 28 और निफ्टी-50 के 46 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

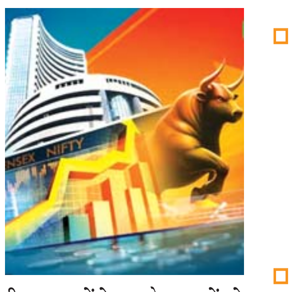

अडाणी समूह के शेयर 11 फीसदी तक उछले

भारत-अमेरिका ट्रेड डील का फायदा अडाणी समूह के शेयरों को मिला। समूह का अमेरिका में कई सेक्टरों में कारोबार होने के कारण निवेशकों ने जमकर खरीदारी की।

- अडाणी ग्रीन 10.43 फीसदी बढ़कर 932 रुपये पर पहुंचा।
- अडाणी एंटरप्राइजेज 10.58 फीसदी चढ़कर 2,206 रुपये पर बंद हुआ।
- अडाणी पोर्ट्स 9.19 फीसदी बढ़कर 1,532 रुपये पर पहुंचा।
- अडाणी पावर 7.36 फीसदी की तेजी के साथ 144 रुपये पर बंद हुआ।

टैरिफ घटने से भारत को पांच फायदे

- **अमेरिका में सस्ता होगा भारतीय सामान:** अमेरिका ने भारतीय सामानों पर लगने वाले टैक्स को 50 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। यानी 'मेड इन इंडिया' प्रोडक्ट अब अमेरिका में पहले से सस्ते बिकेंगे, जिससे उनकी डिमांड बढ़ेगी।
- **कपड़ा और गारमेंट सेक्टर में ग्रोथ:** टेक्सटाइल इंडस्ट्री को सबसे ज्यादा फायदा होगा, क्योंकि भारत के कुल कपड़ा निर्यात का 28 फीसदी हिस्सा अकेले अमेरिका जाता है। टैक्स कम होने से भारतीय कपड़े ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे।
- **इंजीनियरिंग और ऑटो पार्ट्स को नए ऑर्डर:** भारत से अमेरिका जाने वाले सामानों में सबसे बड़ा हिस्सा मशीनरी और ऑटो पार्ट्स का है। टैक्स घटने से इन कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा और उन्हें अमेरिका से नए और बड़े ऑर्डर्स मिलने में आसानी होगी।

तीन दिन की गिरावट के बाद चांदी 32 हजार रुपए बढ़ी

सोने-चांदी के बाजार में तीन दिन की गिरावट के बाद मंगलवार को तेजी लौटी। वायदा बाजार (एमसीएक्स) में चांदी के दाम करीब 32 हजार रुपये (13 फीसदी) बढ़कर 2.68 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंच गए। इससे पहले तीन दिनों में चांदी 1.60 लाख रुपये सस्ती हुई थी। सोने में भी करीब 8 हजार रुपये (5 फीसदी) की तेजी आई और 10 ग्राम सोना 1.52 लाख रुपये पर पहुंच गया। आईबीजेए के अनुसार, सर्राफा बाजार में चांदी 2,63,965 रुपये प्रति किलो और 24 कैरेट सोना 1,51,529 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

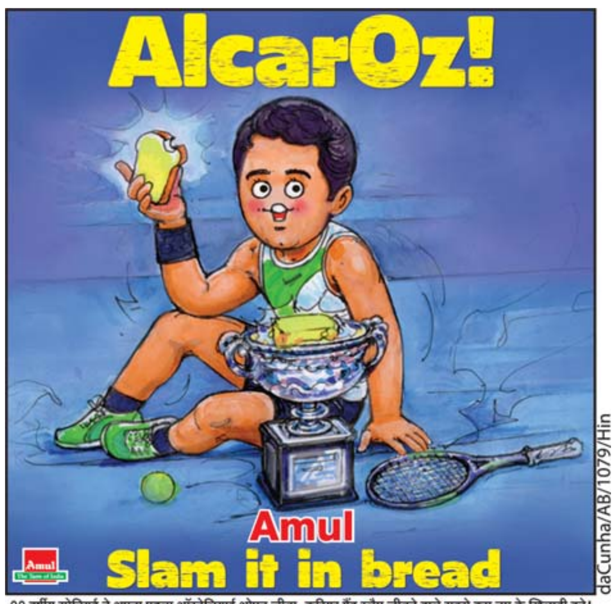

22 वर्षीय स्पेनियर्ड ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता, करियर ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने!

ओवरब्रिज से कार पर गिरा हाईवा ड्राइवर और बाइक सवार की मौत

जागरण, जबलपुर। एनएच-45 पर मंगलवार को शाहपुरा थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज के नीचे सर्विस रोड पर चल रही कार पर हाईवा गिर गया। हादसे में हाईवा चालक अंकित मलिक (रोहतक, हरियाणा) और बाइक चालक बलराम अवस्थी (नटवारा, जबलपुर) की मौके पर ही मौत हो गई। हाईवा के नीचे दबी कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। कार के ऊपर से हाईवा को हटाने के लिए क्रेन और जेसीबी मशीन की मदद लेनी पड़ी।

भोपाल के कोलार निवासी 5 सवार हादसे में घायल

शाहपुरा टीआई प्रवीण धुर्वे ने बताया कि भोपाल के कोलार इलाके में रहने वाला शुक्ला परिवार रीवा जा रहा था। इसमें बैठे पांच लोग घायल हुए हैं। कार चला रहे धीरज शुक्ला ने बताया कि उनके साथ मां अनीता शुक्ला और छोटा भाई नीरज बैठे थे। रास्ते में ही यह हादसा हो गया। कार में कुल पांच लोग सवार थे। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह हाईवा की तेज रफ्तार माना जा रहा है।

ऑफ बीट

4 साल का बच्चा बना करोड़पति

***नई दिल्ली, जेएनएन।** इंग्लैंड में एक 4 साल का बच्चा अपने पिता के साथ खेत में मेटल डिटेक्टर (धातु खोजने वाली मशीन) के साथ खेल रहा था। खेलते समय मशीन में तेज बीप सुनाई दी। इसके बाद वहां पर जमीन की खुदाई करने पर वहां से 500 साल से भी ज्यादा पुराना एक सोने का लॉकेट मिला। विशेषज्ञों की जांच में पाया गया कि इस लॉकेट में 73 फीसदी शुद्ध सोना है। इसकी ऐतिहासिक और धातु की कीमत इतनी अधिक (लगभग 36 करोड़) आंकी गई है कि वह बच्चा रातों-रात करोड़पति बन गया।*

लोकसभा: राहुल के भाषण पर फिर हंगामा, 8 सस्पेंड

नरवणे पर आर्टिकल दिखाया, तो स्पीकर ने रोका

पीठासीन स्पीकर तेन्नेटी की चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उछाले।

नई दिल्ली, जेएनएन। लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अप्रकाशित पुस्तक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा-मुझे बोलने दिया जाए। उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। आज वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे। इस बीच हंगामा तेज होता गया। राहुल ने सोमवार को भी 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश की थी। हंगामा बढ़ने पर स्पीकर कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने राहुल को रोका और दूसरी पार्टियों के सांसदों को बोलने को कहा, लेकिन सपा सांसद नरेश उत्तम पटेल, टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय और डीएमके सांसद डीएम आनंद ने बोलने से इनकार कर दिया। विपक्षी सांसद नारेबाजी करते वेल में पहुंच गए। तेन्नेटी की चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उछाले। इसके बाद पीठासीन दिलीप सैकिया ने 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया।

अमेरिकी ट्रेड डील पर राहुल बोले- मोदी ने देश बेचा

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी ट्रेड डील में देश बेच दिया है। आपकी मेहनत को खून-पसीने को बेच दिया है, क्योंकि वे कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा- नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, क्योंकि जिन्होंने उनकी इमेज बनाई वे अब यह इमेज तोड़ रहे हैं। अमेरिका में अडानी पर केस है, यह असल में मोदी पर केस है। वो मोदी जी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि एपस्टीन फाइल्स में और भी बहुत कुछ है, जो अमेरिका ने अभी तक रिलीज नहीं किया है। उसकी वजह से भी पीएम पर प्रेशर है। ये दो प्रेशर पॉइंट्स हैं। देश को यह समझना चाहिए कि पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड हैं।

सरकार बोली- राहुल गुमराह कर रहे

इसके जवाब में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शाम को ट्रेड डील पर पहला बयान दिया। उन्होंने कहा, राहुल देश को गुमराह कर रहे हैं। पीएम ने ट्रंप के साथ रिश्तों का लाभ उठाकर अमेरिका से सबसे बेहतर ट्रेड डील हासिल की है। पीएम मोदी ने एग्रीकल्चर और डेयरी दोनों सेक्टर को सपोर्ट किया है। देश इस फैसले की सराहना कर रहा है और संवेदनशील सेक्टर सुरक्षित हैं। एक्सपोर्ट, टेक्नोलॉजी, निवेश और रोजगार से जुड़े सभी सेक्टरों में भारी उत्साह है। यह हम सभी के लिए एक बड़ी डील है। राहुल गांधी और सभी विपक्षी दल की ओछी सोच है। वे भारत का उज्ज्वल भविष्य नहीं चाहते। वे हर प्रकार से राजनीतिक अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

सीईसी के खिलाफ महाभियोग की तैयारी

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संकेत दिए हैं कि वे मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही हैं। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों से भी संपर्क में है, ताकि इस मुद्दे पर साझा रणनीति बनाई जा सके। दिल्ली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग तृणमूल कांग्रेस के विधायकों वाली विधानसभा सीटों से मतदाताओं के नाम हटाने के लिए एसआईआर का चुनिंदा और पक्षपातपूर्ण तरीके से इस्तेमाल कर रहा है।

याचिका पर सुनवाई आज: सुप्रीम कोर्ट बुधवार को एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इस मामले में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल है। इस अहम सुनवाई के दौरान मुख्यमंत्री के स्वयं अदालत में मौजूद रहने की संभावना जताई जा रही है।

कैबिनेट में दो सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी

सरदार सरोवर विस्थापितों की फ्री रजिस्ट्री कराएगी सरकार

राज्य समाज कल्याण बोर्ड भंग, कर्मचारियों को बाल विकास से जोड़ा जाएगा

विशेष संवाददाता, भोपाल। डॉ. मोहन यादव कैबिनेट ने मंगलवार को तय किया है कि सरदार सरोवर से प्रभावित परिवारों के दिए गए पट्टों की रजिस्ट्री सरकार मुफ्त में कराएगी। इसका लाभ तीन जिलों की 8 विधानसभा क्षेत्रों के आदिवासी परिवारों को मिलेगा। कैबिनेट ने राज्य में सिंचाई का रकबा बढ़ाने दो सिंचाई परियोजनाओं के प्रस्ताव पर भी मुहर लगा दी है।

मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में कई अहम फैसले लिए गए। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि कैबिनेट ने उस प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से सहमति जता दी है, जिसमें सरदार सरोवर परियोजना से प्रभावित 25,602 आदिवासी परिवारों को दिए गए भूमि पट्टों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराने की बात कही गई थी। इस फैसले से सरकार पर तकरीबन 600 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा। काश्यप ने बताया कि इस निर्णय से धार, बड़वानी और अलीराजपुर जिलों के आदिवासी परिवारों को लाभ मिलेगा। काश्यप ने बताया कि इसी तरह कैबिनेट ने किसानों की खेतों में सिंचाई के लिए दो महत्वपूर्ण उद्वहन सिंचाई परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। बाणसागर परियोजना के तहत मप्र अभी सिर्फ 60 से 65 प्रतिशत जल उपयोग कर पा रहा है, जबकि 250 एमसीएम पानी का उपयोग बाकी है।

संबल योजना (2.0) वर्ष 2031 तक रहेगी जारी

कैबिनेट ने 6 विभागों की 10 योजनाओं को 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक जारी रखे जाने के प्रस्ताव पर भी सहमति दी है। इसके लिए 15,009 करोड़ से अधिक की स्वीकृति प्रदान की गयी, इसमें वित्त विभाग की लोक वित्त पोषित 500 करोड़ से कम की 8 योजनाओं के लिए 115 करोड़ 6 लाख, श्रम विभाग की मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना के लिए 5 हजार करोड़ मंजूर किए गए। योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की विधानसभा क्षेत्र निर्वाचन योजना और स्थापना एवं कार्यालयीन योजनाओं के लिए 3 हजार 376 करोड़ 66 लाख मंजूर किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

युमनाम होंगे मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री

नई दिल्ली/इम्फाल, जेएनएन। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग, संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे। मणिपुर से एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे।

मुंबई: दो विमानों के विंग्स टकराए, बड़ा हादसा टला

मुंबई, जेएनएन। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे बड़ा हादसा टल गया, जब टैक्सीवे पर खड़े और टैक्सी कर रहे दो विमानों के विंग (पंख) आपस में टकरा गए। घटना में एअर इंडिया और इंडिगो की उड़ानें शामिल थीं। दोनों विमानों में यात्री सवार थे, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2732 मुंबई से कोयंबटूर के लिए टेकऑफ से पहले टैक्सीवे पर खड़ी थी। इसी दौरान हैदराबाद से मुंबई पहुंची इंडिगो की फ्लाइट लैंडिंग के बाद टैक्सी करते हुए पार्किंग एरिया की ओर जा रही थी। रनवे से पार्किंग बे तक विमान की आवाजाही के दौरान दोनों विमानों के विंग टिप आपस में संपर्क में आ गए।

सुप्रीम कोर्ट की खेल संघों पर सख्त टिप्पणी: महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव पर रोक हटाने से इनकार

जिन्हें बैट पकड़ना नहीं आता, वह चला रहे हैं क्रिकेट संघ

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने क्रिकेट सहित अन्य खेल संघों के संचालन को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि खेल संस्थाओं का नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथों में होना चाहिए, जिन्हें खेल की समझ हो। कोर्ट की टिप्पणी थी कि क्रिकेट संघों में रिटायर्ड क्रिकेटरों को जगह मिलनी चाहिए, न कि ऐसे लोगों को जो बैट तक पकड़ना नहीं जानते।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के चुनाव पर लगी रोक हटाने से इनकार कर दिया। ये चुनाव 6 जनवरी को प्रस्तावित थे, लेकिन उन पर भाई-भतीजावाद और पक्षपात के आरोप लगने के बाद रोक लगा दी गई थी।

सदस्यता में अचानक बढ़ोतरी पर सवाल

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने एमसीए की सदस्यता में अचानक हुई बढ़ोतरी पर कड़े सवाल उठाए। कोर्ट ने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि 1986 से 2023 तक एसोसिएशन में 164 सदस्य थे, लेकिन इसके बाद अचानक बड़ी संख्या में नए सदस्य जोड़ दिए गए। सीजेआई ने सवाल किया कि इतने सालों तक सीमित सदस्य रहने के बाद अचानक 'बंपर ड्रॉ' कैसे निकल आया। उन्होंने कहा कि अगर सदस्य संख्या 300 तक बढ़ानी ही थी, तो नामचीन और रिटायर्ड अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को इसमें शामिल किया जाना चाहिए था, ताकि खेल का अनुभव प्रशासन तक पहुंचे।

क्या है विवाद: यह मामला तब सामने आया, जब पूर्व भारतीय क्रिकेटर और भाजपा नेता केदार जाधव ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 401 नए सदस्यों को जोड़कर वोटर लिस्ट में हेरफेर की गई है। याचिका में यह भी कहा गया कि इनमें से कई नए सदस्य रोहित पवार के रिश्तेदार या कारोबारी सहयोगी हैं। इन आरोपों के बाद हाईकोर्ट ने चुनाव प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी।

एमसीए की दलील: एमसीए और अन्य याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली समिति ने सदस्यता प्रक्रिया की निगरानी की थी और कई आवेदनों को खारिज भी किया गया था। साथ ही यह आरोप लगाया गया कि चैरिटी कमिश्नर ने बिना कैबिनेट की सलाह लिए प्रशासक नियुक्त कर दिया, जो नियमों के खिलाफ है।

सुप्रीम कोर्ट का रुख: सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी याचिकाएं वापस लेने की अनुमति दी और कहा कि सभी आपत्तियां बॉम्बे हाईकोर्ट के समक्ष ही रखी जाएं। साथ ही हाईकोर्ट से आग्रह किया गया कि वह मामले का जल्द निपटारा करे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वह फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश में दखल नहीं देगा, क्योंकि मामला तथ्यों और रिकॉर्ड की गहन जांच से जुड़ा है।

सख्ती — सुप्रीम कोर्ट बोला-भारतीयों का डेटा शेयर करने की इजाजत नहीं देंगे

मेटा-वॉट्सएप कानून मानें या भारत छोड़ें

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मेटा और वॉट्सएप को उनकी प्राइवेसी पॉलिसी पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम आपको एक भी जानकारी शेयर करने की इजाजत नहीं देंगे। आप इस देशवासियों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, यदि आप हमारे संविधान का पालन नहीं कर सकते, तो भारत छोड़ दें। हम नागरिकों की प्राइवेसी से समझौता नहीं होने देंगे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पांचोली की बेंच मेटा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका वॉट्सएप की 2021 प्राइवेसी पॉलिसी से जुड़ी है, जिसमें कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने नवंबर 2024 में मेटा पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसे राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने याचिका में आईटी मंत्रालय को भी पक्षकार बनाने को कहा है। कोर्ट 9 फरवरी को अंतरिम आदेश देगा।

"गोपनीयता से जुड़ी शर्तें इतनी चालाकी से लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता।
सुप्रीम कोर्ट

चतुराई से तैयार की जाती हैं प्राइवेसी पॉलिसी

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि देश में लोगों के प्राइवेसी के अधिकार की कड़ी सुरक्षा की जाती है। कोर्ट ने कहा, इन एप्स में गोपनीयता से जुड़ी शर्तें इतनी चालाकी से लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। यह लोगों की निजी जानकारी चोरी करने का शालीन तरीका है। हम आपको ऐसा करने की अनुमति नहीं देंगे। साफ-साफ भरोसा दिलाना होगा, नहीं तो कोर्ट आदेश जारी करेगा।

एसजी मेहता: हमारा पर्सनल डेटा सिर्फ बेचा नहीं जाता, उससे पैसे कमाने के लिए इस्तेमाल भी किया जाता है।
सीजेआई: सड़क पर ठेला लगाने वाली महिला इन नियमों को कैसे समझेगी? क्या आपने सोचा कि आप कितनी मुश्किल भाषा लिखते हैं? हर शर्त की जांच होनी चाहिए। मुझे अपना मोबाइल दिखाओ और मैं तुम्हें तुम्हारा मोबाइल दिखाऊंगा। यह प्राइवेट जानकारी चुराने का तरीका है।
एड. अरुण कथपालिया: सिर्फ कुछ खास डेटा शेयर होता है।
सीजेआई: अपना फायदा जानते हैं और यह भी जानते हैं कि आपने लोगों को ऐप का आदी बना दिया।
एसजी मेहता: यहां सिर्फ दो चॉइस हैं-लो या छोड़ दो।
रोहतगी: क्या मैं कोर्ट को यह बताने के लिए एक पेज का एफिडेविट फाइल कर सकता हूं कि हम क्या कर रहे हैं? कोर्ट इस पर विचार कर सकता है और फिर फैसला ले सकता है।

रायसेन: रेप की कोशिश में हत्या, आरोपी को पीटा, मौत

खेत पर भाई के लिए खाना लेकर जा रही थी युवती

जागरण, रायसेन। जिले के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के भारतीपुर गांव में अपने भाई के लिए खेत पर खाना लेकर जा रही एक 21 वर्षीय युवती की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। युवती को गांव के ही एक युवक प्रकाश सिंह भिलाड़ा ने रास्ते में रोककर जबरदस्ती करने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने युवती के जबड़े और गर्दन पर बके से वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी भाग निकला, लेकिन ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पीटा। मारपीट में घायल आरोपी की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया, जिसे देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया।

युवती कुछ साल पहले बाड़ी में रहकर पढ़ाई करती थी। इस दौरान युवक के संपर्क में आई थी। दोनों के घर भी आमने-सामने हैं। पुलिस के अनुसार, हमले के बाद आरोपी लड़की को घसीटते हुए खेत के अंदर ले गया। मौके पर युवती के शरीर के निचले हिस्से पर कपड़े नहीं थे। वारदात के बाद भाग रहे आरोपी युवक की तलाश में बड़ी संख्या में ग्रामीण निकल पड़े और कुछ ही दूरी पर कमरोरा क्षेत्र की घोघरा नदी के पास आरोपी घायल हालत में मिला। सुल्तानपुर थाना पुलिस ने आरोपी को अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान देर रात आरोपी भिलाड़ा ने भी दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

किसानों तक रथ के जरिए पहुंच रहीं योजनाएं

भोपाल। प्रदेश में वर्ष 2026 कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। सभी जिलों में किसानों और कृषि के संबंध संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। किसान-रथ के माध्यम से किसानों के खेत तक योजनाएँ पहुँचाई जा रही हैं। हरदा जिले के तीनों विकासखंडों में 'कृषि रथ' का संचालन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन्नत कृषि तकनीकों और सरकारी योजनाओं को सीधे किसानों के खेतों तक पहुँचाना है। उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे ने बताया कि कृषि रथ के साथ कृषि विज्ञान केंद्र, कोलीपुरा-हरदा के वैज्ञानिक, कृषि विभाग एवं संबद्ध विभाग के अधिकारी कर्मचारी द्वारा किसानों से सीधा संपर्क कर ई-विकास प्रणाली से उर्वरक क्रय करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। साथ ही नरवाई प्रबंधन, ग्रीष्मकालीन मूंग फसल के स्थान पर उडद, मूंगफली, तिल आदि फसलों को प्रोत्साहन, प्राकृतिक व जैविक कृषि करने हेतु प्रोत्साहित, मृदा स्वास्थ कार्ड के आधार पर उर्वरकों की संतुलित मात्रा का उपयोग करने और भूमि पर बोई गई फसल अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग करने आदि का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं तथा समसामयिक सलाह भी किसानों को प्रदान की जा रही है।

पटना-इंदौर एक्सप्रेस से 311 दुर्लभ प्रतिबंधित कछुए जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश में वन्यजीव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स मध्यप्रदेश, रेलवे सुरक्षा बल एवं वन मंडल भोपाल की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 311 दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के कछुओं को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर रेलगाड़ी संख्या 19322 पटना-इंदौर एक्सप्रेस के प्रथम श्रेणी वातानुकूलित कोच में तलाशी के दौरान आरोपी अजय सिंह राजपूत, पिता रामकुमार, के कब्जे से इन कछुओं को बरामद किया गया। इस संबंध में वन अपराध प्रकरण क्रमांक 237/23, 3 फरवरी 2026 को पंजीबद्ध कर मामले की विवेचना प्रारंभ कर दी गई है। प्राथमिक जांच में यह वन अपराध अंतर्राज्यीय स्तर का प्रतीत होने के कारण, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, मध्यप्रदेश के निर्देश पर प्रकरण दर्ज कर स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है और उसे 4 फरवरी 2026 को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इन कछुओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने के बाद उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित रूप से मुक्त किया जाएगा।

शोध जर्नल का विमोचन

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने, मंगलवार को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय भोपाल द्वारा संकलित शोध पत्रों पर प्रकाशित शोध जर्नल का विमोचन किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित शोध पत्रों एवं उनकी गुणवत्ता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्य महाविद्यालयों द्वारा भी इस प्रकार के शोध प्रकाशन किए जाना चाहिये। मंत्री ने छात्र-छात्राओं को भी शोध पत्र लेखन के लिये प्रोत्साहित किये जाने को कहा। भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित आलेख का भी समुचित समावेश किये जाने पर जोर दिया ताकि नयी पीढी भारतीय समृद्ध पुरातन ज्ञान एवं संस्कृति से परिचित हो सकें।

आवासीय प्रवेश परीक्षा 8 को

भोपाल । मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा जिला उत्कृष्ट व मॉडल स्कूल एवं श्रमोदय आवासीय प्रवेश चयन परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा 8 फरवरी को सुबह 11 बजे से शुरू होगी प्रवेश परीक्षा में कुल 2 हजार 870 विद्यार्थी एवं जिला उत्कृष्ट/मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा में 80 हजार 699 विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में कुल 386 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष खंडेलवाल के साथ मुख्यमंत्री ने बताईं आम बजट की खूबियां

वैश्विक स्तर पर छवि बेहतर बनेगी: सीएम

विशेष संवाददाता,भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केन्द्रीय बजट से वैश्विक स्तर पर भारत की छवि बेहतर बनेंगी। इससे मध्यप्रदेश का भी ग्रोथ होगा। बजट में अंत्योदय की भावना दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील मेक इन इंडिया अभियान को नई ऊर्जा देगा,जिससे देश में विकास और निवेश के नए अवसर खुलेंगे।

सीएम डॉ. यादव मंगलवार को कुशाभाई ठाकरे सभागार में केन्द्रीय बजट को लेकर पत्रकारों से संवाद कर रहे थे। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा,प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल,प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेप डील भारत के सशक्त नेतृत्व और वैश्विक साझेदारी में बने विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय बजट के उपरांत हुई डील कई मायने में अहम है। बजट में किए गए प्रावधान दूरगामी और व्यापक प्रभाव वाले है। जिस तरह से बजट में महिला सशक्तिकरण और रोजगार पर केंद्रित प्रावधान को प्राथमिकता दी गई है,उससे महिला रोजगार ,उद्यमिता और स्व-सहायता समूहों को मजबूत करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए है। इससे ग्रामीण अंचल के अलावा शहरी आबादी की महिलाओं को आर्थिक रुप से मजबूती मिलेगी। सीएम ने कहा कि बजट में टियर-1,टियर-2 शहरों के विकास, अधोसरंचना निर्माण और औद्योगिक

गतिविधियों के विस्तार के लिए विशेष प्रावधान किए गए है,इसका लाभ मध्यप्रदेश के शहरो को ही होगा। जिससे यहां के कई शहरों में तेजी से कार्य होंगे। हमने दो मेट्रोपॉलिटन सिटी की दिशा में काम किए जा रहे है। आम बजट में केन्द्र सरकार ने इसके लिए प्रावधान किए है। जिसका लाभ राज्य को सीधे मिलेगा। इसी तरह फार्मा बायोटेक,स्वास्थ्य और रिसर्च सेक्टर को बढ़ावा देने की दिशा में भी केन्द्रीय बजट में विशेष प्रावधान किए गए है। कई गंभीर बीमारियों से जुड़ी दवाईयों के दाम कम होने के अलावा विशेष रियासतें और योजनाएं भी घोषित की गई है। रिसर्च सेक्टर को बढ़ावा देने से मध्यप्रदेश के युवाओं और स्टार्ट-अप को इसका लाभ मिलेगा। ए-आई आधारित तकनीको को बढ़ावा देने के लिए बजट में प्रावधान किए गए है,जिससे राज्य सहित पूरे देश में हाइटेक इंडस्ट्री,डिजिटल निवेश और नवाचार आधारित उद्योमिता को बढ़वा मिलेगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। प्रदेश में कपड़ा उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्यों को जी.डी.पी में योगदान के आधार पर बजट मिलेगा,इससे राज्य और बेहतर काम करेंगे।

हमारा केन्द्र से आत्मा जैसा तालमेल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो आम बजट को देखें,तो कई मामले में वह राज्य की प्राथमिकताओं से मेल खाते है। हमारी सरकार कृषि,रोजगार ,महिला सशक्तीकरण और बुनियादी ढांचे को लेकर जो काम कर रही है,उसका बजट में समावेश देखने को मिलता है।

राहुल को समझ में नहीं आता

एक सवाल के जवाब में सीएम डॉ.यादव ने कहा कि राहुल गांधी को स्वयं कुछ समझ में नहीं आता है कि वह बोल क्या रहे है। उन्हें बोलने से पहले यह सोच लेना चाहिए कि लोग उनके बोलने का क्या मतलब निकालेंगे,उनकी मुश्किल यही है,जिस रक्षा बजट पर 15 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है,उससे अच्छा क्या हो सकता है।

विकास और विश्वास का बजट: खंडेलवाल

इससे पहले प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के आम बजट को विकास और विश्वास का बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में तत्कालीन विषयों पर प्रकाश डालने की बजाए दीर्घकालीन काम पर असर डालने वाले प्रावधान किए गए है। यह बजट विकसित व आत्मनिर्भर भारत के विजन का सशक्त दस्तावेज है। गरीब,युवा,नारी शक्ति,अन्नदाता के साथ मध्यम वर्ग और उद्यमियों के कल्याण व सशक्तिकरण के प्रावधान बजट रिफॉर्म परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश के कुल कर्ज को जीडीपी के 56 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत तक लाने की योजना है। बजट से मध्यप्रदेश को भी व्यापक लाभ मिलेगा।

तत्काल सर्वे करा किसानों को उपलब्ध कराएं राशि

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रियों से कहा है कि राज्य में जहां भी ओला-पाला से फसलें प्रभावित हुई है,वहां कलेक्टर सर्वे कराकर किसानों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने की दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष के दौरान किसानों के हितों पर विशेष फोकस किया जाएगा। मुख्यमंत्री मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक से पहले अपने मंत्रियों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों के सभी प्रकार के हित सुनिश्चित करने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से ही वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषक कल्याण कृषि वर्ष में मालवा, निमाड़, चंबल और विंध्य अंचलों में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया जा रहा है। पुष्प उत्पादन और देश-विदेश में फूलों की बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भावांतर योजना में सरसों और अन्य तिलहन फसलों को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। उड़द को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाई जा रही है। सीएम ने श्रीपशुपतिनाथ लोक में सुविधाओं और प्रतिमा के क्षरण को रोकने के उपाय को अनुकरणीय बताया।

सीएम को सौंपा लाभांश मुख्यमंत्री डॉ यादव को मंत्रालय में: नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने 4 करोड़ 39 लाख रुपए लाभांश का चैक भेंट किया। मंत्री शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री की नीतियों के परिणाम स्वरूप म.प्र. ऊर्जा विकास निगम पिछले 2 वर्षों में लाभ की स्थिति में आ गया है। वर्ष 1982 में निगम की स्थापना के बाद यह पहला अवसर है, जब निगम को लाभ हुआ है। मंत्री श्री शुक्ला ने बताया कि कुसुम योजनाओं में किसानों द्वारा बड़ी संख्या में भाग लेने के परिणाम स्वरूप 3 वर्षों में निगम को 41 करोड़ आय हुई है।

सरकार कराएगी पेयजल पाइपलाइनों का ऑडिट

पीएमओ और सीएस के पास पहुंची शिकायत, जांच के निर्देश

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने राज्य में पेयजल पाइपलाइनों की ऑडिट कराएगी। जिसमें यह पता लगाया जाएगा कि जल आपूर्ति परियोजनाओं में घटिया एचडीपीई (उच्च घनत्व पॉलीथीन) पाइपों के उपयोग तो नहीं किया गया है। सरकार ने पीएमओ और मुख्य सचिव को मिली शिकायत के उपरांत यह जांच कराने के निर्देश दिए है। जानकारी के अनुसार इंदौर में दूषित पानी की वजह से हुई मौतों के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव को एक शिकायत मिली है,जिसमें दावा किया गया है कि पाइपलाइन की दूषित सामग्री के कारण इंदौर और अन्य शहरों में जल प्रदूषण हुआ और इससे रहवासियों की मौतें हुई है। शिकायत में कहा गया है कि जनवरी 2023 से भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस)द्वारा मध्य प्रदेश जल निगम, जल शक्ति मंत्रालय और राज्य के विभागीय अधिकारियों को एचडीपीई पाइपों में पुनः संसाधित या पुनर्चक्रित पॉलिमर से जुड़े जोखिमों के बारे में कई बार चेतावनी भेजी गई थी। लेकिन इस पर किसी भी स्तर पर ध्यान नहीं दिया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि पेयजल नेटवर्क का लगभग 80प्रतिशत हिस्सा एचडीपीई पाइपों पर निर्भर है । कहा गया है कि कई स्थानों पर पाइप स्थापना से पहले ही खराब हो रहे हैं जिससे उनमें विषाक्त पदार्थों का रिसाव हो रहा है और दुर्गंध, खराब स्वाद, मैलापन पानी हो रहा है,जिसमें सूक्ष्मजीवों की वृद्धि होने से पानी का सेवन करने पर दस्त, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। शिकायत में दावा किया गया है कि इंदौर के नगर निगम अधिकारी कई दिनों तक प्रदूषण के स्रोत की पहचान करने में विफल रहे, और कहा गया है कि पाइपलाइन ही मूल कारण है। इंदौर के अलावा सतना,रतलाम में भी इसी तरह की घटनाएं प्रशासनिक अनदेखी के कारण हुई है।

इस संबंध में शहरी प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत एस भोंडवे ने कहा कि आरोपों की जांच की जा रही है। आयुक्त भोंडवे ने बताया, उनके द्वारा संबंधित विभाग के माध्यम से पाइपों का ऑडिट कराने का आदेश दिया गया है। इस पर पूरी नजर रखी जा रही है।

बुरहानपुर में रीजनल कॉन्क्लेव 14 फरवरी को, तैयारी शुरू

मुख्य संवाददाता, भोपाल। ताप्ती नगरी बुरहानपुर में 14 फरवरी को निवेश, कौशल और रोजगार के मकसद से रीजनल इंडस्ट्री स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट (राइज) कॉन्क्लेव का आयोजन होगा। एमपीआईडीसी से मिली जानकारी के अनुसार यह कॉन्क्लेव 14 फरवरी को सुबह 10 से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस एक दिवसीय आयोजन में बुरहानपुर की पहचान केला और टेक्सटाइल को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। इस आयोजन में सीएम डॉ मोहन यादव मौजूद रहेंगे और इस दौरान कई निवेशकों से मौके पर ही एमओयू साइन होने की संभावना है। राइज कॉन्क्लेव में अलग-अलग सत्र भी होंगे जिसमें औद्योगिक क्षेत्रों के विशेषज्ञ युवाओं और उद्योगपतियों को रोजगार के साथ नई औद्योगिक इकाई लगाने की जानकारी देंगे। इस दौरान उम्मीद जताई जा रही है कि कौशल विकास और रोजगार पर आधारित इस कॉन्क्लेव के जरिए युवाओं को भी रोजगार के कई अवसर मिलेंगे।

पूर्व सीएम शिवराज व राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा के बीच कानूनी लड़ाई खत्म

सुप्रीम कोर्ट ने समझौते को अभिलेख पर लेकर मानहानि प्रकरण किया निरस्त

जबलपुर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व राच्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तन्खा के बीच लंबे समय से चल रहा कानूनी विवाद आखिरकार खत्म हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट के सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के सुझाव के बाद, दोनों नेताओं ने लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत का रास्ता चुना। संसद में मुलाकात और बातचीत के बाद, विवेक तन्खा ने चुनाव के दौरान दिए गए बयानों के संबंध में दायर किए गए सिविल और आपराधिक मानहानि के मामलों को वापस लेने का

फैसला किया। समझौते को अभिलेख पर लेते हुए करते सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश्वा व न्यायमूर्ति एनके सिंह की युगलपीठ ने मानहानि के प्रकरण को निरस्त करने का राहतकारी आदेश पारित कर दिया। दरअसल, तन्खा ने आरोप लगाया था कि शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें पंचायत चुनावों पर रोक के लिए दोषी ठहराया। ऐसा करने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेशों को गलत तरीके से पेश किया। इसी के व्यथित होकर उन्होंने मानहानि का नोटिस भेज दिया था। बाद में अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया, जो जबलपुर की एमपीएमएलए कोर्ट में विचाराधीन रहने के दौरान प्रकरण निरस्त कराने शिवराज सहित अन्य पहले हाई कोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए।

10 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग का था मामला

यह मामला 2021 में हुए मध्य प्रदेश के पंचायत चुनावों से जु?ा था। उन दिनों विवेक तन्खा वरिष्ठ अधिवक्ता के तौर पर सुप्रीम कोर्ट में पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण से जु? एक केस में पेश हुए थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे लेकर कुछ बयान दिए थे। तन्खा का कहना था कि इन बयानों से उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। उन्हें सार्वजनिक आलोचना का सामना करना पड़ा. इसे आधार बनाते हुए उन्होंने सिविल और क्रिमिनल मानहानि केस दर्ज करवाए। सिविल केस में 10 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की। वहीं, आपराधिक शिकायत में आईपीसी की धारा 500 के तहत कार्यवाही की मांग की। शिवराज सिंह चौहान की ओर से सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने अवगत कराया कि दोनों पक्ष संसद में मिले और वहां आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर लिया। इसके बाद तन्खा ने दोनों मामलों को वापस ले लिया है। इस पर कोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता की तरफ से आरोप वापस लेने के बाद आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है।

प्रदेश की ईवीएम से होंगे राजस्थान में निकाय चुनाव

जयपुर में निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव की मौजूदगी में हुआ एमओयू

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग को स्थानीय निकाय चुनावों के लिए कुल 30 हजार कंट्रोल यूनिट एवं 60 हजार बैलेट यूनिट किराये पर उपलब्ध कराई जाएंगी। इन ईवीएम का उपयोग राजस्थान में नगरीय निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में किया जाएगा।

इस संबंध में मंगलवार को राजस्थान के जयपुर के सचिवालय स्थित राज्य निर्वाचन आयोग में अतिरिक्त समझौता ज्ञापन (एडिशनल एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एम.ओ.यू. मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग एवं राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के बीच ईवीएम उपलब्धता एवं उपयोग से संबंधित पूर्व में किए गए समझौते का विस्तार है।आयुक्त राज्य निर्वाचन म.प्र. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि इस एडिशनल एम.ओ.यू. के अंतर्गत

ईवीएम की आपूर्ति, उपयोग, रख-रखाव, सुरक्षा एवं वापसी से संबंधित सभी शर्तें भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप

सुनिश्चित की जाएंगी। राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजेश्वर सिंह ने मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आपसी समन्वय एवं सहयोग संघीय ढांचे की भावना को मजबूत करने के साथ चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान ईवीएम की सुरक्षा, परिवहन, भंडारण एवं संचालन की जिम्मेदारी संबंधित प्रोटोकॉल के तहत सुनिश्चित की जाएगी। ईवीएम के तकनीकी परीक्षण (एफ.एल.सी.), मरम्मत एवं आवश्यक तकनीकी सहयोग का कार्य भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद के अधिकृत इंजीनियरों द्वारा किया जाएगा।

एडिशनल एम.ओ.यू. में यह भी प्रावधान किया गया है कि ईवीएम के परिवहन, लोडिंग-अनलोडिंग, सुरक्षा व्यवस्था तथा तकनीकी स्टाफ की यात्रा से संबंधित व्यय की व्यवस्था निर्धारित नियमों के अनुसार की जाएगी। चुनाव सम्पन्न होने के पश्चात ईवीएम की वापसी, परीक्षण एवं क्षति की स्थिति में प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया भी स्पष्ट रूप से तय की गई है।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग को 30 हजार कंट्रोल यूनिट एवं 60 हजार वैलट यूनिट 4 महीने की अवधि के लिए किराए पर दी जायेंगी। इसके लिए राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग को लगभग 3 करोड़ रुपए दिये जायेंगे। पूर्व में भी म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा छत्तीसगढ़, जम्मू काश्मीर, सिक्किम और महाराष्ट्र को किराये पर ईवीएम दी जा चुकी हैं।

नाम कटवाने को लेकर कांग्रेस ने दर्ज कराई रिपोर्ट,इंदौर में जीतू बैठे धरने पर

विसं भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में इंदौर के राजवाड़ा में धरना दिया गया। इस मौके पर पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार इस मामले में न तो दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और न ही पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा व उन्हें न्याय दिलाया जा रहा है। पटवारी ने कहा कि भाजपा सरकार की आपराधिक लापरवाही की वजह से 32 निर्दोषों की जान गई है। उन्होंने कहा कि कोई भी पीड़ित अकेला नहीं है,उनके साथ कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता खड़ा है।

कांग्रेसी पहुंचे एसआईटी के पास

इधर भोपाल में प्रदेश कांग्रेस महासचिव अमित शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने स्लाटर हाउस की जांच कर रहे एसआईटी प्रमुख एसीपी उमेश तिवारी से मिला और उन्हें कई दस्तावेज दिखाते हुए महापौर और कुछ एमआईजी सदस्यों के खिलाफ जांच कराने का आग्रह किया। शर्मा ने कहा कि इस पूरे मामले में जिस तरह की जांच की जा रही है,उसमें प्रमुख लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पूरा मामला जनभावनाओं से जुड़ा हुआ है,इसलिए इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

फॉर्म 7 के दुरुपयोग की शिकायत

इधर भोपाल में शहर कांग्रेस ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर प्रक्रिया के तहत फॉर्म 7 का दुरुपयोग होने की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी से की। शहर जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना की अगुवाई में कांग्रेसियों ने जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों को अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायत की। इस पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उनके द्वारा भोपाल के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को फॉर्म 7 की गहन जांच एवं अवैध आपत्तियों पर प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। इसी तरह पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा के साथ जिलाध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने टीटी नगर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि सूरज नगर में रहने वाले कदीर खां और साहिल का नाम फॉर्म 7 के जरिए कटवाया गया है।

प्रस्ताव — राजधानी में चार लोकेशन चिन्हित इनमें से एक का होगा चुनाव

लाल आतंक के अंत और शहीदों की शौर्यगाथा होगी जीवंत, भोपाल में बनेगा नक्सल संग्रहालय

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस ने राज्य से नक्सलवाद के सफाए के बाद अब इसके काले इतिहास और सुरक्षा बलों के साहस को सहेजने की तैयारी कर ली है। पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने राजधानी भोपाल में एक अत्याधुनिक नक्सल संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। यह संग्रहालय न केवल पिछले साढ़े तीन दशकों के पुलिस और नक्सली संघर्ष को दर्शाएगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को लिए शांति और सुरक्षा समझाने वाला एक महत्वपूर्ण केंद्र भी बनेगा। प्रस्ताव के मुताबिक संग्रहालय में प्रदेश में नक्सलवाद के 35 वर्षों के इतिहास को कालक्रम के अनुसार दर्शाया जाएगा।

फाईल फोटो

शुरुआत से अंत तक की कहानी डिजिटल में

संग्रहालय में चित्रों और प्रतिमाओं के जरिए दिखाया जाएगा कि किस तरह अविभाजित एमपी के जंगलो में नक्सलवाद ने अपनी जड़े जमानी शुरु कीं। इसके अलावा सुरक्षा बलों को दुर्गम जंगलों और कठिन परिस्थितियों में इनके सफाए के लिए कठिन चुनौतियों का सामना किया। इस म्यूजियम की सबसे बड़ा आकर्षण घटनाओं, हमलों और मुठभेड़ों के विवरण को डिजिटल मीडिया के जरिए जीवंत स्वरुप में पेश किया जाना होगा।

50 जांबाज शहीदों की प्रतिमाएं बनेंगी प्रेरणा स्रोत

संग्रहालय का सबसे भावुक और अहम महत्वपूर्ण उन 50 से अधिक वीर शहीदों को समर्पित होगा जिन्होंने राज्य की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। इसमें एमपी पुलिस के 30 से अधिक जवानों समेत सीआरपीएफ, कोबरा और हॉक फोर्स के शहीद शामिल होंगे। इसके साथ ही इन शहीदों की वीरता, समर्पण और बलिदान की कहानियों को लिखित और ऑडियो विजुअल के रूप में पेश किया जाएगा ताकि यह संग्रहालय एक स्मारक का रूप भी ले सके।

चार स्थानों में से एक का होगा चयन, मंजूरी का इंतजार

पिछले साल दिसंबर में ही मध्य प्रदेश को पूरी तरह से नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। प्रदेश के बालाघाट, मंडला, उमरिया और डिंडोरी किसी समय इस समस्या से प्रभावित थे। एंटी-नक्सल ऑपरेशंस के तत्कालीन स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव ने इस प्रस्ताव को तैयार कर राज्य सरकार को भेजा था, जिसके जल्द ही मंजूर होने के आसार हैं। संग्रहालय के लिए भोपाल के कई प्रमुख स्थानों पर विचार किया जा रहा है। राजधानी के पीएचक्यू परिसर, श्यामला हिल्स स्थित एसटीएफ मुख्यालय, भौरी स्थित पुलिस ट्रेनिंग सेंटर या राच्य संग्रहालय के नजदीक किसी उपयुक्त स्थल पर इसे स्थापित किया जा सकता है। पीएचक्यू के अफसरों का दावा है कि यह संग्रहालय आने वाले समय में न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का एक केंद्र होगा।

नगर में आज

70वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी
- स्थान: जनजातीय संग्रहालय
- समय: सुबह 11 बजे से

नर्मदा देवी पुराण कथा
- स्थान: कुंजन नगर फेज 2
- समय: दोपहर 2 बजे से

शिव महापुराण कथा
- स्थान: मीरा मंदिर 11 नं स्टॉप
- समय: दोपहर 2 बजे से

पुस्तक मेला
- स्थान: मानस भवन
- समय: सुबह 1 से रात 10 तक

विश्व कैंसर दिवस आज

अगले साल तक भोपाल में मिलेगा कैंसर का पूरा इलाज

हमीदिया में लीनियर एस्केलेरेटर और एम्स में 200 बेड का सीसीयू हो रहा तैयार, बीएमचआरसी में बन रही कैंसर यूनिट

नगर संवाददाता, भोपाल। पूरी दुनिया आज विश्व कैंसर दिवस मना रही है। इस बार की थीम है, यूनाइटेड बाए यूनिक। जिस तेजी से कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उतनी तेजी से इसके इलाज की सुविधाएं नहीं बढ़ रही हैं। लेकिन अगले एक साल में भोपाल में कैंसर इलाज की पूरी सुविधाएं भोपाल में उपलब्ध होने वाली हैं। इसके लिए राज्य व केंद्र सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। एक तरफ जहां राज्य सरकार हमीदिया अस्पताल में आंकोलॉजीकल सुइट स्थापित करने जा रही है। वहीं केंद्र सरकार द्वारा एम्स में कैंसर केयर यूनिट का निर्माण कराया जा रहा है। यहां 200 बेड का विशेष वार्ड होगा। इसके अलावा बीएमएचआरसी और जेपी अस्पताल में भी कैंसर इलाज को लेकर व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं।

हमीदिया में बंकर तैयार

हमीदिया अस्पताल एडवांस बंकर पूरी तरह तैयार हो गया है। यहां करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से लीनियर एक्सीलेरेटर लगाया जाएगा। यह मशीन कैंसर की सटीक जांच और रेडियोथैरेपी के लिए उपयोग की जाएगी। मशीन के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीद है कि 6 महीने में मशीन आ जाएगी। खास बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड न होने पर भी इलाज मुफ्त रहेगा, जबकि निजी अस्पतालों में लीनियर एक्सीलरेटर से इलाज का खर्च 70 हजार से 1.7 लाख तक है।

> लीनियर एक्सीलरेटर मशीन के लिए प्रस्ताव मंजूर हो गया है और बंकर का काम तेजी से चल रहा है। हमारी कोशिश है कि सारी प्रक्रिया समय पर पूरी हो
>
> ■ **डॉ. कविता एन सिंह**, डीन, जीएमसी

295 करोड़ का प्रस्ताव भेजा

200 बेड का अत्याधुनिक अपेक्स आन्कोलॉजी सेंटर (कैंसर अस्पताल) बनाया जाएगा। एम्स में हर साल 36 हजार से ज्यादा कैंसर मरीज आते हैं। एम्स दिल्ली के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा लेवल-1 अपैक्स ट्रामा सेंटर भी भोपाल में तैयार होगा। इस सेंटर के पहले चरण के लिए 295 करोड़ का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है। साथ ही 85 करोड़ की गामा नाइफ भी काम करना शुरू कर देगी। एम्स में न्यूरो सर्जन डॉ. आदेश श्रीवास्तव के मुताबिक गामा नाइफ से इन्फेक्शन रेडियस मात्र 0.01 प्रतिशत ही रह जाता है। यही नहीं इससे 0.1 एमएम के क्षेत्र में भी रेडिएशन दिया जा सकता है।

> कैंसर यूनिट के लिए सारी प्रक्रियाएं हो चुकी हैं। बंकर लगभग तैयार हो चुका है। गामा नाइफ भी जल्द ही आएगा। एम्स कैंसर ट्रीटमेंट में सबसे बड़ा सेंटर बनेगा।
>
> ■ **संदेश जैन**, डिप्टी डायरेक्टर एम्स

बीएमएचआरसी में गैस पीड़ितों को मिलेगा इलाज

बीएमचआरसी में अत्याधुनिक कैंसर यूनिट स्थापित की जा रही है, जो आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस होगी। यह यूनिट ब्रेस्ट, लंग्स और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर सहित विभिन्न प्रकार के कैंसर के लिए विशेषज्ञ उपचार, कीमोथेरेपी और रेडिएशन सुविधा प्रदान करेगी, जिससे मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। इसके साथ ही सीटी स्कैन सेंटर के लिए भी मंजूरी मिल गई है।

> अस्पताल में गैस पीड़ितों के लिए लगातार सुविधाओं में इजाफा हो रहा है। कैंसर यूनिट बनने से इन मरीजों को निजी संस्थान नहीं जाना पड़ेगा।
>
> ■ **डॉ. मनीषा श्रीवास्तव**, निदेशक बीएमएचआरसी

60 फीसदी महिलाओं को थर्ड स्टेज में ब्रेस्ट कैंसर का चलता है पता

नगर संवाददाता, भोपाल। कैंसर के प्रति समाज में आज भी जागरुकता की कमी है। कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर या चिकित्सा विज्ञान से जुड़े लोग कैंसर का सटीक इलाज इसकी सही समय पर पहचान को मानते हैं। इस बारे में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल (एम्स) में एक रिसर्च हुआ है। यह रिसर्च एम्स के सर्जिकल आंकोलॉजी विभाग की देखरेख में हुई है। एम्स भोपाल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग द्वारा पिछले छह महीनों में एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस अध्ययन के अंतर्गत कुल 167 स्तन कैंसर रोगियों की जांच की गई। इनमें से लगभग 60 प्रतिशत महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की पहचान तीसरे या चौथे स्टेज पर हुई है। जबकि केवल 32 प्रतिशत मामलों में स्टेज दो में पहचान हो सकी। महज आठ फीसदी मरीज ऐसे मिले हैं, जिनमें ब्रेस्ट कैंसर की पहचान पहले स्टेज पर हो सकी। चिकित्सकों की नजर में देर से पहचान न सिर्फ इलाज में रुकावट बनती है बल्कि मृत्यु के बड़े कारणों में से एक होती है।

जिंदा बचने के सिर्फ 10 फीसदी चांस

एम्स की रिपोर्ट कहती है कि यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में वैश्विक स्तर पर देखी जा रही है। कई उच्च आय वाले देशों में इससे जीवित रहने की दर 90 प्रतिशत से अधिक है। जबकि भारत सहित अन्य विकासशील देशों में यह दर सिर्फ 10 प्रतिशत है।

हर साल 6 लाख से ज्यादा मौतें

यूनियन फॉर इंटरनेशनल कैंसर कंट्रोल के अनुसार, स्तन कैंसर दुनिया भर में महिलाओं में सबसे अधिक पहचाना जाने वाला कैंसर है। वर्ष 2022 में इसके लगभग 23 लाख नए मामले सामने आए। यह महिलाओं में होने वाले कुल कैंसर मामलों में हर चार में से एक मामला है। उसी वर्ष लगभग 6.7 लाख महिलाओं की मृत्यु स्तन कैंसर के कारण हुई। वर्तमान में, 95 प्रतिशत देशों में ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में मौत का पहला या दूसरा प्रमुख कारण बन चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि यदि सुझाए गए उपाय प्रभावी रूप से लागू किए जाएं, तो 2040 तक वैश्विक ब्रेस्ट कैंसर मृत्यु दर में हर वर्ष लगभग 2.5 प्रतिशत की कमी लाई जा सकती है और लगभग 25 लाख मौतों को रोका जा सकता है।

एम्स भोपाल में स्क्रीनिंग और इलाज दोनों की सुविधा

एम्स भोपाल में स्क्रीनिंग कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं की क्लिनिकल ब्रेस्ट जांच की जाती है। आवश्यकता होने पर मैमोग्राफी जैसी इमेजिंग जांच तथा आगे की नैदानिक प्रक्रिया अपनाई जाती है। यहां स्तन कैंसर के लिए समर्पित ऑन्कोलॉजी ऑपरेशन थियेटर, एडवांस डायग्नोस्टिक एवं इमेजिंग सुविधाएं, सर्जिकल, मेडिकल और रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट तथा प्रशिक्षित काउंसलरों की बहुविषयक टीम कार्यरत है। 40 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को, लक्षण न होने पर भी, नियमित स्क्रीनिंग कराने की सलाह दी जाती है। वहीं जिन महिलाओं के परिवार में स्तन कैंसर का इतिहास रहा है, उन्हें आनुवंशिक परामर्श और जोखिम मूल्यांकन के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

किसान ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। बैरसिया इलाके में किसान ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय छोटा उर्फ महेंद्र उर्फ धर्मेंद्र यादव पिता पहर सिहं मिदानपुर गांव में रहता था। वह खेती किसानी का काम करता था और शराब पीने का आदी था। उसके दो बच्चे हैं। आठ दिन पहले पत्नी बच्चे के साथ मायके गई थी। सोमवार शाम सात बजे उसने शराब के नशे में फांसी लगा ली। इसकी सूचना पड़ोसियों ने पत्नी को दी। मौके पर पहुंची पत्नी और पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ने पर वह रस्सी के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुरानी रंजिश में युवक पर तलवार से हमला

जागरण, भोपाल। कोलार रोड पुलिस ने पुरानी रंजिश के चलते युवक पर जानलेवा हमला करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने तलवार और डंडे से हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पुलिस के अनुसार मंगलवार को 27 वर्षीय अभि मीणा निवासी न्यू सनखेड़ी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सागर, राज उईके, तरुण और एक अन्य साथी ने पुरानी रंजिश के चलते उसे मां-बहन की गालियां देते हुए तलवार और डंडे से हमला किया।

अंशुमान यादव ने संभाला खेल संचालक का पद

विसं भोपाल। पुलिस अधिकारियों के फेरबदल में राज्य के खेल संचालक बनाए गए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी अंशुमान यादव ने मंगलवार को अपना दायित्व संभाल लिया। उन्हें निर्वतमान संचालक राकेश गुप्ता ने पदभार सौंपा। एडीजी गुप्ता उज्जैन जोन के पुलिस मुखिया बनाए गए है। गौरतलब है कि अंशुमान यादव हाल में ही प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे है, जिन्हें खेल संचालक जैसा अहम पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदभार संभालने के उपरांत नए संचालक ने विभागीय अधिकारियों से खेल गतिविधियों और आगामी आयोजनों के साथ योजनाओं की जानकारी हासिल की।

देश के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला का बजटः सारंग

जागरण लेक सिटी में युवा बजट संवाद कार्यक्रम का आयोजन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि आम बजट केवल आर्थिक दस्तावेज नहीं बल्कि देश के उज्ज्वल भविष्य की सशक्त आधारशिला है। इसमें सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। सारंग मंगलवार को जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी में आहुत युवा संवाद- बजट 2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित है। यह बजट ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) पर केंद्रित है जो युवाओं के सपनों को उड़ान देने वाला, किसानों के आत्मविश्वास को मजबूत करने वाला, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाला तथा मध्यम और गरीब वर्ग को सशक्त करने वाला है। इससे पहले सारंग ने दीप प्रज्ज्वलन कर युवा संवाद- बजट 2026 कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित होकर युवाओं से संवाद किया और केंद्रीय बजट वर्ष 2026-27 के प्रमुख प्रावधानों, सरकार की दूरदृष्टि और विकसित भारत के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मंत्री सारंग ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। बजट 2026 में विशेष रूप से युवाओं की सहभागिता और नेतृत्व को केंद्रित किया गया है। स्किल इंडिया, डिजिटल स्किल्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को दक्ष बनाकर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं बल्कि भारत की ग्रोथ इंजन है। यही कारण है कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा बल्कि उसे नीति और नीयत दोनों का हिस्सा बनाया। यह बजट इसी स्पष्ट नीयत का प्रमाण है, जहां हर योजना, हर निवेश और हर सुधार के केंद्र में महिला की गरिमा, सुरक्षा, स्वावलंबन और नेतृत्व क्षमता को रखा गया है। इस बजट में महिला सशक्तिकरण के लिए जो रोडमैप प्रस्तुत किया गया है। वह सामाजिक न्याय से आगे बढ़कर आर्थिक भागीदारी, तकनीकी नेतृत्व और वैश्विक प्रतिस्पर्धा तक महिलाओं की भूमिका को विस्तार देता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना और हर वर्ग के सपनों को साकार करने वाला बजट है। यह बजट न केवल अर्थव्यवस्था को गति देने पर केंद्रित है बल्कि गरीब, किसान, युवा, महिला और मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण के लिए भी केंद्रित है। केंद्र सरकार द्वारा इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए एक प्रगतिशील, दूरगामी और प्रभावकारी बजट प्रस्तुत किया गया है।

नाबालिग से रेप के आरोपी को वकीलों ने कोर्ट में पीटा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। नाबालिग से रेप, ब्लैकमेलिंग के आरोपी ओसाफ अली खान को पुलिस ने जिला कोर्ट में पेश किया। जहां वकीलों ने उसे हाथ-मुक्कों से पीट दिया। वकीलों ने लव जिहाद का आरोप लगाया। करीब चार मिनट तक वकील और पुलिस के बीच झूमाझटकी चली। इसके बाद पुलिस उसे निकालकर ले गई। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश किया था। जहां से उसे पुलिस ने दो दिन की रिमांड पर लिया है। कोर्ट से निकलते वक्त शाम साढ़े छह बजे यह घटना कोर्ट के फर्स्ट फ्लोर पर एफ-16 के साथ हुई।

वकीलों की भीड़ ने आरोपी को घेर लिया। आरोपी को देखते ही उनका गुस्सा भड़क उठा और इसके बाद मारपीट शुरू कर दी। पुलिस ने धक्का मुक्की के बीच आरोपी को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

रेप का अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल: कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक, रेप, ब्लैकमेलिंग और पाक्सो एक्ट के तहत एक पीड़िता ने शिकायत की थी। वह शाहपुरा स्थित एक स्कूल में 11वीं की छात्रा है। आरोपी ओसाफ अक्सर छात्रा की सहेली से मिलने स्कूल के आसपास आता था। सहेली के माध्यम से उसकी पहचान पीड़िता से हुई। पिछले साल जुलाई में आरोपी ने छात्रा को भोपाल घुमाने के बहाने बुलाया। इसके बाद खानूगांव के सुनसान इलाके में ले गया। वहां कार के अंदर आरोपी ने छात्रा के साथ रेप किया। विरोध करने पर उसने शादी का झांसा देकर उसे चुप करा दिया।

धर्म परिवर्तन का बना रहा था दबाव

इसके बाद छात्रा ने अपने मौसेरे भाई और हिंदू संगठन के सदस्यों की मदद से थाने पहुंचकर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। आरोपी छात्र पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव डाल रहा था। जबरन धार्मिक दुआएं भी पड़वाईं। पुलिस की पूछताछ जारी है।

निर्देश — वल्लभ भवन चौराहे पर बनाई 45 फीट की वैकल्पिक रोटरी, सात दिन तक चलेगा प्रयोग

पदभार संभालते ही ढाई घंटे पैदल चलकर पुलिस सीपी ने लिया ट्रैफिक का जायजा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल पुलिस कमिश्नर (सीपी) की बागडोर संभालने के बाद पहले ही दिन संजय कुमार सड़कों पर उतरे। उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को अहम निर्देश दिए। सुबह साढ़े 10 बजे सीपी वल्लभ भवन चौराहा यानी एमपी नगर थाना चौराहा पहुंचे। चौराहे पर 45 फिट की वैकल्पिक रोटरी बनाई गई है। कोन्स से बनाई यह रोटरी सात दिन तक प्रयोग में रहेगी। इसके बाद ट्रैफिक विशेषज्ञों की राय पर इसे ठीक करने का काम किया जाएगा। इसके बाद सीपी दोपहर तीन बजे बागसेवनिया थाना चौराहा पहुंचे। यहां से वह पैदल सागर स्पेशलिटी हॉस्पिटल तक चले। इस दौरान प्रधान मंडपम, बावडिया ब्रिज, दानिश नगर चौराहा, आशिमा मॉल, सागर लैंडमार्क तक पैदल भ्रमण कर ट्रैफिक व्यवस्था और अतिक्रमण को देखा। थाना पुलिस के साथ ट्रैफिक के अधिकारियों को व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। शाम साढ़े पांच बजे सीपी वापस यहां से लौटे। इसके पूर्व पुलिस कमिश्नरेट में आने वाले सभी 34 थानों को अपने-अपने थाना क्षेत्र के तीन स्थान चिन्हित करने को बोला गया था, जहां अतिक्रमण हैं और जाम की स्थिति निर्मित होती है। सीपी के भ्रमण के दौरान ऐसे भी अधिकारी सड़क पर दिखे, जो काफी समय से फील्ड में नजर नहीं आए थे।

1.30 मिनट के सिग्नल को 1.50 मिनट का किया जा रहा

जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे सीपी संजय कुमार वल्लभ भवन चौराहा पहुंचे। उनके साथ ट्रैफिक डीसीपी जितेंद्र पवार, एडिशनल डीसीपी संजय पवार, एसीपी मिलन जैन, एमपी नगर थाना प्रभारी जयहिंद शर्मा मौजूद थे। सीपी ने चौराहे से गुजरने वाले ट्रैफिक को देखा। जो ट्रैफिक आपस में टकरा रहा था, उसके निकाल के लिए प्रयोग के तौर पर रोटरी बनाने को कहा। अभी सात दिन के लिए प्रायोगिक तौर पर 45 फिट की रोटरी कोन्स से बनाई गई है। रोटरी बनाने के बाद ट्रैफिक के अधिकारी ट्रैफिक को व्यवस्थित तरीके से निकालने में जुटे। सीपी यहां पर करीब एक घंटे रहे। खुद मौके का मुआयना किया। अधिकारियों को निर्देश दिए। अभी यहां का सिग्नल 1.30 मिनट का है। चूंकि चौराहा बड़ा है इसलिए इस सिग्नल को 1.50 मिनट किया जा रहा है।

लेफ्ट टर्न बनाने व अतिक्रमण हटाने के निर्देश

दोपहर तीन बजे सीपी बागसेवनिया थाना चौराहा पहुंचे। इस चौराहे पर वह करीब 15 मिनट रहे, ट्रैफिक का मुआयना किया। इसके बाद पैदल निकले। प्रधान मंडपम, बावडिया ब्रिज, दानिश नगर चौराहा, आशिमा मॉल, सागर लैंडमार्क से सागर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल तक गए। इस बीच उन्होंने सड़क के दोनों ओर के ट्रैफिक को देखा। वह यहां पर साढ़े शाम साढ़े पांच बजे तक रहे। बाएं से दायीं ओर जाने वालों के लिए सुरक्षित कट प्वाइंट के साथ लेफ्ट टर्न बनाने को कहा। मुड़ने वाले को चौड़ी जगह मिल जाए और जाम में न फंसे। आवश्यकता अनुसार डिवाइडर बनाने के निर्देश दिए। संबंधित विकास एजेंसी से समन्वय कर ट्रैफिक को कैसे सुरक्षित व सुगम बनाया जाए इसके निर्देश दिए। इसके अलावा सड़क पर किए छोटे-छोटे अतिक्रमण जो समस्या दे रहे हैं, उनके हटाने के निर्देश दिए। ताकि सड़क की बिजिविलिटी साफ रहे।

पीक आवर्स में की जाएगी मॉनीटरिंग

सात दिन रोटरी और सिग्नल के साथ ट्रैफिक संचालित करने के बाद राय ली जाएगी कि इस सिग्नल के लिए क्या सही रहेगा, ताकि यातायात सुगम चले, एक-दूसरे से नहीं टकराए। समय रहते ट्रैफिक दूसरी ओर पार हो जाए। खासकर सुबह-शाम पीक आवर्स में इसकी मॉनीटरिंग की जाएगी। हम बता दें कि इस चौराहे पर छह रास्ते खुलते हैं, जो दुर्घटना की संभावना को बढ़ा रहे हैं।

दैनिक जागरण

सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

भोपाल 04 फरवरी 2026

समझें शब्दों के अंतर

शब्द : आक्षेप, उपहास, कटाक्ष, चुहल तथा दिल्लगी।

भाषा की पाठशाला

डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

आक्षेप : यह संस्कृत-भाषा का संज्ञा शब्द है, जो पुल्लिंग शब्द के रूप में व्यवहृत होता है। यह क्षिप धातु का शब्द है, जिसका अर्थ है, 'फेंकना'। इसमें 'आ' उपसर्ग है। इस उपसर्ग में 'घञ्' प्रत्यय लगा हुआ है। इस प्रकार यह आक्षेप शब्द बना है।

परिभाषा : जब किसी के आचरण के विषय में उसे लज्जित करने के अर्थ में कोई कटु बात कही जाती है, तब वह आक्षेप कहलाता है।

उपहास – यह संस्कृत-भाषा का संज्ञा शब्द है, जिसका प्रयोग पुल्लिंग शब्द में किया जाता है। यह हस (हँसना) धातु का शब्द है, जिसमें 'उप' उपसर्ग है और 'घञ् प्रत्यय लगा हुआ है। इसका अर्थ है – निन्दा, बुराई। हँसी-ठठोली के मध्य किसी को अपमानित करने के उद्देश्य से कही गई बात को उपहास कहते हैं।

कटाक्ष– यह संस्कृत-भाषा का संज्ञा शब्द है, जिसका पुल्लिंग के रूप में प्रयोग होता है। यह 'कट' और 'अक्ष' (व्याप्ति) से बना है। इसमें 'अक्ष' धातु लगा हुआ है। इस धातु में 'अच्' प्रत्यय है, जिसके संयोग से कटाक्ष शब्द का सर्जन हुआ है। तिरछी नज़र से देखने की क्रिया अथवा भाव को कटाक्ष कहा जाता है। इसमें 'व्यंग्य' और 'आक्षेप' की प्रधानता रहती है।

चुहल – यह हिन्दी-भाषा का अनुकरण वाचक स्त्रीलिंग शब्द है । वास्तव में, पक्षियों की बोली को चुहल अथवा चहचहाहट कहा गया है। हँसी-ठठोली (ठिठोली अशुद्ध प्रयोग है) का यह सामान्य रूप है। इसमें किसी को कष्ट पहुँचाने का उद्देश्य नहीं रहता। जब किसी वार्ता-प्रसंग के मध्य में हँसी-ठठोली की बात की जाती है, तब उसे 'चुहल' कहते हैं।

दिल्लगी – यह फ़ारसी-शब्द का संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है, जो फ़ारसी और हिन्दी का यौगिक शब्द है। फ़ारसी का शब्द दिल है और—लगना 'हिन्दी-शब्द है। इसका अर्थ और परिभाषा वही है, जो 'चुहल' की है। इसका उद्देश्य है, मन को प्रसन्न रखना। 'मसखरेबाज़ी' को भी दिल्लगी कहते हैं। दिल बहलानेवाली बातें 'दिल्लगी' हैं।

अशुद्ध शब्द-प्रयोग

अशुद्ध शब्द- जन्मदिन

अशुद्ध प्रयोग – कंजिका का कल जन्मदिन है।

शुद्ध प्रयोग – कंजिका की कल जन्मतिथि है। आयोजन जन्मतिथि के अवसर पर होता है; किन्तु जनसमुदाय जन्मदिन का प्रयोग करता है । मान लीजिए, आपका जन्म 1 जुलाई, 1959 ई0 को हुआ था और उस दिन 'सोमवार' था तो क्या प्रतिवर्ष 1 जुलाई को 'सोमवार' आयेगा? आपका उत्तर होगा– नहीं; किन्तु 1 जुलाई की तिथि प्रतिवर्ष आयेगी। ऐसे में, आपको 'जन्मतिथि' का समारोह करना चाहिए, न कि 'जन्मदिन' का।

खाओ, पर बंद करके

व्यंग्य बाण

● सुनील कुमार महला ●

जब यह लेखक छोटा था, तब अपने ननिहाल में राजस्थानी पारंपरिक व्यंजन कसार खाने का बड़ा लुत्फ उठाया करता था। आज भी कसार की बहुत याद आती है। लेकिन, अब बिरले ही घरों में कसार बनता है, क्योंकि बाजार में अनेक प्रकार की मिठाइयां आ चुकी हैं। लेकिन, आप मानें या न मानें कसार जितना सरल दिखता है, उतना ही खतरनाक भी होता है। खासकर जब आपके घर कोई मेहमान पधारे हों। हंसी-मजाक का दौर चल रहा हो और आप गलती से कसार की एक बड़ी चुटकी मुंह में डाल चुके हों। कसार खाने में उतना आनंद नहीं है, जितना फुंकाने में है। दरअसल, कसार की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यह खाया कम और फुंकाया ज्यादा जाता है। यदि कसार का सेवन करते समय गलती से छींक आ जाए या बीच में कोई कुछ पूछ बैठे तो आधा कसार हवा में, थोड़ा जमीं पर और बाकी सामने बैठे व्यक्ति के चेहरे पर।

रामलुभाया जी हमारे मित्र हैं। एक बार उन्होंने हमें बताया– लेखक भैय्या! कसार के कुछ उसूल हैं। मसलन, कसार खाते वक्त आदमी को कुछ भी बोलना नहीं चाहिए। मौन व्रत तोड़ा तो आदमी फंसा। रामलुभाया जी का अनुभव बिल्कुल सत्य निकला। हमारे एक मित्र ने एक शादी में सिर्फ वाह! क्या स्वाद है! कहा, और वह स्वाद उनके सामने बैठे एक मेहमान के चश्मे पर जाकर बैठ गया। फिर पूरे कार्यक्रम में बेचारे मेहमान जी मीठी धुंध से झांकते रहे। वैसे कसार खाना खिलाना किसी युद्ध से कम नहीं है। यह टेस्ट ऑफ पेशेंस है, जो मुंह में घुलता कम है, गला ज्यादा सुखाता है। अगर पानी पी लिया, तो फिर उसका नाम कसार नहीं, कीचड़ हलवा हो जाता है। इसलिए सुझाव है कि कसार खाते समय मौन व्रत लें, छींक को मन से रोक रखें और हंसाने वालों से दो गज की दूरी रखें। अन्यथा, आपका आतिथ्य मेहमानों की आंख, कान और नथुनों में घुस जाएगा।

प्यारा हिन्दुस्तान हमारा

गीत

डॉ. जीवन एस. रजक

चंद्रमा के उत्तुंग शिखर पर,
शोभित होता तिरंगा प्यारा।
संदेहों के तमस मिटाकर,
अब छाया अक्षय उजियारा।।
भारत के बढ़ते वैभव से,
विस्मित होता जग सारा।
नित नूतन पथ बढ़ता जाता,
प्यारा हिंदुस्तान हमारा।।
कुरुक्षेत्र की पुण्य धरा से,
उपदेशों का उत्थान हुआ।
सकल भू-मंडल को हमने,
मानवता का प्रतिमान दिया।।
वासुदेव ने बतलाया,
जीवन का सारा ज्ञान हमें।
सिखलाया संचित कर रखना,
राष्ट्र का स्वाभिमान हमें।।
गीता ज्ञान प्रवाहित करता,
राष्ट्रहितों की अंतर्धारा।
नित नूतन पथ बढ़ता जाता,
प्यारा हिंदुस्तान हमारा।।
बार-बार गजनी आया,
सोमनाथ तक लूट मचाया।
भारत की निश्चलता को लेकिन,
किंचित डिगा नहीं पाया।।
पृथ्वीराज ने भारत भूमि का,
शत-शत सम्मान बढ़ाया।
प्राणदान शत्रु को देकर,
नैतिकता का पाठ पढ़ाया।।
नित नूतन पथ बढ़ता जाता,
प्यारा हिंदुस्तान हमारा।।
निज मातृभूमि के हित में,
हर संकट का प्रतिकार किया।।
धरती से नभ तक गूँजा,
भारत माँ का जय-जय कारा।
विक्रमादित्य का शौर्य यहाँ,
दुर्गावती का बलिदान है।
आँख उठाकर मत देखो,
रानी झांसी का हिंदुस्तान है।।
श्री राम प्रतिष्ठित हुए अवध में,
रामराज्य फिर से आया।
सब दसों दिशाओं ने मिलकर,
यशोगान भारत गाया।।
वंदे मातरम की शुभ ध्वनि से,
गूँज उठा कण-कण सारा।

विश्व साहित्य

दुख की गहराई तब और दारुण हो जाती है जब शब्दों की चोट लगती है। कानों से उतरा जहर हृदय को प्रभावित करता है। स्थितियों में आया परिवर्तन किस तरह जीवन बदलकर रख देता है, पढ़िए अखिलन की तमिल कहानी का अंश....

साहित्यकार, उपन्यासकार, लघु कहानी लेखक, पत्रकार, व्यंग्यकार, यात्रा लेखक, नाटककार तथा पटकथा लेखक अखिलन का पूरा नाम 'पेरुंगलूर वैद्यविंगम अखिलंदम' है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इस तमिल लेखक ने मुक्त भाव से सरकारविरोधी कहानियां लिखीं। इन्हें 1963 में साहि अकादमी व 1975 में ज्ञानपीठ पुरस्कार से अलंकृत किया गया।

संतान वरदान

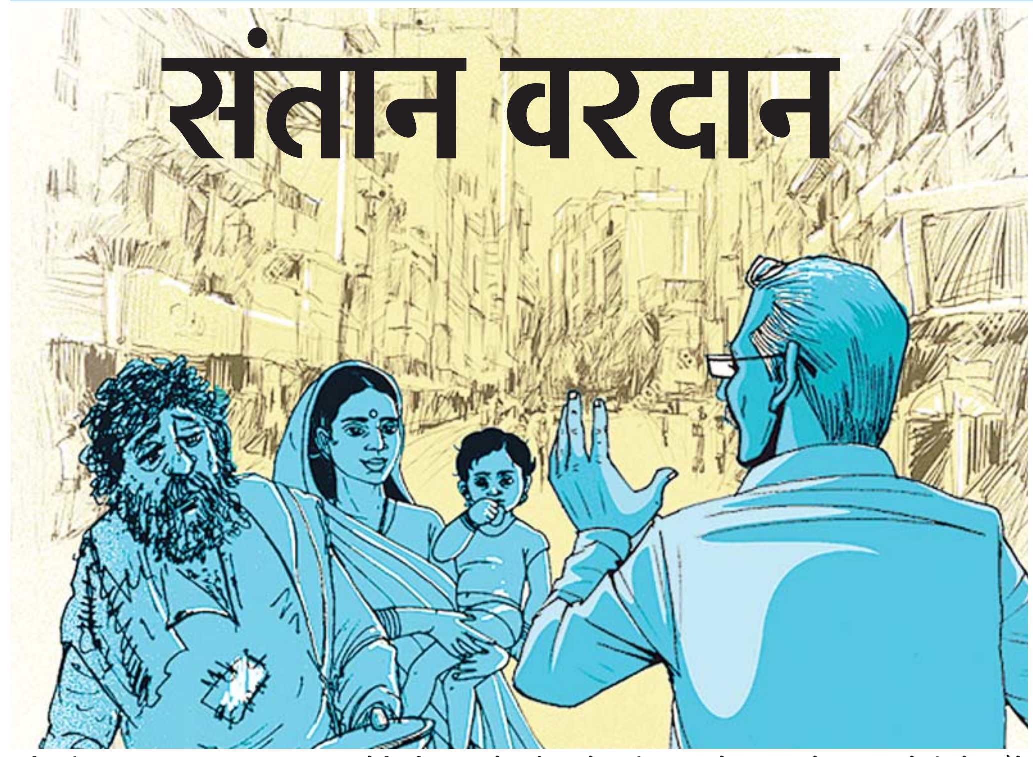

तिरुच्ची शहर की हर दुकान छान मारी, लेकिन कमीज सिलाने के लिए सफेद कपड़ा नहीं मिला। जब निकला था तो चार बज रहे थे, अब छह बज चुके थे। शहर की सड़कों पर चहल-पहल थी। नए-नए माडल की कारें आ-जा रही थीं। कपड़ों की दुकानें, गहनों की दुकानें और रेस्त्रां ठसाठस थे। गली के बीचोबीच स्थित सिनेमाघर के अहाते में टिकट खरीदने वालों की लंबी कतारें लगी हैं। फिल्म के शौकीन लाइन में खड़े हैं। सफेद कपड़ा काले बाजार में गुल कर दिया गया था। अधिकांश लोगों के पास कपड़ा नहीं था। जिनके पास था, वे पैसे ज्यादा मांग रहे थे। कुछ दुकानों पर होते हुए भी इन्कार कर रहे थे। काले बाजार से सफेद कपड़ा खरीदने के लिए न मेरे पास पैसे थे, न ही इच्छा। एक रेस्त्रां में काफी पीने बैठ गया। मैं बाहर निकला तो एक भिखारी ने हाथ फैलाते हुए याचना की– 'मालिक चवन्नी दे दो, तुम्हारे बाल-बच्चे सुखी रहें।'

मैं किसी सोच में डूबा चल रहा था। मैंने उसका चेहरा ठीक से नहीं देखा था । फिर भी मुझे ऐसा लगा कि वह भिखारी नहीं था। उसकी उम्र 30-35 के करीब होगी । शरीर शिथिल लग रहा था, लेकिन दो-एक माह पूर्व वह जरूर स्वस्थ रहा होगा । वह फटी कमीज और मैली धोती पहने हुए था । पैसों की थैली में हाथ डालकर मैंने चवन्नी खोजी । निक्कल सिक्कों के बीच छिपे हुए उस ताम्र सिक्के को खोजने में आधे मिनट का समय लगा। चार आने का सिक्का निकालकर मैंने उस भिखारी को खोजा मगर वह कहीं दिखाई नहीं दिया। मुझे आश्चर्य हुआ। उसने मुझे पैसे निकालते हुए देखा था, फिर वह कहां अंतर्ध्यान हो गया? क्यों गया? इधर-उधर नजर दौड़ाई। वहां अन्य कोई भिखारी भी न था। पास की गली में कोई तेजी से प्रवेश करता हुआ दिखा। वह कोई और नहीं बल्कि मुझसे भीख मांगने वाला वही व्यक्ति था।

'अरे.... ये ले पैसे', मैंने पुकारा। उसने मुड़कर नहीं देखा। बहरा बन उस गली के बड़े पत्थर पर मेरी ओर पीठ कर बैठ गया। मैंने देखा, उसने अपना चेहरा हाथों से ढांप लिया। रेस्त्रां की सीढ़ियां उतर मैं गली की ओर बढ़ा। उसके करीब एक लड़की चिथड़ों में लिपटी थी। उसकी गोद में एक वर्ष का बच्चा खेल रहा था। बच्चे के माथे पर आंसुओं की बूंदें गिराती हुई वह रो रही थी। वह फफक-फफककर इस प्रकार रो रही थी, मानो किसी दारुण व्यथा से पीड़ित हो । एक क्षण में मैंने वहां खड़े होकर देखा, उसका रुदन कम हुआ। उसने मुझे कार निगाहों से देखा। 'साहिब... ' कहकर मुझे प्रणाम किया।

मैं उसे पहचान गया। उसके निकट खड़े उसके पति को भी पहचान गया । 'तुम्हारा बेटा है?'

'जी हां...' वह बोली।

अब मैं हैरान था। दुबली-पतली सी वह हड्डियों का ढांचा लग रही थी। बड़ी दाढ़ी-मूंछ वाले व्यक्ति की पसलियां ऐसे झूल रही थीं मानो अब गिरी, कब गिरी। बगैर पूछे ही मैं उसकी कहानी समझ गया। सेलम के करीब के गांव से रोजी-रोटी की तलाश में कई जुलाहे सपरिवार सेलम आ रहे थे। पहली बार जब मैंने वह दारुण स्थिति देखी थी तो मेरा मन करुण क्रंदन कर उठा था। उसके बाद ऐसे कई दृश्य देखने को मिले, जिसके चलते मेरा दिल कड़ा हो गया था। 'तुम्हारी यह हालत है?' मैंने पूछा । 'मुझसे कहीं ज्यादा अच्छी हालत में रहने वाले भी आज कष्टमय जीवन जी रहे हैं।' उसने कहा । 'कितनी मनौतियों के उपरांत हुआ था पुत्र। आज एक बूंद पानी के लिए तरस रहा है।' उस युवती ने कहा। मैंने उनके बच्चे को देखा। उसे देखकर ऐसा लगा कि ऐसी दरिद्रता पहले कभी नहीं देखी थी। गोल-मटोल था वह। उसके शरीर को देख यह अंदाजा लगाने में मुझे देर नहीं लगी कि अब वह उस हाल में रह नहीं पाएगा। हरी-भरी लहलहाती बेल एकाएक कड़कती धूप के कारण मुरझा जाती है, ठीक वैसी ही दशा उसकी थी। पिचके पेटवाला वह बच्चा अपना अंगूठा चूस रहा था । मैंने उस बच्चे के हाथ में एक रुपया पकड़ा दिया। उस युवती ने ले लिया। 'कोई नौकरी हो तो दिला दो मालिक, हम दोनों नौकरी करेंगे, हमको खाना खाए तीन दिन हो गए हैं।'

नौकरी मिलना आसान नहीं है। जो भी हो, एक हफ्ते बाद मुझसे मिलो।' मैंने अपना पता दे दिया। पति-पत्नी ने कृतज्ञतापूर्वक मेरी ओर देखा परंतु पति के चेहरे पर अकथ्य वेदना थी। मुझसे नौकरी की याचना करने की स्थिति आ गई थी। शायद यही उसे कचोट रहा था। बाजार की सड़क पर चलते हुए मुझे दो वर्ष पूर्व उन दोनों से हुई मुलाकात याद हो आई। श्रीलंका से जहाज द्वारा धनुषकोटि बंदरगाह पर उतरा। इंडो- सीलोन एक्सप्रेस तैयार खड़ी थी। अपना सामान रेल पर चढ़ाकर मैं खिड़की वाली सीट बैठा बाहर के नजारे देखने लगा। एक ओर समुद्र का तट, झोपड़ियां, गंदगी भरा वातावरण, दूसरी ओर समुद्र का ठहरा हुआ गंदा पानी, जिसमें तैरते हुए बच्चे, जो भीख मांग रहे थे। यात्री जो पैसे समुद्र-देवता को चढ़ाते, वे बच्चे उनको झट ढूंढकर निकाल लेते। छोटी मछलियों भांति उनका पैसों के पीछे डुबकी लगाना, मेरे मन को दर्द भरा मनोरंजन सा लग रहा था। मेरे डिब्बे में एक पुरुष और एक की स्त्री चढ़े। पति-पत्नी लग रहे थे। उनको देखकर ऐसा लग रहा था कि वे संतान प्राप्ति की मनौती मांगकर रामेश्वरम् से आए थे क्योंकि उन्होंने धनुषकोटि समुद्र तट पर डुबकी लगाई और गीले वस्त्रों से ही अपने घर लौट रहे थे। प्लेटफार्म पर उनके सहायक दो पंडे खड़े थे। पुरुष ने पांच रुपये का नोट उनकी ओर बढ़ाया।

पांच रुपये ही दिए हैं...

बाकी? 'बाकी क्या, पांच रुपये की बात हुई। थी', पास खड़े व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए उसने कहा, 'मेरे लिए ये पांच रुपये ठीक हैं, इसको तीन रुपये और दे दीजिए।' साथ खड़ी स्त्री ने कहा,... और तीन रुपये? सवा रुपया भी नहीं दूंगी। तुम दोनों को कुल पांच रुपये देने की बात तय हुई उसके पति ने एक रुपया निकालकर उस दूसरे पंडे की ओर बढ़ाया। उसने लेने से साफ इन्कार कर दिया। 'तीन रुपये से एक पैसा भी कम हुआ तो हम नहीं लेंगे।' कहकर पहले के पांच रुपये भी वे लौटाने लगे। दूसरे पंडे ने तिरस्कार के स्वर में कहा, 'ऐसे कंजूसों कहां से बच्चा होगा?' विषैले सर्पदंश की भांति उसके शब्द मुझे आ लगे। वह पुरुष अवाक् रह गया। उसकी पत्नी के चेहरे पर बदलते भाव दयनीय लग रहे थे। एकाएक उसकी आंखें इसके छलछला आई। साड़ी के पल्लू से आंसू पोंछती हुई वह बोली, 'तीन रुपये मारिए मुंह पर ।' इतनी घटिया हरकत से पैसे कमाने वाले वे दोनों खीसें निपोरते हुए चले गए। रेलगाड़ी भी चल पड़ी, परंतु उसकी रुलाई बंद नहीं हुई। उसके पति ने उसे कितना समझाया, लेकिन वह उसी तरह रोती रही। तड़पते हुए व्यग्र स्वर में बोली, 'ऐसे निर्लज्ज लोगों के मुंह से इन शब्दों को सुनने हम इतनी दूर आए थे?' बच्चा न जन पाने की पीड़ा को मैं समझ पा रहा था। उसके रिसते जख्म पर मरहम लगाते हुए मैंने भी दो शब्द उससे कहे । मेरा इस प्रकार उनके व्यक्तिगत मामले में दखल उन्हें अच्छा नहीं लगा। कुछ पलोपरांत वह सहज हो गई। सेलम में वे जुलाहे थे। पति-पत्नी दोनों काम करते थे। वह हथकरघे पर कपड़ा बुनता था। पत्नी चरखे पर सूत कातती । किफायत से घर चलाते थे, अच्छी बचत कर लेते थे। उनकी शादी हुए आठ साल हो गए थे, लेकिन संतानहीन थे। पति इस ओर से बेपरवाह था, पर पत्नी ऐसा नहीं कर पा रही थी। रामेश्वरम् आने के लिए एक साल से पैसे जमा कर रही थी। पति को चाहे इस पर विश्वास नहीं था, लेकिन पत्नी की खातिर चला आया था।

(अनुवादक : डा. कमला विश्वनाथन
(प्रभात पेपरबैक्स की तमिल की लोकप्रिय कहानियां से साभार)

जीतने वाला भी हारेगा

कविता

डॉ. ओम प्रकाश शुक्ला

कौन सही है, कौन गलत है
बस वर्चस्व की लड़ाई है
वर्षों से लड़ी जा रही है
अबोध बालक, नवजात शिशु
निरीह स्त्री-पुरुष, मारे जा रहे हैं
दुनिया के देश, अपने-अपने हितों से
कोई किसी के साथ है, कोई किसी के
रात सोते हैं, सपने लेकर उगते सूरज को
देखेंगे, अगले दिन क्रूरता की बलि चढ़ जाते हैं
जो जीतेगा, सदियों तक इनका
गुनाहगार ही कहलाएगा
एक दिन जीतने वाला भी हारेगा
इतिहास ज़रूर दोहराएगा ।

हाफ संडे

लघुकथा

'अम्मा, बापू हर रोज काम पर क्यों जाते हैं?' पिता को घर से बाहर निकलता देख 10 वर्षीय मुनिया अपनी मां से पूछ बैठी।

'बापू अगर काम पर नही जाएंगे, तो पैसे नही आएंगे... और पैसे नही आएंगे तो हम लोग खाना कैसे खाएंगे?' बांस के सूप को खूंटी पर लटकाते हुए मां ने मुनिया को समझाया।

'हर दिन जाना पड़ता है।' मुनिया ने पुनः पूछा। 'हां रे, हर रोज जाना होता है।' मां बोली।

'लेकिन अम्मा, जहां तुम काम करने जाती हो, वहां के साहब तो हर रोज काम पर नहीं जाते !'

'अरे, साहेब लोग को संडे के दिन घर पर आराम करने के लिए छुट्टी मिलती है।' मां मुस्कुराकर बोली।

'तब तो साहेब लोग को संडे का पैसा नहीं मिलता होगा?' मुनिया तपाक से बोली।

'ऐसा नही है, उस दिन का पैसा भी मिलता है।' मां ने मुनिया के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा।

'लेकिन बापू को तो छुट्टी नहीं मिलती।'

'बेटी हम दिहाड़ी मजदूर हैं, हमें रोज काम करना पड़ता है। हमारे नसीब में संडे नहीं होता।'

अगली शाम काफी तेज बारिश हो रही थी। मुनिया का बापू काम से चार घंटा पहले ही घर वापस आ गया। गीले कपड़ों की जेब से पालीथिन में लिपटी दिहाड़ी पत्नी को देते हुए प्रसन्नता से बोला, 'बारिश के कारण ठेकेदार ने चार घंटा पहले ही काम रोक दिया...।'

'लेकिन दिहाड़ी...' पत्नी ने टोकते हुए पूछा।

'अरे फिक्र मत कर भाग्यवान, मजूरी पूरी दी है।'

पिता की बातें सुन मुनिया खुशी से उसके गीले बदन से लिपट कर चिल्लाई, 'आज बापू का भी हाफ संडे हो गया।' मासूम मुनिया की बातें सुनकर बापू और अम्मा दोनों मुस्कुराने लगे।

विनोद कुमार विक्की

नाद ब्रह्म के साधक

संगीतायन

प्रो. प्रकाश चन्द्र गिरि
बलरामपुर, उत्तर प्रदेश

प्रसिद्ध तबलावादक पंडित किशन महाराज के लिए संगीत सनातन शास्त्रों में वर्णित नाद ब्रह्म था, जिसके माध्यम से वह अपने इष्ट की उपासना करते थे...

वर्ष 1946 की बात है। युवावस्था में – पंडित किशन महाराज एक संगीत कार्यक्रम में बंबई (अब मुंबई) गए। सितार वादक पं. रविशंकर के संग उनकी प्रस्तुति हुई। उसके बाद वहां उपस्थित महान गायक पं. ओंकार नाथ ठाकुर ने मंच से भविष्यवाणी कर दी कि बनारस के इन दोनों युवाओं को एक दिन पूरी दुनिया में सम्मान मिलेगा। यह भविष्यवाणी अक्षरशः सिद्ध हुई।

प्रसिद्ध तबला वादक पं. किशन महाराज का जन्म काशी (वाराणसी) में हुआ। उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पिता पं. हरि प्रसाद से प्राप्त की। फिर अपने चाचा और विख्यात तबला वादक कंठे महाराज से तबले का विधिवत प्रशिक्षण लिया।

20वीं सदी के पूर्व तक तबले को मात्र एक संगत वाद्य का ही स्थान प्राप्त था, किंतु किशन महाराज ने उसे स्वतंत्र तालवाद्य की गरिमा दिलाई। उन्होंने तबला वादन के क्षेत्र में एक अनूठा योगदान करते हुए तबले के बोलों के आधार पर शंकर वंदना, काली वंदना, दुर्गा वंदना, हनुमान वंदना आदि अनेक रचनाओं का सृजन किया। उनके द्वारा रचित 'गणेश परन' प्रसिद्ध है, जो बनारस घराने की तबलावादन परंपरा का उत्कृष्ट रूप है। वादन में दाहिने और बाएं (तबले के दो भाग) का संवाद व विशेष रूप से अनेक मौलिक परन व रेलों की रचना उनकी अपूर्व व अतुलनीय प्रतिभा का प्रमाण है।

पंडित किशन महाराज का व्यक्तित्व खांटी बनारसी था। मस्त प्रकृति के इंसान। सुदर्शन देहयष्टि, माथे पर शोभित बड़ा गोल लाल टीका, रेशमी कुर्ता और धोती, बनारसी पान से रंजित होंठ, कंधे तक लहराता केश विन्यास, सब कुछ अनूठा। पंडित जी उत्कृष्ट संगीत - चिंतक भी थे। उनके लिए संगीत सनातन शास्त्रों में वर्णित नाद ब्रह्म था, जिसके माध्यम से वे अपने इष्ट की उपासना करते थे । पंडित जी ने अपने दौर के सभी दिग्गज गायक-वादकों के साथ संगत की।

किशन महाराज ने 'बड़ी मां' समेत कुछ हिंदी फिल्मों में तबला वादन किया। संगीत जगत में उन्हें अनेक अलंकरणों से विभूषित किया गया, जिसमें संगीत नाटक अकादमी सम्मान, पदमश्री सम्मान, उस्ताद हाफिज अली सम्मान व पद्मविभूषण सम्मान आदि प्रमुख हैं। किशन महाराज की शैली उनके सुयोग्य शिष्यों पं. कुमार बोस, बालकृष्ण अय्यर व सुखविंदर सिंह के तबला वादन में प्रवाहमान है।

वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ

किताबघर

यतींद्र मिश्र
अयोध्या, उत्तर प्रदेश

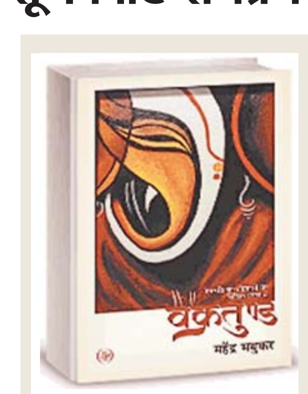

वक्रतुंड
महेंद्र मधुकर
राजकमल प्रकाशन प्रा. लि... नई दिल्ली
मूल्य : 399 रुपये

भारतीय मनीषा में श्रीगणेश केवल आराध्य देव नहीं, चेतना के प्रथम स्पर्श हैं, जीव-जगत के सहचर, मनुष्य के संघर्षों में सहभागी, उसके अंतःकरण के साक्षी और मोक्ष के मार्गदर्शक। वे ईश्वर के सहजतम और सर्वव्यापी रूप के प्रतीक हैं, वे मनुष्य जो करुणा, बुद्धि, संघर्ष और सौंदर्य – मानव जीवन के हर आयाम में समाहित हैं। के साथ समस्त जीव-जगत के हितैषी हैं। उनके लिए हर जीव शरणागत है, चाहे वह देव हो या मूषक जैसा क्षुद्र प्राणी। वे सात्विकता के प्रति सरस-सदय हैं और तमस के प्रति कठोर, वे न केवल विघ्नहर्ता हैं बल्कि विघ्नकर्ता भी, जो असावधानी, अधर्म या दुष्टबुद्धि के मार्ग में अवरोध उत्पन्न कर सृजन की दिशा को शुद्ध करते हैं। महेंद्र मधुकर की 'वक्रतुंड' ऐसे कृपालु, सर्वसमर्थ और सर्वज्ञ श्रीगणेश की अप्रतिम दिव्य लीलाओं का आख्यान है, जो विश्वास देता है कि हर अवरोध में भी ईश्वरीय मार्गदर्शन छिपा है। एक अत्यंत मनोहारी और दार्शनिक प्रसंग पार्वती और उनकी सखियों के बीच का संवाद है, जहां स्त्री की स्वतंत्रता, कोमलता और कठोरता पर गहन विमर्श उभरता है।

इस दृश्य में पार्वती का तपस्विनी रूप और मातृत्व भाव एक साथ प्रकट होता है। जब वे उबटन के मैल से अनजाने में एक बालक – आकृति गढ़ती हैं और उसे हृदय का की ही से लगाती हैं, तो वह बालक प्राणवान हो उठता है, यही वह क्षण है जब श्रीगणेश का जन्म होता है। एक प्रसंग में पार्वती के आदेश पर द्वारपाल बने गणेश अपने कर्तव्य पर अडिग रहते हैं, यहां तक कि वे स्वयं शिव को भी रोक देते हैं। अज्ञान, हठ और धर्म का यह टकराव उस क्षण चरम पर पहुंचता है जब शिव – त्रिशूल और शनि – दृष्टि के संयुक्त प्रहार से बालक गणेश का सिर धरा पर गिरता है। क्षणभर में ही युद्ध, विलाप और पश्चाताप का एक महाकाव्य रच जाता है। एक अन्य कथा श्रीगणेश की बुद्धि और भक्ति का अद्भुत संगम है। एक बार कार्तिकेय पृथ्वी की परिक्रमा पर निकले, तब गणेश ने माता-पिता प्रदक्षिणा कर कहा– 'माता-पिता ही सृष्टि स्वरूप हैं।' उनकी यह अंतर्यात्रा बाह्य परिक्रमा से श्रेष्ठ सिद्ध हुई।

बुद्धि, भक्ति और ब्रह्म का यह संगम उन्हें प्रथम पूज्य वक्रतुंड बनाता है। महर्षि कश्यप और उनके पुत्र महोत्कट विनायक के संवाद की कथा नैतिकता, शक्ति, धर्म और विवेक की एक उज्ज्वल गाथा है।

संक्षिप्त खबरें

संपत्तिकर न चुकाने पर हलालपुरा बस स्टैंड स्थित डी गोल्डन सीज

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम द्वारा समय पर संपत्तिकर का भुगतान न करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी तारतम्य में हलालपुर बस स्टैंड स्थित होटल डी गोल्डन को जोन 20 के अमले द्वारा कुर्क कर दिया गया है। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार होटल की संचालक कोमल देवी मोरंदानी पर 82 हजार 646 रुपए का संपत्तिकर बकाया था। वहीं सुरेश कुमार मोरंदानी पर 55 हजार 462 रुपए का संपत्तिकर बकाया था। दोनों बकायादारों को कई बार नोटिस भेजने के बाद भी संपत्तिकर का भुगतान नहीं किया गया, जिसके बाद नगर निगम के राजस्व अमले ने जोनल अधिकारी के मार्गदर्शन में होटल डी गोल्डन को कुर्क करने की कार्रवाई की। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के अनुसार संपत्तिकर न चुकाने वालों पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

चावलाज विजन केयर द्वारा डायबिटिक आई कैंप का आयोजन

जागरण, भोपाल। राजधानी के अरेरा कॉलोनी में चावलाज विजन केयर एवं डायबिटिक आई क्लिनिक में डायबिटिक मरीजों की आंखों की विशेष देखभाल हेतु एक

निःशुल्क एआई सक्षम डायबिटिक आई कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने भाग लिया। शिविर के दौरान कुल 126 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 58 से अधिक मरीज डायबिटिक पाए गए। डायबिटिक पाए गए सभी मरीजों की एआई आधारित फंडस कैमरा के माध्यम से रेटिना की निःशुल्क जांच की गई एवं डायबिटिक आई स्पेशलिस्ट द्वारा परामर्श भी दिया गया। शिविर में 21 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन की सलाह दी गई। कैंप के दौरान मरीजों को निःशुल्क ब्लड शुगर टेस्ट, एआई आधारित आई टेस्टिंग तथा विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

कांग्रेस कमेटी की बैठक में संगठन को मजबूत बनाने बनी रणनीति

जागरण, भोपाल। कोलार में मंगलवार को ब्लाक कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई, जिसमें पूरे ब्लाक में संगठन को कैसे मजबूत बनाया जाए,इसको लेकर रणनीति बनाई गई। इसके लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी गई। बैठक में ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड ने कहा है कि हमें सभी वार्डो में वार्ड कमेटी बनानी है,जिसमें ऐसे कार्यकर्ताओं को शामिल किया जाएगा,जो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बना सके। बैठक में वरिष्ठ नेता सुखलाल ठाकुर, पूर्व प्रदेश सचिव प्रशांत चौहान,नूर खान के अलावा दूसरे कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

आरकेएमपी से दानापुर के बीच चलेगी होली स्पेशल ट्रेन

नगर संवाददाता, भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा रानी कमलापति रेलवे स्टेशन और दानापुर के बीच होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका संचालन 2-2 ट्रिप द्वि-साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेन के रूप में किया जाएगा। जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर द्वि-साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेन शुक्रवार 27 फरवरी एवं सोमवार 2 मार्च को दोपहर 2:25 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 8:45 बजे दानापुर स्टेशन पर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति द्वि-साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेन शनिवार 28 फरवरी एवं मंगलवार 3 मार्च को सुबह 11:15 बजे दानापुर से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 8:55 बजे रानी कमलापति स्टेशन पर पहुंचेगी। यह गाड़ी रास्ते में नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बक्सर एवं आरा पर रुकेगी।

पिपलानी में ऑनलाइन गेम खेलने वाले 8वीं के छात्र ने लगाई फांसी

जागरण, भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र में आनलाइन गेम खेलने वाले 8वीं के छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। जिससे आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। घटना के वक्त वह घर में अकेला था। जिसके उसका मोबाइल जब्त किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 14 वर्षीय अंश साहू पिता नितिन छत्रसाल नगर में रहता था। वह एक निजी स्कूल में 8वीं का छात्र था। उसके माता पिता प्राइवेट स्कूल में टीचर है। अंश उनका इकलौता बेटा था। रविवार को उसके परिजन नाना की तेरहवीं में शामिल होने गए थे। सोमवार दोपहर डेढ़ बजे जब वह वापस लौटे तो उनका बेटा फांसी के फंदे पर लटका मिला। इस दौरान परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने अंश को मृत घोषित कर दिया।

शिव शक्ति धाम मंदिर में चोरी

जागरण,भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित शिव शक्ति धाम मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने मंदिर में रखी दान पेटी, दो घंटे, नाग समेत हजारों रुपए की नकदी चोरी कर ली। सोमवार सुबह मंदिर के पुजारी के पहुंचने पर घटना का पता चला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शिव शक्ति धाम मंदिर जिंसी धर्मकांटा के पास स्थित है। चोर मंदिर की दीवार फांदकर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया। वे मंदिर के अंदर लगे दो घंटे, नाग और दानपेटी समेत नगदी लेकर फरार हो गए। सुबह जब मंदिर के पुजारी रामराज मिश्रा पहुंचे, तो मंदिर का सामान गायब मिला। इस पर उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री, आज करेंगे वरिष्ठ नेताओं से भेंट

विसं भोपाल। सीएम डॉ.मोहन यादव मंगलवार को देर शाम दिल्ली के लिए रवाना हुए। सीएम बुधवार को दिल्ली प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान उनकी कई वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग-अलग विषयों पर चर्चा होगी। सीएम के इस प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश को लेकर कई अहम निर्णय लिए जा सकते है। इनमें निगम मंडलों में राजनीतिक नियुक्तियों जैसे विषय भी शामिल है।

एफआईआर से खफा तीन बदमाशों ने अपने कर्मचारी के घर घुसकर की चोरी

जनसुनवाई में सनसनीखेज मामला लेकर पहुंचा बुजुर्ग, एडिशनल पुलिस कमिश्नर को सौंपी गई जांच

जागरण संवाददाता, भोपाल। साहब मेरे बेटे का 29 जनवरी को अपहरण कर लिया गया था। तीन बदमाश 29-30 जनवरी को सुबह 4 बजे हमारे घर में घुसे। इस दौरान घर से सोने चांदी के जेवर और 4500 रुपए चोरी करके ले गए। इन तीनों ने इस दौरान मेरे बेटे जितेन्द्र ठाकुर का भी अपहरण कर लिया है और मारपीट के एक मामले में सुलह करने का दबाव बना रहे हैं। यह शिकायत लेकर मंगलवार को फंदा ब्लॉक स्थित ग्राम पंचायत रायपुर के 70 साल के घनसिंह ठाकुर जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने कलेक्टर से बेटे की तुरंत रिहाई कराने की गुहार लगाई। बुजुर्ग के इस सनसनीखेज मामले को सुनकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह भी हैरान रह गए। उन्होंने मामले की जांच एडिशनल पुलिस कमिश्नर को सौंपी है। बुजुर्ग घन सिंह ने कलेक्टर को बताया कि 29 जनवरी को रात को वे और परिवार के अन्य सदस्य खेत में पानी देने गए थे। इसी दौरान रंजीत प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति और सुनील प्रजापति ने घर में घुसकर जेवर चोरी कर लिए और बेटे का भी अपहरण कर लिया। इन तीनों को घर की रैकी करते हुए पड़ोसियों ने भी देखा था। बुजुर्ग ने बताया कि जितेन्द्र इनका ट्रैक्टर चलाता है और 25 हजार के लेनदेन को लेकर ये तीनों पहले भी उससे मारपीट कर चुके हैं। पैसे देने के बाद भी तीनों ने बेटे को मारा था, जिसकी एफआईआर ईंटखेड़ी थाने में कराई गई थी। जिसे वापिस लेने का यह तीनों दबाव बना रहे हैं। इसी कारण बेटे का अपहरण किया है और मुझे भी ट्रैक्टर से कुचलने की धमकी देते हैं। बेटे को बचाने के लिए गांव के कई लोग इन तीनों के घर पहुंचे थे, लेकिन वहां सबके साथ मारपीट की गई। पुलिस को सूचना देने पर भी एफआरवी नहीं पहुंची और थाने वाले अपहरण का मामला दर्ज नहीं कर रहे हैं।

भोपाल आरटीओ पर कर्मचारी ने लगाया लंबित वेतन और पेंशन रुकवाने का आरोप

भोपाल आरटीओ में पदस्थ रहे सहायक ग्रेड 3 अधिकारी हरपाल सिंह बुंदेला ने भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा पर आरोप लगाया है कि भोपाल आरटीओ द्वारा उनका लंबित वेतन और पेंशन प्रभावित करवाने के लिए उन पर 933 दिवस के अकार्य दिवस का आरोप लगाया गया है। जबकि जिस अवधि में उनपर काम न करने का आरोप लगाया गया है। वे इन सभी दिनों काम पर उपस्थित थे। इसके लिए उन्होंने आरटीआई के तहत 1 जनवरी 2022 से 21 जुलाई 2024 तक के सीसीटीवी फुटेज आरटीआई के तहत मांगे हैं, लेकिन यह जानकारी कार्यालय द्वारा नहीं दी जा रही है। समस्या के चलते वे लंबे समय से मकान का किराया नहीं दे सके हैं और उनकी कैंसर पीड़िता पत्नी का इलाज भी ठीक तरह से नहीं हो पा रहा है। पीड़ित ने सेवनिवृत्ति प्रकरण का हल किसी अन्य अधिकारी से करवाने की गुहार लगाई है। हालांकि इस मामले में भोपाल आरटीओ को ही आवेदन प्रेषित किया गया है।

एम्स में आएंगी मशीनें, होगा दिल का इलाज आसान

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में अब दिन के मरीजों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। यहां हार्ट की बारीक नसों की जांच संभव हो सकेगी। जानकारी अनुसार एम्स भोपाल में डेढ़ करोड़ रुपए की आईवीयूएस (इंट्रावेस्कुलर अल्ट्रासाउंड) मशीन लगाई जा रही है। इसके साथ ही एक एडवांस ईको-कार्डियोग्राफी मशीन भी आएगी। दोनों मशीनें आईसीआईसीआई फाउंडेशन के द्वारा दिए गए 3 करोड़ रुपए के सीएसआर सहयोग से खरीदी जाएंगी। अब तक हार्ट ब्लॉकेज की जांच एंजियोग्राफी से होती थी, जिसमें नस की सिर्फ बाहरी तस्वीर मिलती थी। आईवीयूएस मशीन से नस के अंदर अल्ट्रासाउंड करके ब्लॉकेज की मोटाई, लंबाई और असली गंभीरता साफ दिखाई देगी। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि डॉक्टर सही साइज और सही जगह स्टेंट लगा सकेंगे। अनावश्यक स्टेंट से बचाव होगा और दोबारा ब्लॉकेज का खतरा भी घटेगा। हाई-रिस्क मरीजों-जैसे डायबिटीज या मल्टी-वेसल डिजीज में इलाज और ज्यादा सुरक्षित होगा। दूसरी ओर, नई एडवांस ईको-कार्डियोग्राफी मशीन से बच्चों के दिल की जन्मजात बीमारियों की पहचान और इलाज आसान हो जाएगा। हार्ट में छेद और वाल्व की खराबी जैसे मामलों में अब ओपन हार्ट सर्जरी की जरूरत कम पड़ेगी। डॉक्टर कैथेटर आधारित तकनीक से बिना चीर-फाड़ छेद बंद कर सकेंगे। इससे बच्चों को जल्दी रिकवरी, कम दर्द और कम खर्च का लाभ मिलेगा। बता दें कि एम्स भोपाल पहले ही तीन सफल हार्ट ट्रांसप्लांट कर चुका है। नई मशीनों के आने से सेंट्रल इंडिया में हार्ट ट्रीटमेंट की ताकत और बढ़ेगी। मरीजों को महंगे टेस्ट और इलाज के लिए दिल्ली-मुंबई नहीं जाना पड़ेगा।

अतिक्रमण अमले के जाते ही दुकान के बाहर सामान रखने लगे व्यापारी

मंगलवारा से आजाद मार्केट तक निगम अमले ने फिर हटाए अतिक्रमण

जागरण संवाददाता, भोपाल। पुराने भोपाल के आजाद मार्केट और मंगलवारा इलाके में दुकानदार नगर निगम का सहयोग नहीं कर रहे हैं। नतीजतन वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदार अमले को देखकर अपनी टेबलें और काउंटर अंदर कर लेते हैं और अमले के जाते ही दुकानें फिर से सड़क पर सज जाती हैं, जिसके कारण सड़क संकरी हो जाती है और वाहनों को निकलने के लिए जगह नहीं मिलती। इसके अलावा ठेलों और गुमटियों का अतिक्रमण भी आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। समस्या के चलते नगर निगम के अतिक्रमण अमले ने मंगलवार को एक बार फिर मंगलवारा से आजाद मार्केट, जुमेराती, घोड़ा नक्कास और पुरानी सब्जी मंडी में अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई की। इस दौरान लगभग 1 ट्रक सामान जब्त किया गया। बता दें कि

इसके पहले निगम अमले ने चार दिनों तक कार्रवाई करते हुए चौक बाजार, जुमेराती, आजाद मार्केट, जनकपुरी, जुमेराती, मंगलवार, घोड़ा नक्कास व इतवार सहित अन्य बाजारों से अतिक्रमण हटवाए थे। बड़ी संख्या में दुकानों से शेड हटवाने के साथ ही अन्य सामान भी जब्त किया गया।

इबादत में गुजरी शब ए बारात

नगर संवाददाता, भोपाल। मुस्लिम समाज का त्योहार शब-ए-बारात पूरी शिद्दत और अकीदत के साथ मनाया गया। इस्लाम में शब ए बारात की खास अहमियत है। इस रात को इबादतों की रात कहा जाता है। इसलिए मुस्लिम समुदाय इस रात विशेष इबादत करता है। शाम सात बजे के आस पास होने वाली मगरिब की नमाज से शुरू होने वाला इबादत का सिलसिला सुबह 5 बजे होने वाली फजिर की नमाज तक चला। शब ए बारात पर शहर के कब्रिस्तानों में बड़े पैमाने पर लोग पहुंचते हैं, और अपने सगे संबंधितयों की कब्र पर कुरआन की कुछ आयतें पढ़ते हैं, जिसे फातिहा कहा जाता है। ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अब्दुल नफीस ने बताया कि इस रात को बड़ी इबादत वाली रात माना जाता है। उन्होंने बताया कि शहर में कई स्थानों पर खुसूसी इबादत की गई, मंगलवारा मस्जिद, सुन्नी सकलैनी जामा मस्जिद अशोका गार्डन, खानकाह शरीफ मुईनिया चिश्तिया हुसैनिया आरिफ नगर सहित पीरगेट इमामीगेट निजामुद्दीन कॉलोनी, सोनागिरी, बाग सेवनिया, भेल, गांधी नगर, बैरागढ़, करोद भानपुर आदि अनेक मोहल्लों में पीरजादगान, सूफियों मशायखीन, और उलेमाओं की मौजूदगी में इबादत हुई और तबर्रूक तकसीम किया गया। चूंकि भोपाल के कब्रिस्तानों में सफाई की कमी है और कई कब्रिस्तान तो ऐसे हैं जहां लाइट और रास्तों की भी कमी है। ऐसे में मप्र जमीअत उलेमा हिंद ने सफाई अभियान की शुरूआत की है। जमीअत के प्रेस सचिव हाजी इमरान ने बताया कि जमीअत उलमा मध्यप्रदेश हाजी मोहम्मद हारून के मार्गदर्शन में मकबरा शाहजहां बेगम को समय समय पर साफ सफाई कर व्यवस्थित करने का कार्य किया जा रहा है एवं पुरातत्व विभाग नगर निगम मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड से भी भोपाल के ऐतिहासिक मकबरों के सुरक्षित करने की मांग की जा रही है। जमीअत की टीम ने अन्य कब्रिस्तानों की दुर्दशा को देखने के लिए कब्रिस्तानों का दौरा भी किया और बदहाल कब्रिस्तानों पर चिंता व्यक्त की।

लड़कियों पर हमला करने वाले की तलाश में जुटे 65 पुलिसकर्मी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। थाना पिपलानी और अयोध्या नगर इलाके में आधा घंटे के अंदर तीन लड़कियों पर कटर से हमला करने वाले सिरफिरे का पांचवें दिन भी सुराग नहीं लगा। उसकी तलाश में दोनों थाने के अलावा क्राइम ब्रांच के कुल 65 पुलिसकर्मी दिनरात लगे हैं। पुलिस अब तक करीब 240 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाल चुकी है। पेशन प्रो पर सवार काला दिखाने वाले बदमाश की अभी भी पूरी तरह से पहचान नहीं हो सकी है। राजधानी पुलिस के लिए अभी यह सिरफिरा सिरदर्द बना है। इधर, पिपलानी, अयोध्या नगर इलाके में रहने वाले लोग दहशत में हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक मेसेज वायरल हुआ है। महत्वपूर्ण सूचना बताकर दोनों थाना क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में रात के समय लड़कियों को अकेले निकलने से मना किया है। इस मेसेज के चलने के बाद पुलिस की परेशानी बढ़ गई है। पुलिस ने उसके आने-जाने का रूट तैयार किया है। वह भानपुर तक दिखा, लेकिन इसके बाद गायब हो गया। जानकारी के मुताबिक, 29 जनवरी 2025 की रात करीब साढ़े दस बजे से ग्यारह बजे के बीच तीन लड़कियों पर सरेराह सिरफिरे से कटर से हमला कर दिया। जबकि इन लड़कियों का कोई कसूर नहीं था। न ही वह उस युवक को जानती थीं। पहली घटना सोनागिरी के ए और बी सेक्टर में हुई। युवक ने दो अलग-अलग युवतियों पर हमला कर घायल कर दिया। दोनों के पैर में कटर से हमला किया था। इसमें एक युवती 21 और दूसरी 22 साल की थी। बीच सड़क पर दोनों के साथ वारदात की गई। इसके बाद आरोपी अयोध्या नगर इलाके में बढ़ा। यहां 21 वर्षीय युवती घर जा रही थी। नरेला जोड़ के पास युवक ने सामने बाइक अड़ाकर हमला किया। बचाव में युवती झुक गई, उसकी नाक पर कटर लगा था।

तीन दिवसीय 'महादेव-भोजपुर महोत्सव' 15 से

जागरण, भोपाल। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा शिव-साधना और कला-सौंदर्य के दिव्य संगम के रूप में भोजपुर मंदिर प्रांगण में तीन दिवसीय महादेव भोजपुर महोत्सव का आयोजन 15 से 17 तक प्रतिदिन सायं 6.30 बजे से किया जाएगा। संचालक संस्कृति एन.पी. ‍ ‍ ‍ ‍ ‍ नामदेव ने बताया कि महोत्सव के प्रथम दिवस 15 फरवरी को सागर के ऋषि विश्वकर्मा के स्वर से लोकगायन होगा। इसके उपरांत सागर के उमेश नामदेव द्वारा प्रस्तुत बधाई एवं बरेदी लोकनृत्य की प्रस्तुति होंगी। संध्या का शिखर क्षण मुंबई के सुप्रसिद्ध भजन गायक लखबीर सिंह लक्खा के भक्ति गायन से सजेगा। द्वितीय दिवस 16 फरवरी को भोपाल की शीला त्रिपाठी का लोकगायन होगा। इसके पश्चात मुंबई की भावना शाह एवं साथी कलाकारों द्वारा शिव महिमा पर आधारित नृत्य नाटिका का मंचन किया जाएगा। दूसरे दिन की अंतिम सभा में सुप्रसिद्ध पार्श्व गायिका महालक्ष्मी अय्यर अपनी मधुर सुगम संगीत प्रस्तुति देंगी। अंतिम दिवस बलराम पुरोहित का लोकगायन, आकृति जैन एवं साथी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत शिव-केंद्रित नृत्य नाटिका होगी। समापन अवसर पर कवि दिल्ली के अशोक चक्रधर, मुंबई के दिनेश बावरा समेत कई कवि अपनी सशक्त और भावपूर्ण रचनाओं से काव्यरस की अविरल धारा प्रवाहित करेंगे।

पिता की लापरवाही के कारण इब्राहिम की हुई थी मौत, गिरफ्तार, भेजा जेल

जीव संरक्षण अधिनियम में फरार चल रहा है आरोपी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गौतम नगर इलाके में तीसरी कक्षा के छात्र की पिता की लापरवाही के कारण मौत हुई थी। 12 साल के इब्राहिम ने घर में अवैध रूप से रखी पिस्टल से कनपटी पर खुद को गोली मार ली थी। पिता ने यह पिस्टल छिपा दी थी। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ आर्म्स एक्ट, साक्ष्यों छिपाने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी पिता वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के मामले में इंदौर से फरार चल रहा है। इंदौर पुलिस भी उसकी गिरफ्तारी के लिए भोपाल आएगी। इब्राहिम की मौत के मामले पुलिस को उसके फूफा वाहिद नूर की तलाश है। वाहिद नूर बिलखिरिया इलाके से फरार चल रहा है। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 414 के तहत केस दर्ज है। वाहिद ने आदेश खाबरा द्वारा लूटे गए ट्रक का लोहा बेच दिया था। तब से पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

खेल-खेल में पिस्टल चली दी

थाना प्रभारी महेंद्र ठाकुर ने बताया कि करीम बख्श कालोनी निवासी इब्राहिम खान ने 31 जनवरी की रात घर में अलमारी में रखी पिस्टल से खुद को गोली मार ली थी।बच्चे ने खेल-खेल में लोडेड पिस्टल चला दी थी। परिवार ने बताया कि वह बालकनी में था, तभी किसी बाहरी व्यक्ति ने गोली मारी है। जांच में सामने आया कि घटना कमरे की थी। बच्चे ने खुद की कनपटी पर रखकर गोली चलाई। शार्ट पीएम रिपोर्ट में डाक्टरों ने भी पुष्टि की काफी नजदीक से गोली मारी है, जिससे कार्बन कण शरीर पर मिले थे।

बैठक — 5 मंजिला ऊंचा होगा संभाग आयुक्त कार्यालय, तैयार की इमारतों की डिजाइन

मौजूदा जगह पर बनाई जाएगी कलेक्ट्रेट की 6 मंजिला इमारत

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल का नया कलेक्ट्रेट मौजूदा जगह पर ही बनाया जाएगा और इसकी इमारत 6 मंजिला होगी। वहीं संभाग आयुक्त कार्यालय की इमारत भी 5 मंजिला होगी। मंगलवार को पुराना सचिवालय में नवीन कलेक्ट्रेट भवन, संभाग आयुक्त कार्यालय और पुलिस महानिदेशक कार्यालय में संचालित होने वाले विभिन्न कार्यालयों में जगह की आवश्यकता के आंकलन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संभाग आयुक्त संजीव सिंह ने अधिकारियों के सामने नवीन भवनों की डिजाइन रखते हुए परिसर में लगने वाले विभिन्न कार्यालयों की जानकारी ली। साथ ही इन कार्यालयों को संचालित करने के लिए कितनी जगह की आवश्यकता होगी? इसके संबंध में भी अधिकारियों से बातचीत की। बता दें कि भोपाल में कलेक्ट्रेट भवन को बनाने को लेकर 11 बार तैयारी हुई है, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से नई इमारत का काम रुक जाता है। अंतिम बार प्रोफेसर कालोनी में 13 एकड़ क्षेत्रफल में 6 मंजिला इमारत बनाने की तैयारी कर ली गई थी, लेकिन आखिरी क्षणों में सांसद आलोक शर्मा के हस्तक्षेप के कारण कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण का काम रुक गया, जिसे अब पुराना सचिवालय स्थित पुरानी इमारत की जगह पर ही बनाने की तैयारी की जा रही है।

यह होगा तीनों कार्यालयों के नवीन भवनों में खास

संभाग आयुक्त द्वारा बैठक में दी गई जानकारी के अनुसार तीनों भवनों के भूतल पर वाहनों की पार्किंग और आम लोगों के बैठने के लिए एसी चैंबर होंगे। आम लोगों के कामकाज वाले कार्यालय पहले, दूसरे और तीसरे तल पर लगेंगे। जबकि ऊपरी मंजिलों को कार्यालयीन काम निपटाने और रिकॉर्ड रूम के लिए उपयोग किया जाएगा। बता दें कि अभी कलेक्ट्रेट और संभाग आयुक्त कार्यालय में वाहन पार्किंग, आम लोगों के लिए शौचालय सहित अन्य सुविधाओं का टोटा है, जिसके कारण कई बार महिलाओं को परेशान होना पड़ता है। जनसुनवाई के दौरान भी आम लोगों को गर्मी में सभाकक्ष के बाहर ही बैठना पड़ता है।

ईको फ्रेंडली होंगी इमारतें: यह तीनों इमारतें पर्यावरण के अनुकूल बनाई जाएंगी, जिसमें बारिश का पानी सहेजने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाएगा। बिजली के सौलर पैनल व अन्य सुविधाएं भी की जाएंगी।

कलेक्ट्रेट भवन में बनाए जाएंगे यह कार्यालय

नवीन कलेक्ट्रेट भवन में एडीएम साउथ, एडीएम नॉर्थ, शस्त्र लाइसेंस कार्यालय, खाद्य आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय, भारत निर्वाचन आयोग कार्यालय, दोनों एडीएम मुख्यालय व आबकारी कार्यालय सहित लोक सेवा केंद्र का भी निर्माण किया जाएगा। यह सभी कार्यालय पहली व दूसरी मंजिल पर लगेंगे। कलेक्टर कार्यालय, सभाकक्ष सहित कलेक्टर के स्टाफ के लिए तीसरी मंजिल पर कार्यालय बनाए जाएंगे। ऊपरी की मंजिलों पर रिकॉर्ड रूम सहित अन्य स्थान रहेंगे। वहीं संभाग आयुक्त कार्यालय में बैंक व पोस्ट ऑफिस का भी निर्माण किया जाएगा। संभागीय जनसंपर्क कार्यालय, कृषि अधिकारियों के लिए भी कार्यालय बनाए जाएंगे। हालांकि अभी सभी कार्यालयों के लिए डिजाइन व जगह के लिए जानकारी मांगी है। जगह का आकलन होने और डिजाइन फाइनल होने के बाद ही आगे की कार्यवाही होगी। अधिकारियों के अनुसार संभवतः डिजाइन में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

चैंबर चुनाव की स्थिति साफ, उन्नति पैनल अध्यक्ष समेत 19 पदों पर जीता

भोपाल। भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चुनावों के पूरे परिणाम मंगलवार सुबह घोषित कर दिए गए। वहीं कार्यकारिणी के वोटों की गिनती मंगलवार सुबह तक जारी रही। मंगलवार सुबह लगभग 8 बजे अंतिम परिणाम के साथ ही भोपाल चैंबर की पूरी कार्यकारिणी तय हो गई। अब अगले तीन साल तक चेंबर के मुखिया गोविंद गोयल होंगें। उन्नति पैनल की तरफ से उन्होंने चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए प्रगतिशील पैनल के प्रत्याशी तेजकुलपाल सिंह पाली को 101 वोटों के अंतर से हराया। चैंबर में अध्यक्ष के अलावा उपाध्यक्ष के चार पद थे। इनमें से दो पदों पर उन्नति पैनल के प्रत्याशी जीते, वहीं दो पद प्रगतिशील पैनल के खाते में गए। महामंत्री के पद पर प्रगतिशील पैनल के ललित तांतेड़ ने उन्नति पैनल के विनोद जैन एमपीटी को हराकर जीत हासिल की। इसके अलावा मंत्री के तीन पदों पर उन्नति पैनल के अजय देवनानी अज्जू, संजीव जैन गेहूं, सुनील जेनाविन को जीत मिली।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

भारत-यूएस डील फ्री ट्रेड की ओर अच्छा बदलाव

भारत पर टैरिफ अब इतने कम हो गए हैं कि यह वियतनाम, मलेशिया, थाईलैंड, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और चीन जैसे अपने एक्सपोर्ट कॉम्पिटिटर की तुलना में अच्छी स्थिति में है। पिछले कुछ दिनों में विदेशी संबंधों और ट्रेड के मामले में यूएस के साथ भारत की लंबी ट्रेड बातचीत खत्म होने के तुरंत बाद, नई दिल्ली और वाशिंगटन आखिरकार एक ट्रेड डील पर सहमत हो गए हैं, दोनों देशों के नेताओं ने सोमवार को एक फोन कॉल के बाद इसे ऑफिशियल कर दिया। महीनों की अनिश्चितता के बाद यह एग्रीमेंट हुआ है, जब दोनों देशों के बीच संबंध हाल के दिनों में अपने सबसे निचले लेवल पर पहुंच गए थे। भारतीय इकॉनमी अब पश्चिमी दुनिया के साथ और करीब से जुड़ गई है, जो जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता वाली दुनिया में हितों के मिलने की ओर इशारा करती है।

इस डील के तहत यूएस भारतीय एक्सपोर्ट पर टैरिफ रेट को तुरंत 50 परसेंट से घटाकर 18 परसेंट कर देगा। भारत पर टैरिफ अब ऐसे लेवल पर आ गए हैं जो देश को वियतनाम, मलेशिया, थाईलैंड, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और चीन जैसे अपने एक्सपोर्ट कॉम्पिटिटर की तुलना में बेहतर स्थिति में रखते हैं। डील की पूरी डिटेल्स अभी जारी नहीं की गई हैं। इस बारे में भी पूरी जानकारी नहीं है कि तेल खरीद का विवादित मुद्दा कैसे आगे बढ़ेगा। लेकिन, भारत लगातार रूस से तेल इंपोर्ट कम कर रहा है, जबकि अमेरिका से क्रूड ऑयल इंपोर्ट बढ़ा रहा है। जैसा कि इस पेपर में बताया गया है, इस साल अप्रैल और अक्टूबर के बीच भारत के तेल इंपोर्ट में अमेरिका का हिस्सा बढ़कर 7.48 परसेंट हो गया, जबकि पिछले साल इसी समय यह 4.43 परसेंट था। अमेरिका से ट्रेड डील के बाद अब भारत के सामने रूस से तेल खरीदने की पाबंदी का तोड़ निकालने की बड़ी समस्या है। भारतीय रिफाइनरी कंपनियों को अब रूस से तेल पर पूरी तरह से पाबंदी लगाने की शर्त को मानने के लिए विंड डाउन पीरियड की जरूरत है। दरअसल, अगर रूस से तेल आयात पूरी तरह रुकता है तो इन कंपनियों ने जो तेल खरीद रखे हैं, उनकी आपूर्ति मार्च तक ही हो पाएगी। ऐसे में अगर सरकार इसे रोकने का आदेश देती है तो उन्हें यह ट्रांजीशन पीरियड चाहिए होगा।

इन्वेस्टर्स बहुत खुश हैं, सेंसेक्स दिन की शुरुआत में 4.5 परसेंट ऊपर खुला। डील को लेकर अनिश्चितता खत्म होने से देश में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। कैपिटल इनफ्लो और रुपये को लेकर चिंताएं दूर हो सकती हैं। करेंसी मार्केट ने डील की घोषणा पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है, और शुरुआती ट्रेड में रुपया मजबूत हुआ है।

इस फैसले की बदौलत भारत से निर्यात किए गए जिन उत्पादों पर अमेरिकी उपभोक्ता/कंपनियां पहले 50 प्रतिशत तक टैरिफ चुकाती थीं, अब वे 18 फीसदी टैरिफ ही चुकाएंगी। इसका असर यह होगा कि भारतीय उत्पादों की कीमत अमेरिकी बाजार में कम होगी और इनका उपभोग, जो पहले कुछ कम हुआ था, वह वापस अपने पुराने स्तर पर लौटेगा। लंबी अवधि में भारत इन टैरिफ के जरिए अपने व्यापारिक प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले लाभ की स्थिति में रहेगा, क्योंकि दूसरे देशों के मुकाबले अमेरिकी नागरिक भारतीय उत्पादों को ज्यादा तरजीह दे सकते हैं।

मोदी सरकार द्वारा साइन की गई ट्रेड डील्स की एक सीरीज़ एक अच्छे ट्रेंड की ओर इशारा करती है, प्रोटेक्शनिज़्म की दीवारें गिर रही हैं। फ्री ट्रेड की तरफ यह बदलाव, जो भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन के साथ और करीब से जोड़ना चाहता है, बहुत अच्छा है। हालांकि, अभी आराम से बैठने का समय नहीं है। सरकार को न सिर्फ कॉम्प्रिहेंसिव एंड प्रोग्रेसिव एग्रीमेंट फॉर ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप जैसे दूसरे ट्रेड एग्रीमेंट करने की संभावना तलाशनी चाहिए, बल्कि एक बड़े घरेलू सुधार एजेंडे पर भी ज़ोरदार तरीके से आगे बढ़ना चाहिए जो इंतज़ार कर रहा है।

व्यापार समझौता

डील की बारीकियाँ ही बताएंगी कि यह दिल्ली के नज़रिए से कितनी फायदेमंद

ट्रंप की दबाव बनाने की कला है टैरिफ को घटाना

अनिल सासी

भारत यूएस डील पर बड़ा सवाल यह है कि 50 परसेंट को घटाकर 18 परसेंट करने में क्या लगा। ट्रंप के साथ, यह हमेशा दबाव बनाने की कला है। यूएस के साथ ट्रेड डील के लिए सबसे पहले आगे आने वाला भारत अब वाशिंगटन डीसी के साथ डील करने वाले आखिरी देशों में से एक है। मज़ाक में कहा जा रहा है कि सोमवार को शायद 'आई' से शुरू होने वाले नामों वाले देशों की बारी थी, क्योंकि इंडोनेशिया ने भारत के समझौते की घोषणा से कुछ घंटे पहले ही अपनी डील कर ली थी।

पहली नज़र में, 18 परसेंट की हेडलाइन वाला 'रेसिप्रोकल टैरिफ' भारत को अमेरिकी बाज़ार तक पहुँचने के मामले में वियतनाम, बांग्लादेश, मलेशिया और चीन जैसे कॉम्पिटिटर के मुकाबले काफी अच्छी स्थिति में रखता है, लेकिन डील की बारीकियाँ ही इस बात की चाबी होंगी कि यह नई दिल्ली के नज़रिए से कितना फायदेमंद है। इस टैरिफ के अंदर भी, तीन कैटेगरी हो सकती हैं- ज़्यादातर प्रोडक्ट जो 18 परसेंट ब्रैकेट में आएंगे, कुछ जैसे स्टील और एल्युमीनियम और फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी चीज़ें जो अमेरिका में आते समय मोटे तौर पर टैरिफ से छूट प्राप्त हैं, इस तथाकथित रेसिप्रोकल टैरिफ के दायरे से बाहर रह सकते हैं, ।

अब, 18 परसेंट टैरिफ कितना अच्छा है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि इसे किस नज़रिए से देखा जाता है। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से पहले जब पॉलिसी लागू की गईं, तो यूएस में आने वाले भारतीय सामान पर औसतन सिर्फ़ 2.5 परसेंट टैरिफ़ लगाया गया। हालांकि, ट्रंप 2.0 के बाद, यह धीरे-धीरे बढ़कर 50 परसेंट हो गया, इसलिए शायद अब यह ज़्यादा सही शुरुआती पॉइंट है। और सच तो यह है कि यूएस के साथ ट्रेड डेफिसिट वाले देशों पर भी 10-15 परसेंट टैरिफ़ लगा है। इसलिए, 18 परसेंट शायद बिल्कुल भी बुरा न हो।

हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि 50 परसेंट को 18 परसेंट तक नीचे लाने में क्या रणनीति रही। ट्रंप के तरीके से देखें तो यह हमेशा से दबाव बनाने की कला है। यह समझा जा रहा है कि 18 परसेंट तक लाने में कुछ बड़ी रियायतें देनी पड़तीं, जैसा कि कई एनालिस्ट कह रहे हैं- एक, ट्रंप का दावा कि भारत ने एनर्जी, टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर और कोयला प्रोडक्ट्स सहित 500 बिलियन से ज़्यादा का अमेरिकी सामान खरीदने का वादा किया है। दो, यूएस एग्रीकल्चर सेक्रेटरी ब्रूक रोलिंस का बयान कि अमेरिकी खेती के सामान को 'इंडिया के बड़े मार्केट' तक पहुँचाने के लिए इस ट्रेड डील से हालात बेहतर होंगे।

सवाल यह है कि इंडियन नेगोशिएटर्स ने 18 परसेंट तक पहुँचने के लिए कौन से टैरिफ और नॉन-टैरिफ तरीकों का वादा किया है? इससे भी ज़रूरी बात यह है कि पिछले कुछ हफ़्तों में क्या-क्या मीठा किया गया? 500 बिलियन का आंकड़ा शायद इनमें से एक है। यह एक आकर्षक नंबर है, और ट्रंप की दूसरी डील अनाउंसमेंट से मेल खाता है, जो कई बड़े-बड़े नंबरों के साथ आई, जैसा कि साउथ कोरिया के साथ ट्रेड डील या जापान के साथ हुआ था। साफ़ है, ये आँकड़े ट्रंप के बड़े नंबरों के जुनून को दिखाते हैं, लेकिन ये पूरे भी हो सकते हैं और नहीं भी। यह नहीं बताया गया है कि यह 500 बिलियन किस समय में मिलेगा, और इसमें कौन-कौन सी चीज़ें शामिल हैं।

यह तो सच है कि यूएस भारत को ज़्यादा एक्सपोर्ट करेगा, लेकिन यह साफ़ नहीं है कि यह समय-सीमा क्या है और यह बढ़ता हुआ इम्पोर्ट का आंकड़ा किन चीज़ों पर लागू होगा। क्या यह उन चीज़ों से कहीं आगे जाता है जिनके लिए भारत ज़ोर दे रहा था- डिफ़ेंस इक्विपमेंट, एविएशन गियर, न्यूक्लियर रिएक्टर और टेक हार्डवेयर? इसके भी खतरे हैं। पिछले महीने की शुरुआत में, ट्रंप ने कहा था कि वह दक्षिण कोरियाई सामान, जिसमें ऑटोमोबाइल, लकड़ी और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, पर टैरिफ बढ़ा रहे हैं, और देश पर पिछले साल हुई ट्रेड डील के तहत किए गए इन्वेस्टमेंट कमिटमेंट से मुकरने का आरोप लगाया। यह एक साफ़ और मौजूदा खतरा है।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह डील भारत के एग्रीकल्चर सेक्टर पर भी लागू होती है। ट्रंप ने एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स का जिक्र किया और रॉलिंस ने खास तौर पर भारत द्वारा दिए जा रहे फ़ार्म एक्सपोर्ट के मौके के बारे में ट्वीट किया। यह किसानों की चिंताओं के बीच आया है कि यूएस के खेती के सामान के इम्पोर्ट पर रोक है, क्योंकि वॉशिंगटन को दुनिया के सबसे बड़े खेती के सामान पर सब्सिडी देने वालों में से एक माना जाता है। और भारत के इस पर या पिछले साल की शुरुआत में अपने ऑफर में खींची गई दूसरी बड़ी रेड लाइन पर झुकने की उम्मीद कम है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि खेती के सामान की कौन सी कैटेगरी खोली गई हैं, ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के तहत यूएस ट्रेड डील्स में एग्रीकल्चर पर बहुत ज़्यादा ज़ोर दिया गया है। यूएस ने ट्रंप के दूसरे टर्म में हुई सभी ट्रेड डील्स में न सिर्फ़ एग्रीकल्चर के लिए मार्केट एक्सेस मांगा, बल्कि पिछले 12 महीनों में ही खेती के प्रोडक्ट्स को शामिल करने के लिए डील्स पर फिर से बातचीत भी की।

रूस से तेल की खरीद बंद करने और इससे भी ज़रूरी, भारत द्वारा दूसरे इम्पोर्ट्स, जिनमें डिफ़ेंस इक्विपमेंट और स्पेयर्स शामिल हैं, पर सवालिया निशान हैं। लेकिन फिर, आम राय यह है कि एक्स्ट्रा टैरिफ़ असल में कभी भी रूसी तेल के बारे में नहीं थे। साथ ही, भारत के इम्पोर्ट बास्केट में रूसी तेल नीचे हो सकता है, लेकिन यह अभी भी कुल इम्पोर्ट्स का एक चौथाई हिस्सा है।

पिछले हफ़्ते रेसिप्रोकल टैरिफ़ मुद्दे को सुलझाने पर दोनों देशों के बीच एक राय बनी, जिसमें कई 'चिपचिपे' मुद्दों को सुलझाया गया। उम्मीद है कि नई दिल्ली इस बारे में कुछ साफ़ जानकारी देगी कि इन मुद्दों पर बातचीत कैसे हुई। यह भी साफ़ है कि डील पर किए गए दावों पर ट्रंप या उनके कैबिनेट साथियों से फ़ैक्ट-चेक न करने में बहुत सावधानी बरती जाएगी।

खुला मंच

होइहि सोइ जो बाबू रचि राखा

पीए सिद्धार्थ

तुलसी बाबा, अलाउद्दीन खिलजी के समकालीन नहीं थे। उन्होंने कभी राज दरबार में नौकरी भी नहीं की। अगर की होती तो कभी न कहते, 'होइहि सोइ जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावै साखा।' पत्नी को त्यागने के बाद आज़ादी का सुख भोगते हुए ही वह राम की महिमा का मनचाहा बखान कर पाये। उन्होंने रामचरितमानस जैसे महाकाव्य का वितान ऐसे घड़ा मानो सारा घटनाक्रम उनकी आंखों के सामने घटित हुआ हो। गृहस्थ मनोविज्ञान कहता है कि पत्नी से त्रस्त व्यक्ति जब खुले आसमान में उड़ान भरता है तो या वह अति रचनात्मक हो जाता है या विध्वंसात्मक। ऐसे व्यक्ति को या तो संसार में कुछ भी नहीं चाहिए होता है या फिर वह सब कुछ हासिल करना चाहता है। किसी भी कीमत पर। उसके लिए काल, समाज या देश भी मायने नहीं रखता। इसलिए अपने हरिशंकर परसाई जी ब्याह के झंझट से दूर ही रहे और विवाहितों पर जी भर कर व्यंग्य करते रहे। परपीड़ा का आनंद ही कुछ और है। पाश्चात्य जगत् में पत्नी से भाग कर, आज़ादी का आनंद लेने वालों में नेपोलियन बोनापार्ट, फ्रीडा काह्लो और रॉबर्ट राउशेनबर्ग के नाम सामने आते हैं। भारतीय पौराणिक संदर्भ में राजा उत्तम, जरत्कारू, राजा भृगु और पृथु के नाम सामने आते हैं। पर 21वीं सदी में जो अवतारी, पत्नी को छोड़कर दुनिया के सामने प्रकट हुए हैं, वे समाज और देश की दिशा को खाई की ओर मोड़ चुके हैं।

काल के बारे कुछ कहना इसलिए मुश्किल है कि काल ही व्यक्ति और समाज को बरगलाता है। शायद इसलिए कहा गया है, विनाश काले विपरीत बुद्धि।

पर हम बात कर रहे हैं अपने तुलसी बाबा की। वही तुलसी बाबा, जिन्होंने राजा राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। तुलसी बाबा साधु आदमी थे, अकेले रहते होंगे। जिस रूप में राम के बारे में सोचा, दुनिया को परस दिया। परिवार होता तो उन्हें पता चलता कि पिता के कहने पर वनवास भी जाना पड़ता है, पत्नी की फ़रमायश पर जानते-बूझते भी मायावी हिरन के पीछे भागना पड़ता है, पत्नी को बचाने के लिए रावण से युद्ध करना पड़ता है और धोबी के कहने पर अग्निपरीक्षा से गुज़री पत्नी को भी कथित लोक-लाज के लिए त्यागना पड़ता है।

तुलसी बाबा ने भी न दरबार की नौकरी की न कभी परिवार पाला। अगर उनका पाला दरबार के लिपिकों से पड़ा होता तो यही तुलसी बाबा अपने ग्रंथों में रचते, 'होइहि सोइ जो बाबू रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावै साखा।' अगर तुलसी बाबा पत्नी छोड़ने के बाद अकेले रहने की बजाए किसी मोटा भाई साधु के साथ रहे होते तो मुमकिन था कि वह रामचरितमानस की बजाए तुलसीचरितमानस रचते। और लोग राम की बजाए तुलसी बाबा के मंदिर बनवा रहे होते।

प्रसंगवश

खेल मैदान पर सियासत से बाज आए पाकिस्तान

विश्व क्रिकेट में पैदा ताजा तनाव दुखद और निराशाजनक है। आगामी 15 फरवरी को कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला तय था, पर पाकिस्तान सरकार ने भारत के खिलाफ होने वाले मैच से हटने का फैसला सुनाकर अपनी बेवजह की दुश्मनी का इजहार कर दिया है। बांग्लादेश के नाहक ही अपनी जिद पर अड़े रहने के कारण उसे क्रिकेट टी20 विश्व कप से बाहर कर दिए जाने के बाद पाकिस्तान की ओर से भारत के साथ मुकाबला न खेलने के एलान को खेल के राजनीतिकरण से जोड़कर देखा जा रहा है। हैरत की बात है कि पाकिस्तान सरकार ने अपने इस निर्णय के पीछे स्पष्ट रूप से कोई वजह भी नहीं बताई है।

ऐसे में माना जा रहा है कि बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए पाकिस्तान ने सोची-समझी रणनीति के तहत यह फैसला किया है। यह एक ऐसा कदम है, जिससे न केवल पाकिस्तान क्रिकेट टीम की साख को नुकसान होगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेलों पर भी इसका दूरगामी असर पड़ सकता है। इससे खेल भावना की गरिमा को भी ठेस पहुंची है, क्योंकि इस तरह के खेलों का आयोजन राष्ट्रों के बीच एकता, शांति, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और मैत्रीपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली माध्यम होता है। इसलिए खेलों को भू-राजनीतिक तनाव और सियासत के दायरे से परे रखा जाना चाहिए।

दरअसल, इस गतिरोध की शुरुआत आइसीसी के उस फैसले से हुई थी, जिसमें सुरक्षा आश्वासनों को मानने से इनकार करने और अपने सभी मैच भारत से श्रीलंका स्थानांतरित करने की जिद के बाद बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया गया था। आइसीसी के इस फैसले के बाद पाकिस्तान के क्रिकेट और राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिलीं थी। पाकिस्तान ने भले ही भारत के साथ मैच न खेलने के फैसले की कोई वजह नहीं बताई है, लेकिन उसके मंसूबों को साफ समझा जा सकता है। इसमें दोराय नहीं कि भारत-पाकिस्तान का मुकाबला किसी भी आइसीसी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रोमांचकारी माना जाता है, जिसे वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक दर्शक, प्रायोजकों की रुचि और प्रसारण राजस्व मिलता है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में अपने सारे मुकाबले श्रीलंका में ही खेलने वाला है, वह खेलेगा, लेकिन भारत के खिलाफ नहीं। अब क्रिकेट की विश्व संस्था आईसीसी में नाराजगी है और आयोजकों को घाटा होना तय है। वैसे, आईसीसी की ओर से अभी भी यह कोशिश जारी है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कोई ऐसा फैसला न करे, जिससे क्रिकेट को नुकसान पहुंचे।

इसलिए आइसीसी के सामने भी वित्तीय और नियामकीय चुनौतियां खड़ी होने की आशंका है। इस बीच, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। ऐसे में आइसीसी को सख्त कदम उठाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में खेल भावना के साथ कोई खिलवाड़ न हो। भारत क्रिकेट की महाशक्ति है, तो यह सच संतुलित ढंग से दुनिया के सामने आना चाहिए। क्रिकेट प्रेमियों की भावना के साथ खिलवाड़ रुकना चाहिए।

कोई दोराय नहीं है कि पाकिस्तानी क्रिकेट पर पूरी तरह से राजनीति हावी हो गई है। विडंबना यह है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट न खेलने की मांग भारत में ज्यादा होती है और न खेलने का फैसला उसने किया है। वहां का क्रिकेट बोर्ड अपने खर्चे के लिए विश्व क्रिकेट पर निर्भर है और विश्व क्रिकेट में 80 प्रतिशत से भी ज्यादा पैसा भारतीय है। पाकिस्तान को यह मानने में बहुत परेशानी होती है कि विश्व क्रिकेट को चलाए रखने में भारत का सर्वाधिक योगदान है। पाकिस्तान अपनी भारत विरोधी नीतियों में सुधार के लिए तैयार नहीं है। शायद उसे लगता है, भारत या भारतीय बोर्ड उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। मिसाल के लिए, एशिया कप की ट्रॉफी भी पाकिस्तानी बोर्ड के अध्यक्ष ने विजेता भारत को नहीं सौंपी है। बड़ा सवाल है कि जो भारतीय बोर्ड अपने हिस्से की ट्रॉफी नहीं ले पाया, वह अब आगे क्या कड़े कदम उठाएगा?

वैसे, अनुमान है, इस बार भारतीय बोर्ड कड़े कदम उठाएगा, क्योंकि भारत-पाकिस्तान मैच की भारी मांग होती है। प्रसारण के समय विज्ञापनों की कीमत 40 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। अब समय आ गया है, जब भारतीय बोर्ड को कमाई के साथ सम्मान की भी चिंता करनी पड़ेगी। विश्व क्रिकेट को पहले बांग्लादेश और अब पाकिस्तान ने जिस तरह चोट पहुंचाने की कोशिश की है, उसकी भरपाई होनी चाहिए। भारत को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि क्रिकेट सियासत का जरिया बनकर समस्याओं को न बढ़ाए। असंख्य भारतीयों की धारणा है कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए, मगर भारतीय बोर्ड जहां भी पाकिस्तान के साथ खेलना जरूरी होता है, कोई न कोई राह निकालता आया है। यह भारत की भलमनसाहत है, पर पाकिस्तान ने इसका जैसा उत्तर दिया है, उसका अनुकूल प्रति-उत्तर अवश्य जाना चाहिए।

साइबर फ्रॉड

शहरों में ग्राहक अब रोजाना के डिजिटल लेन-देन के लिए बना रहे अलग बैंक अकाउंट

स्मार्ट उपभोक्ता बनें तो बचेंगे साइबर धोखाधड़ी से

प्रांजल शर्मा

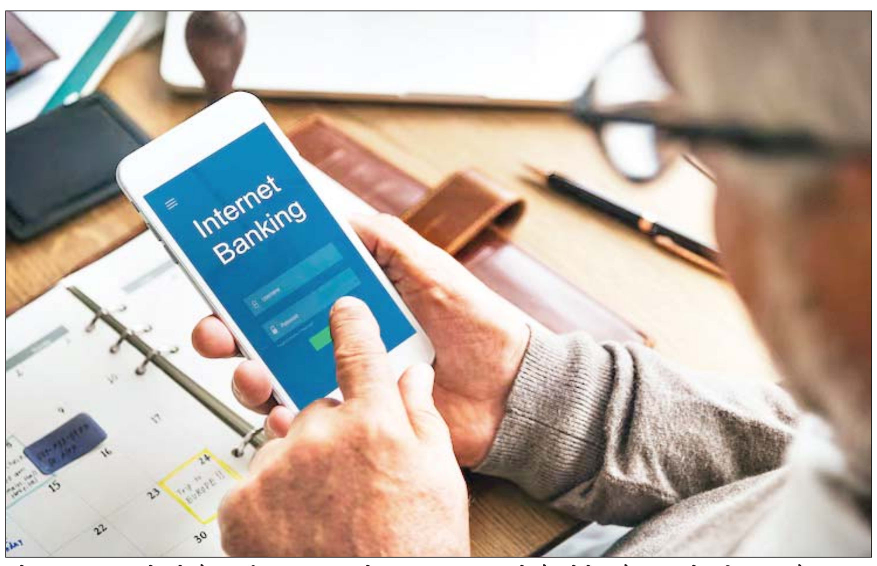

देश भर में साइबर धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने के लिए लोग अपने डिजिटल लेन-देन में स्मार्ट बन रहे हैं। महानगरों के साथ-साथ दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में ग्राहक अब रोजाना के डिजिटल लेन-देन के लिए अलग बैंक अकाउंट बना रहे हैं, ताकि उनका मुख्य खाता सुरक्षित रहे। भारत में करोड़ों उपभोक्ता अब डिजिटल भुगतान सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। कंसल्टिंग फर्म पीडब्ल्यूसी के एक अनुमान के मुताबिक, वित्तीय साल 2025 में 299 खरब रुपये का डिजिटल भुगतान हुआ, जिसके 2030 में 907 खरब तक पहुंचने की उम्मीद है, यानी पांच साल में लगभग तीन गुना। जैसे-जैसे भारत में डिजिटल बैंकिंग बढ़ रही है, इसमें धोखाधड़ी की घटनाएं भी बढ़ रहीं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के आधार पर भारत में वित्तीय वर्ष 2020 से 2024 के बीच 'साइबर फ्रॉड' के 5,82,000 मामलों में कुल 3,207 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। धोखाधड़ी की घटनाओं और इनके कारण होने वाले नुकसान, दोनों में साल-दर-साल काफी तेज बढ़ोतरी हो रही है। साल 2023 में जहां ऐसी 75,800 घटनाएं दर्ज की गई थीं, वहीं 2024 में ये बढ़कर 2,92,800 की संख्या पर पहुंच गईं। वहीं, 2023 में हुई नुकसान राशि 421.4 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024 में 2,054.6 करोड़ रुपये हो गई। ये आंकड़े डिजिटल बैंकिंग के बढ़ते जोखिम को दिखाते हैं। बैंकिंग उद्योग के एक आकलन के अनुसार, ज्यादातर डिजिटल धोखाधड़ी कम मूल्य के होते हैं। जैसे-जैसे 'डिजिटल फ्रॉड' के मामले बढ़ रहे हैं, ग्राहक या उपभोक्ता अपने मुख्य बचत खाते या वेतन खाते को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने को लेकर सावधान हो रहे हैं। कई ग्राहक अब रोजाना के लेन-देन के लिए 'पेमेंट्स बैंक' में दूसरा 'अकाउंट' बना रहे हैं। वे अपने मुख्य खाते से थोड़ी रकम 'डिजिटल पेमेंट्स बैंक अकाउंट' में ट्रांसफर कर लेते हैं। इससे उनका मुख्य खाता सुरक्षित रहता है, जबकि पेमेंट बैंक अकाउंट से डिजिटल धोखाधड़ी की आशंका बहुत कम होती है।

पेमेंट्स बैंक अपने ग्राहकों से रोजाना इस्तेमाल होने वाले कम राशि के लेन-देन के लिए दूसरे अकाउंट का उपयोग करने के लिए कह रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि पेमेंट बैंक देश के उन इलाकों के डिजिटल समावेशीकरण के लिए शुरू किए गए थे, जहां बैंक नहीं हैं। पेमेंट्स बैंक अब अपने बिजनेस मॉडल की वजह से सभी तबके के ग्राहकों के लिए एक सही विकल्प के तौर पर उभर रहे हैं। पेमेंट बैंक खातों की एक और खास बात यह है कि इनमें न्यूनतम राशि रखने की बाध्यता नहीं होती। ये यूपीआई के साथ जुड़े होते हैं और डेबिट कार्ड भी देते हैं। धोखाधड़ी होने पर, खाता तुरंत संदिग्ध कोशिशों को ब्लॉक कर देता है। यही नहीं, इस्तेमाल न करते समय ग्राहक इस खाते को रोक सकते हैं और भुगतान पर रोजाना की एक सीमा भी लगा सकते हैं।

देश में पेमेंट बैंकों के करोड़ों बचत खाता धारक हैं। उधर, आरबीआई व बैंकिंग उद्योग धोखाधड़ी में इस्तेमाल होने वाले अवैध खातों को हटाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। रिजर्व बैंक इनोवेशन हब यानी आरबीआईएच पूरी तरह आरबीआई के मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है, जो डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ सक्रिय है। आरबीआईएच का एआई से लैस तंत्र 'म्यूलहंटर.एआई' हर महीने लगभग 20,000 अवैध बैंक खातों का पता लगा रहा है। ये अवैध खाते धोखाधड़ी वाली राशि के हस्तांतरण में अहम बिचौलिया की भूमिका निभाते हैं।

म्यूलहंटर का एआई मॉडल 20 से भी ज्यादा बैंकों के लेन-देन के पैटर्न पर नजर रख रहा है। आरबीआईएच के सीईओ साहिल किनी के मुताबिक, 'दो महीने में अवैध खातों की शिनाख्त करने की संख्या काफी बढ़ जाएगी। पिछले कुछ महीनों में 85,000 से ज्यादा ऐसे खातों का पता लगाया गया है और उनकी सटीकता 85 से 90 प्रतिशत के बीच है।'

भारतीय ग्राहक व उपभोक्ता यदि डिजिटल बैंकिंग और नई टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल का स्मार्ट तरीका अपनाएं, तो देश में डिजिटल धोखाधड़ी को काबू करने में मदद मिल सकती है। यह सवाल आज हर मोबाइल यूज़र का है। डिजिटल पेमेंट ने ज़िंदगी आसान कर दी है, पर ठगों के तरीके भी तेज़ी से बदल रहे हैं। अच्छी खबर यह है कि थोड़ी समझदारी, सही आदतें और भरोसेमंद सुरक्षा ऐप्स से आप अपने पैसे और डेटा दोनों को सुरक्षित रख सकते हैं। जब कोई संदिग्ध यूपीआई गतिविधि दिखती है, अजीब पेमेंट रिक्वेस्ट, शक वाले ऐप, तो सुरक्षा ऐप्स पर अलर्ट मिलता है। जोखिम वाले ऐप्स को ब्लॉक करने में यह परत लगातार आपकी मदद करती है। कुछ सावधानियां रखकर फ्रॉड से बच सकते हैं- जैसे अनजान कॉल पर ओटीपी, पिन कार्ड विवरण कभी न बताएं। कस्टमर केयर नंबर सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट/ऐप से लें। सुरक्षा ऐप, फोन ओएस और बैंकिंग ऐप अपडेटेड रखें। मज़बूत पासवर्ड अपनाएं; अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग पासवर्ड रखें। पब्लिक वाईफाई पर लेन-देन करने से बचें; ज़रूरी हो तो मोबाइल डेटा इस्तेमाल करें।

जीवन दर्शन

द्वंद्वमुक्त होकर चल सकेंगे ध्यान की ओर

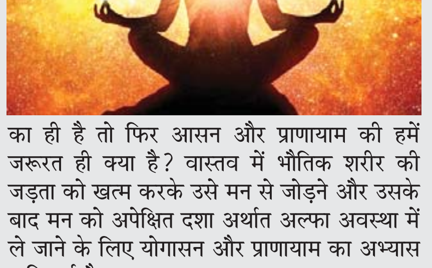

कुछ लोग कहते हैं कि वे नियमित रूप से आसन, प्राणायाम और योग करते हैं। इस एक वाक्य से ही साफ हो जाता है कि ऐसे लोग योग को सही रूप में नहीं समझते। योगसूत्र में कहा गया है कि चित्तवृतियों अथवा मन पर नियंत्रण ही योग है। योग के आठ अंग हैं- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। चिकित्सा-पद्धति के रूप में या फिर शरीर और मन के रूपांतरण के लिए योग के इन सभी आठों अंगों का अभ्यास करना अनिवार्य है। योग में शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के अभ्यास सम्मिलित होते हैं। सवाल है कि शारीरिक अभ्यास क्रम महत्वपूर्ण है या मानसिक अभ्यास क्रम?

हमारा शरीर और व्यक्तित्व वास्तव में हमारी भाव प्रक्रिया से ही बनता है। जैसा हम लगातार चिंतन करते हैं, जो कुछ भी हम सोचते रहते हैं, हम वैसे ही हो जाते हैं। इसलिए हमारी विचार प्रक्रिया का सीधा असर हमारे स्वास्थ्य या फिर रोग पर भी पड़ता है। यही विचार प्रक्रिया रोग के उपचार में भी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां मन महत्वपूर्ण हो जाता है। जैसा या जो भी हम चाहते हैं वह मन-मस्तिष्क की एक खास अवस्था (अल्फा) में ही पूरा होता है। अब प्रश्न उठता है कि अगर सारा खेल मन का ही है तो फिर आसन और प्राणायाम की हमें जरूरत ही क्या है? वास्तव में भौतिक शरीर की जड़ता को खत्म करके उसे मन से जोड़ने और उसके बाद मन को अपेक्षित दशा अर्थात अल्फा अवस्था में ले जाने के लिए योगासन और प्राणायाम का अभ्यास अनिवार्य है।

जब हम योग-साधना करते हैं तो कोई न कोई भाव तो हमारे मन में व्याप्त होता ही है। मन के कई स्तर हैं। चेतन या जाग्रत अवस्था में भी भाव तो होता है लेकिन वह वास्तविकता में नहीं बदलता, क्योंकि एकाग्रता और ध्यान के बिना यह असंभव है। एकाग्रता और ध्यान से हम अपेक्षित अल्फा लेवल में पहुंच जाते हैं या यूं कहें कि अल्फा लेवल में पहुंच कर ही हम एकाग्रता और ध्यान की अवस्था में पहुंच सकते है। अल्फा लेवल कहिए या ध्यान की अवस्था, इसी में मन हमारे भावों को वास्तविकता में बदलने में सक्षम होता है। अगर हमारा शरीर स्वस्थ है और मन अपेक्षाकृत कम चंचल है तो शरीर को सही आसन में रखकर दो-चार गहरी सांस लेने पर ही हम अल्फा अवस्था में पहुंच जाएंगे और फिर इस अवस्था में पहुंचकर हम जैसा भी विचार करेंगे, जो भी सोचना शुरू करेंगे, वही भौतिक जगत में वास्तविकता ग्रहण करने लगेगा।

लेकिन अगर हम यह सब ध्यानावस्था के बगैर दोहरा रहे हैं कि मैं स्वस्थ अथवा रोगमुक्त हूं तो उस अवस्था में हमारे विचार, संकल्प या फिर स्वीकारोक्ति के विरोधी विचार भी उठने लगते हैं। द्वंद्वातीत अवस्था ही उपचार की आदर्श अवस्था है और द्वंद्वातीत अवस्था के लिए मन की गहराई में उतरना अनिवार्य है। यही वह अवस्था है जहां हम रोग को निर्मूल कर सकते हैं या रोग की पीड़ा से मुक्त हो सकते हैं। सुख-दुख, लाभ-हानि, आय-व्यय, राग-द्वेष, मान-अपमान से ऊपर उठकर हमारा मन समता में स्थित हो, यह इसी अवस्था में संभव है। यहीं ध्यान से समाधि की ओर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त होता है। इसी में योग की पूर्णता है।

-सीताराम गुप्ता

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

सर्वधर्मान्परित्यज्य
मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वां सर्वपापेभ्यो
मोक्षयिष्यामि मा शुचः॥

भावार्थ

श्री कृष्ण कहते हैं- सभी धर्मों को छोड़कर केवल मेरी शरण में आओ। मैं तुम्हें समस्त पापों से मुक्त कर दूँगा, इसलिए शोक मत करो।

टर्निंग पाइंट पर ट्रांसफार्मर, सड़क पर बिजली के खंबे दे रहे हादसे को न्यौता

पहले के ट्रांसफार्मर हटे नहीं, लेफ्ट टर्न पर पैदा कर दी नई समस्या

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इसे ठेकेदार की लापरवाही कहा जाए या मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों की नासमझी, जहां कुछ साल पूर्व इलाहबाद बैंक रोड पर सड़क किनारे, जहां से आलीशान शापिंग पार्किंग कॉम्पलेक्स जाने का रास्ता है, वहां टर्निंग पाइंट पर ट्रांसफार्मर स्थापित कर दिया, जो लंबे समय से व्यापारियों एवं कॉम्पलेक्स में पार्क होने के लिए जाने वाली कारों एवं स्कूटर चालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है और उसकी आड़ में चाट पकोड़ी के ठेलों का अतिक्रमण है, जिसकी वजह से सड़क की चौड़ाई आधी रह गई है और यहां बार-बार जाम लग रहा है,

वहीं लगती 300 मीटर नगर निगम फायर स्टेशन के समीप एफ वार्ड की मुख्य सड़क जो भोपाल इंदौर राजमार्ग पर आकर मिलती है, जो हिस्सा लेफ्ट टर्न कहलाती है, जहां अक्सर स्कूटर सवार मुख्य मार्ग पर आकर मिलते हैं, वहां सड़क के बीचों बीच बिजली के खंबे गाड़ दिए गए हैं, जहां अब ट्रांसफार्मर स्थापित किया जाएगा। इस तरह इलाहबाद बैंक के समीप की गलती को पूर्व के अधिकारियों की तरह बिजली कंपनी के वर्तमान अधिकारी दोहरा रहे हैं, जो आने वाले दिनों में दुर्घटनाओं का कारण बन सकता है।

केंद्र सरकार की स्कीम

केंद्र सरकार की एक स्कीम के अंतर्गत पिछले एक साल से संत हिरदाराम नगर और आस पास के इलाकों में 1.50 करोड़ की लागत से ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली के लोड को बांटने का काम किया जा रहा है, एक तरफ तो अधिक लोड के कारण बिजली बंद न हो, इसके प्रयास हो रहे हैं, दूसरी तरफ बेतरतीब ढंग से जगह-जगह सड़कों के बीच खंबे लगाए जा रहे हैं। ऐसे में न केवल अधिकारियों की सूझ बूझ पर संदेह प्रकट होता है बल्कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी आम जनता में चर्चा का विषय बनी हुई है।

दुर्घटना की आशंका

इधर जहां बिजली के खंबे लगाए गए हैं, उसके समीप से ही प्रदेश की पहली सिक्स लेन एलीवेटेड फलाई ओवर का निर्माण हो रहा है, जिस कारण आधे से अधिक सड़क पर टीन की चदरें लगाकर मार्ग को बंद कर दिया गया है, जिसके बाद सड़क की चौड़ाई आधे से भी कम रह गई है, दूसरे जहां बिजली के खंबे लगाए हैं, वह इस मार्ग पर प्रमुख चौराहा है, जहां एक रास्ता बी ओल्ड वार्ड, सेवा सदन, पुलिस थाने, दूसरा एफ वार्ड प्रेम रामचंदानी मार्ग को जाता है, जबकि मुख्य मार्ग का यह प्रमुख चौराहा है, जहां आस पास बस स्टैंड, कपड़े का थोक बाजार स्थित है, समीप ही अस्थाई आटो रिक्शा स्टैंड भी है, जहां खंबे लगाए गए हैं, वहीं से दोपहिया वाहन चालक संत हिरदाराम कपड़ा मार्केट एवं बाजार को जाते हैं, ऐसे में खंबे न केवल यातायात में बहुत बड़ी बाधा उत्पन्न करेंगे, बल्कि भविष्य में जब ट्रैफिक बढ़ेगा, तब दुर्घटनाओं से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

"बिजली कंपनी जहां पूर्व में इलाहबाद बैंक के समीप लगे ट्रांसफार्मर को हटाने में नाकाम रही है, वहीं फायर स्टेशन के बार सड़क के बीचों बीच खंबे गाढ़ दिए हैं, ऐसे में दुर्घटनाओं की आशंका हमेशा बनी रहेगी। इन्हें तुरंत हटाया जाए।

\- **कन्हैयालाल इसरानी**, अध्यक्ष कपड़ा एसोसिएशन

"बिजली कंपनी के अधिकारियों को इतना तो सोचना चाहिए कि बिजली समस्या के निराकरण के लिए खंबे लगाए जा रहे हैं या लोगों को मौत के मुंह में धकेलने के लिए। खंबे बहुत ही गलत तरीके से लगाए गए हैं।

\- **नरेश चोटरानी**, उपाध्यक्ष, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत

बिगड़ते ट्रैफिक को सुधारने बड़े अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

एलीवेटेड फ्लाईओवर निर्माण कार्य से लग रहा जाम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत हिरदाराम नगर में भोपाल-इंदौर राजमार्ग पर जहां सिक्स लेन एलीवेटेड फ्लाईओवर का काम चल रहा है, टीन की चदरें लगाकर आधे से अधिक मार्ग को बंद कर दिया गया है, वहां का ट्रैफिक दिन प्रतिदिन पैचीदा होता जा रहा है, चूंकि इसी मार्ग से अनेक वीआईपी जिसमें कुछ मंत्रियों के अलावा विधायक एवं आईएएस व आइपीएस अधिकारी भी शामिल हैं, गुजरते समय जाम में फंस रहे हैं। चूंकि शादियों का सीजन प्रारंभ हो चुका है और 14 फरवरी के बाद तो इसकी धूम मचेगी, ऐसे में प्रदेश के अलावा राजधानी भोपाल के कोने-कोने से ग्राहक यहां आकर खरीदी करने लगे हैं, जिसके चलते जाम लग रहा है। वर्तमान पार्किंग कॉम्पलेक्स नाकाफी साबित हो रहा है, भले ही मुख्य मार्ग पर टीन की चदरें कुछ जगहों से हटाकर पार्किंग की जगह बनाई गई है, पर उससे समस्या हल नहीं हो रही है। यही कारण है कि मंगलवार को यहां ट्रैफिक के आला अधिकारी एसीपी देवेंद्र यादव, निरीक्षक आरती कटीजा ने मोर्चा संभाला। एसीपी देवेंद्र यादव ने इस प्रतिनिधि को बताया कि जहां-जहां सिक्स लेन ओवर ब्रिज के पिलर खड़े कर दिए गए हैं, वहां टीन की चादरों को भीतर खिसकाने पर विचार किया जा रहा है, शिव मंदिर चौराहे पर ऐसा किया भी गया है, जिसके बाद अधिक संख्या में वाहन पार्क हो सकेंगे। आने वाले दिनों में अन्य जगहों को भी चिन्हित कर वहां भी इसी तरह की व्यवस्था कायम की जाएगी, ताकि धीरे-धीरे ट्रैफिक व्यवस्था सामान्य हो सके।

संत हिरदाराम नगर में सीवेज सिस्टम के बुरे हाल, सड़कों पर फैल रहा पानी

आयुक्त से मिले पार्षद हिंगोरानी सौंपा ज्ञापन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत नगर के बाशिंदे लंबे समय से सीवेज सिस्टम के बिगड़ते हालत से त्रस्त हैं। जहां-जहां पूर्व की सीवेज लाइन बिछी है, बढ़ती आबादी का बोझ ढोने में असमर्थ है, इस कारण आए दिन जगह-जगह चैंबर चौक हो रहे हैं, और गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, इससे आम नागरिकों का बुरा हाल है। एमआईसी सदस्य एवं वार्ड-4 के भाजपा पार्षद राजेश हिंगोरानी ने नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा और संत हिरदाराम नगर जोन एक के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों में अमृत योजना के तहत सीवेज सिस्टम का जाल बिछाने का आग्रह किया।

कमिश्नर ने दिलाया भरोसा

मुलाकात के दौरान राजेश हिंगोरानी ने नगर निगम कमिश्नर को बताया कि संत हिरदाराम नगर जोन एक के अंतर्गत आने वाले वार्डों में सीवेज सिस्टम काफी पुराना हो चुका है, और आए दिन लोगों की शिकायत आती है कि चैंबर चौक हो रहे हैं, क्योंकि कई जगहों पर पाइप लाइन बढ़ती आबादी का बोझ ढोने में असमर्थ हो गई हैं, यही कारण है कि सीवेज के चैंबर ओवर फ्लो हो रहे हैं और सारी गंदगी सड़कों पर फेल रही है, इससे इतनी बदबू फैलती है कि रहवासियों के साथ ही राहगीरों का भी गुजरना मुश्किल को रहा है। राजेश हिंगोरानी ने कमिश्नर को बताया कि अमृत योजना के तहत जोन एक के अंतर्गत शामिल तीनों वार्डों के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी है और वर्क आर्डर भी जारी हो चुके हैं, बावजूद इसके काम प्रारंभ नहीं हो रहा है। उन्होंने अमृत योजना के तहत समूचे संत हिरदाराम नगर को नवीन सीवेज सिस्टम से जोड़ने और इस पर तत्काल अमल कराते हुए काम में तेजी लाने का भी आग्रह किया। कमिश्नर ने इसके लिए आवश्यक निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को देने का भरोसा दिलाया।

मंडीदीप से जैन तीर्थों व अयोध्या धाम की सामूहिक तीर्थ यात्रा 7 फरवरी से

जागरण, मंडीदीप। आध्यात्मिक शांति, धर्म लाभ और आत्मिक जागरण की भावना को लेकर मंडीदीप से पावन जैन तीर्थों एवं अयोध्या धाम की सामूहिक तीर्थ वंदना यात्रा शुरू की जा रहा है। यह यात्रा शनिवार 7 फरवरी से प्रारंभ होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार यह यात्रा केवल भ्रमण नहीं, बल्कि श्रद्धा, साधना और समर्पण के साथ आत्मा को शांति प्रदान करने का माध्यम है। यात्रा के दौरान श्रद्धालु थोबन, चंदेरी, गोलाकोट, सोनागिर, करगुवा सहित अनेक प्रमुख जैन तीर्थों के दर्शन करेंगे। इसके बाद लखनऊ, काकोरी होते हुए अयोध्या धाम पहुंचकर प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि के दर्शन करेंगे। आगे रतनगिरी, काकंदी, श्रावस्ती और बनारस जैसे स्थलों के दर्शन के बाद यात्रा कटनी, बिलहरी, गोसलपुर, पनागर और जबलपुर होते हुए पुनः मंडीदीप में संपन्न होगी। प्रत्येक प्रमुख पड़ाव पर रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। यात्रा पूरी तरह अनुशासित, सुरक्षित और धार्मिक वातावरण में संचालित की जाएगी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, मांगीलाल यादव S/O कुंवरजी यादव, निवासी- A-111, A-Block, वैधनाथ धाम, लांबाखेड़ा, भोपाल (462038), यह घोषित करता हूँ कि मेरे कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम मांगीलाल कुंवरजी लिखा हुआ है। मांगीलाल कुंवरजी और मांगीलाल यादव दोनों एक ही व्यक्ति (मैं स्वयं) हैं। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम **मांगीलाल यादव** से ही जाना जाए।

FOR CHANGE NAME OF CHILDREN OF VETERANS AND SERVING SODIERS

I,JC-533449L Rank Sub Name **Manmohan Singh** presently residing at Vill - Jakh, PO- Jakh, Teh- Karanprayag, Distt- Chamoli, State- UK, PIN- 246444 I declared that the name of my son (name of son) has erroneously been mentioned in my service documents as Saurav Singh (as per service docu) whereas, the correct name of my son **Saurav Dangwal** (as per proposed name /new name). That now I wants to endorse the correct name of my son in my service documents.

गौहरगंज पंचायत भवन में दोपहर में जड़ा ताला, हितग्राही परेशान

जागरण संवाददाता, औबेदुल्लागंज। सार्वजनिक सेवा के केंद्र गौहरगंज पंचायत भवन को समय से पहले बंद कर दिया। इसका सीधा असर उन ग्रामीणों पर पड़ा, जो अक्सर दूर-दराज के इलाकों से अपना काम छोड़कर आते हैं। गौहरगंज में दोपहर के समय ही ताला जड़ देने से हितग्राहियों को जो असुविधा हुई। यह प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर उदाहरण है। पंचायत भवन बंद होने के कारण अनेक हितग्राहियों को परेशान होते देखा गया। कई ग्रामीण मजदूरी छोड़कर आते हैं। काम न होने से उनका पूरा दिन बर्बाद हो जाता है। वहीं प्रमाण-पत्र, पेंशन या अन्य सरकारी योजनाओं के फॉर्म जमा करने वाले हितग्राही भी पंचायत भवन का चक्कर लगाते दिखे। लोगों का कहना है कि पंचायत भवन के सचिव-सरपंच के गैरजिम्मेदाराना रवैए से सरकारी तंत्र से भरोसा कम होता जा रहा है। कुछ ग्रामीणों ने गौहरगंज के जनपद पंचायत सीईओ को इसकी लिखित शिकायत करने की बात भी कही।

सुषमा स्वराज की जयंती पर निकुंज कामरा देंगी भजनों की प्रस्तुति

जागरण संवाददाता, औबेदुल्लागंज। आगामी 14 फरवरी स्व. सुषमा स्वराज की जयंती पर स्थानीय दशहरा मैदान में विशाल भजन संध्या आयोजित की जाएगी। इस मौके पर नई दिल्ली की मशहूर गायिका निकुंज कामरा अपनी सुमधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम आयोजक जयप्रकाश शर्मा व उनके मित्र मंडल के सहयोगी सदस्यों ने बताया कि उक्त आयोजन शाम 7 बजे से आयोजित किया जाएगा, जो देर रात तक चलेगा। आयोजन के दौरान रात आठ बजे से विशाल भंडारा भी आयोजित होगा। नगर के प्रतिष्ठित शर्मा परिवार हिरानिया ने धार्मिक आयोजन में शामिल होकर आयोजन में अपनी सहभागिता देने की अपील नगर के सभी जनमानस से की है।

आम सूचना

(मकान नंबर-08 एरिया 1600 वर्गफुट, स्थित-नियामपुरा शाहजहाँनाबाद वार्ड नंबर-8 भोपाल)

मैं अपने पक्षकारों के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती शहनाज हसन पत्नि श्री नजमुल हसन निवासी-मकान नंबर-8 ताहिरा मंजिल, नियामतपुरा शाहजहाँनाबाद भोपाल के स्वामित्व, आधिपत्य का मकान नंबर-08 सम्पूर्ण एरिया 1600 वर्गफुट, स्थित-नियामपुरा शाहजहाँनाबाद वार्ड नंबर-8 भोपाल विक्रय किया, भूमि स्थित-नियामपुरा शाहजहाँनाबाद वार्ड नंबर-8 भोपाल जिसकी चतुर्थ सीमाएं निम्नलिखित है:- दिशा पूरब में:-मकान बरकत अहमद का। दिशा पश्चिम में:-मकान मिस्बाह उल हसन साहब का। दिशा उत्तर में:-संपति नजमुल हसन के स्वामित्व की गली 10 फिट चौड़ी। दिशा दक्षिण में :-गली 10 फीट चौड़ी । उक्त मकान नंबर-08 सम्पूर्ण (भू-तल से लेकर आसमां तक) को मेरे पक्षकार को विक्रय कर बयाना राशि प्राप्त कर ली है, यदि उपरोक्त वर्णित मकान में किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय निकाय का अनुबंध, स्वत्व, अधिपत्य, हित, ऋण, बंधक (साम्यिक) भार अथवा किसी भी प्रकार का विवाद हो तो, वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेजों के साथ इस सूचना पत्र प्रकाशन के दस (10) दिवस के अवधि के अन्दर मुझे मेरे कार्यालय में कार्यालीन समय में प्रस्तुत करें। उपरोक्त समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बन्धनकारी नहीं होगी और मेरा पक्षकार उपरोक्त मकान के विक्रय पत्र का पंजीयन तत्पश्चात् नामांतरण अपने पक्ष में करवाने को स्वतंत्र होगा।

भवदीय **जलील खान** अधिवक्ता
फारुकी लॉ चेम्बर, परीबाजार, शाहजहांनाबाद भोपाल
मोबाईल:-9303135959, समय:-11 am to 5pm

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन-1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
प्रॉपर्टी आई डी. नं. 0100080108, आवेदन क्रमांक-10922, आवेदन दिनांक-27/01/2026

क्रमांक 1019/राजस्व/भोविप्रा/26 भोपाल दिनांक : 03/02/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की विद्या नगर योजना स्थित भूखण्ड क्रमांक-108 सेक्टर-सी, श्रीमती सिया रघुवंशी पत्नी श्री केवल सिंह रघुवंशी के नाम पर अंकित है। आवंटी श्रीमती सिया रघुवंशी का स्वर्गवास दिनांक 09/01/2026 को हो जाने के कारण स्व. श्रीमती सिया रघुवंशी द्वारा दिनांक 30/10/2015 को की गई पंजीकृत वसीयत मे उक्त भूखण्ड श्रीमती अनामिका रघुवंशी पत्नी श्री अभिषेक रघुवंशी एवं श्रीमती निशा रघुवंशी पत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी को दिये जाने एवं पति श्री केवल सिंह रघुवंशी को उक्त मकान में जीवनभर रहने का उल्लेख किया गया। प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्रीमती अनामिका रघुवंशी एवं श्रीमती निशा रघुवंशी द्वारा अपने नाम पर चाहा गया है। उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

उक्त नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अंदर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

जाहिर सूचना

खसरा क्रमांक– 152/1/ 5 (एस) रकबा 0.059 हेक्टेयर अर्थात् 6500 वर्गफिट भूमि ग्राम अरेडी पटवारी, विकास खण्ड फन्दा, तहसील हुजूर, जिला भोपाल म.प्र. के संबंध में

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि उन्होंने श्री मनोज टी.वी. आत्मज स्व. श्री भास्करण दास आयु वयस्क निवासी मकान नं.– 206, कर्मवीर नगर, जे. के. रोड, तहसील हुजूर, जिला भोपाल के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति का विवरण :– यह एक किता कृषि भूमि जिसका खसरा क्रमांक– 152/1/ 5 (एस) रकबा 0.059 हेक्टेयर अर्थात 6500 वर्गफिट भूमि को विक्रय किया जा रहा है, जो कि ग्राम अरेडी पटवारी हल्का नं.– 20/38, विकास खण्ड फन्दा, नगर निगम सीमाओं के बाहर तहसील हंजूर, जिला भोपाल म.प्र. में स्थित है, जिसको विक्रय किया जा रहा है। जिसका ऋण पुस्तिका क्रमांक 049229 है, जिसकी चतुर्थ सीमाऐं निम्नानुसार है:– दिशा पूरब में – अन्य की भूमि एवं फार्म नं.– 07, दिशा पश्चिम में – खसरा अन्य का, दिशा उत्तर में –सरकारी रास्ता, दिशा दक्षिण में – अन्य की भूमि , को क्रय करने का अनुबंध कर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है। यदि उक्त सम्पत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक निजी बैंक का कोई ऋण भार, दान, बंधक या अनुबंध हो अथवा उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दस्तावेज हो अथवा उक्त दस्तावेज से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में सूचना प्रस्तुत करने का कष्ट करें। अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरा पक्षकार उक्त वर्णित संपत्ति का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा।

हरीश बब्बर अधिवक्ता
9826291761
9826071197

सूचना पत्र
न्यायालय संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थाऐं भोपाल संभाग भोपाल

कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थायें
तृतीय तल विन्ध्याचल भवन भोपाल
समक्ष: - के. के. द्विवेदी, संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थायें भोपाल संभाग भोपाल

प्रकरण क्रमांक -JR/BPL / 58 (B)/2025-26/00002
क्रमांक / रीडर / 2026 / 19 भोपाल, दिनांक 27/1/2026

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. होशंगाबाद,
द्वारा महाप्रबंधक । ....आवेदक

विरूद्ध

1. जगदेव सिंह रघुवंशी,
2. गंगाचरण दुबे,
3. पियूष शर्मा,
4. लखन सिंह मोर्य,
5. श्रीमती माया कौल,
6. श्रीमती सावित्री बाई,
7. श्री रेवा राम / जय राम,
8. श्रीमती शिला यादव,
9. श्री पुष्पराज सिंह,
10. श्रीमती भगवती बाई,
11. नर्मदा प्रसाद पटेल,
12. श्री सतीशचंद्र मोदी,
13. श्री हेमरा सिंह, ...अनावेदकगण / आरोपी पक्षकार

विषय: - म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 58 (बी) के अंतर्गत सुनवाई हेतु सूचना पत्र।

--00--

उपरोक्त सूचना पत्र द्वारा सभी अनावेदकगण / आरोपी पक्षकारों को सूचित किया जाता हैं कि उक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु इस न्यायालय में **पेशी दिनांक 17.03.2026** नियत की गई हैं। अत: उक्त दिनांक को न्यायालय संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थायें भोपाल संभाग भोपाल **समक्ष: - के. के. द्विवेदी, संयुक्त पंजीयक सहकारी संस्थायें भोपाल संभाग भोपाल स्थान:- कार्यालय आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाऐं म.प्र. तृतीय तल विन्ध्याचल भवन भोपाल में समय दोपहर 3.00 बजे** उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। इस सूचना पत्र द्वारा यह भी सूचित किया जाता हैं कि यदि आप स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उक्त दिनांक को नियत स्थान एवं समय पर उपस्थित नहीं हुए तो प्रकरण में एक पक्षीय आधार पर कार्यवाही की जावेगी।

जी-25292/25

(के. के. द्विवेदी)
संयुक्त पंजीयक
सहकारी संस्थायें
भोपाल संभाग भोपाल

बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंजिल,
प्लाट P-6,7,8, से.-5, आई. एम. टी. मानेसर,
गुडगाँव, हरियाणा - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

{कम्पनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कम्पनी (कम्पनी रजिस्टर से कम्पनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में}

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/1855 दिनांक:-21/01/2026

संदर्भ :

1. कम्पनी अधीनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (6) कम्पनियों का नाम मध्य प्रदेश राज्य से हटाने के मामले में :

S No.	Work Item	CIN	Hindi Name
1	AC1290673	U62099MP2024PTC073093	ज़ीमेलॉन टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड
2	AC1067083	U52399MP2021PTC054731	थिंकली सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
3	AC0052411	U41001MP2025PTC075379	फाइन बिल्डर्स एंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड
4	AC1181524	U32204MP1995PTC010226	टेलीमैटिक इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड
5	AC1049247	U31005MP2023PTC069033	कियाना कम्फर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
6	AC1076849	U27201MP2023PTC066804	विंध्यांचल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कम्पनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कम्पनियों के नाम कम्पनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कम्पनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कम्पनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कम्पनी ने निष्क्रिय कम्पनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कम्पनी के रुप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अत: कम्पनी रजिस्ट्रार से अपना/अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कम्पनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कम्पनियों के नामों को कम्पनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार से कम्पनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकन तिर्की
उप-पंजीयक
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र

CBC 07123/11/0638/2526

SUDOKU 137

1		7			4			
5				7		1		
	4				8			2
3		2			6			
			5		2			
			8			9		3
8			6				9	
		9		2				8
			4			6		5

SOLUTIONS 136

2	4	3	5	8	6	1	9	7
6	7	5	4	9	1	8	2	3
8	1	9	3	7	2	6	5	4
1	5	8	7	2	4	3	6	9
4	9	7	1	6	3	5	8	2
3	6	2	8	5	9	4	7	1
5	3	6	9	1	7	2	4	8
9	2	1	6	4	8	7	3	5
7	8	4	2	3	5	9	1	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन सामान्य रहने वाला है। कामकाज में धीरे-धीरे बात बनेगी, बस जल्दबाजी से बचें। आज छोटे फैसले ज्यादा असर दिखा सकते हैं। पैसों को लेकर ज्यादा रिस्क न लें।

वृषभ : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काम में रफ्तार भले धीमी लगे, लेकिन मेहनत बेकार नहीं जाएगी। छोटी बचत आगे काम आ सकती है।

मिथुन : आज दिमाग में कई बातें चलेंगी। एक साथ बहुत कुछ करने के बजाय एक काम पर ध्यान दें। सेहत के लिहाज से दिन सामान्य है।

कर्क : आज आपका ध्यान परिवार और निजी जिंदगी पर रहेगा। घर से जुड़ी कोई बात मन को सुकून दे सकती है। काम में धैर्य रखना जरूरी है। सेहत ठीक रहेगी।

सिंह : आज आप पर जिम्मेदारियां थोड़ी ज्यादा रह सकती हैं। काम में आपकी बात सुनी जाएगी, लेकिन अहंकार से दूरी रखें। पैसों के मामले में स्थिति स्थिर रहेगी।

तुला : दिन व्यवस्थित रहने वाला है। कामकाज में आपकी मेहनत दिखेगी और तारीफ भी मिल सकती है। पैसों का हिसाब साफ रखें।

वृश्चिक : मन में नए आइडिया आ सकते हैं। काम में बदलाव का फायदा मिल सकता है। पैसों में सुधार के संकेत हैं, लेकिन खर्च संभालकर करें। रिश्तों में दोस्ताना माहौल रहेगा।

धनु : संतुलन बनाकर चलना होगा। काम और घर दोनों जगह तालमेल जरूरी रहेगा। पैसों को लेकर कोई भी फैसला सोच-समझकर लें। रिश्तों में सहयोग मिलेगा।

मकर : आज बड़े बदलाव का दिन हो सकता है। काम में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। पैसों की स्थिति सुधर सकती है।

कुंभ : आज आपको धैर्य से काम लेना होगा। काम में चीजें धीरे आगे बढ़ेंगी, लेकिन दिशा सही रहेगी। पैसों को लेकर प्लानिंग जरूरी है।

कन्या : आज आपके लिए मेहनत का दिन है। काम में आपकी लगन पहचान दिला सकती है। पैसों में स्थिरता बनी रहेगी।

मीन : आज का दिन थोड़ा शांत रहने वाला है। काम में धीरे-धीरे स्पष्टता आएगी। पैसों को लेकर संतुलन बनाए रखना जरूरी है। रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा।

आज का पंचांग: 04 फरवरी बुधवार 2026। **दिशाशूल :** उत्तर। शुक्र उदय पश्चिम में, मांगलिक कार्य प्रारंभ। **भद्रा :** दो 12.25 मिनट से रात्रि 12 बजकर 10 मिनट तक। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, शिशिर ऋतु, फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की तृतीया तत्पश्चात चतुर्थी, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र तत्पश्चात उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, अतिगंड योग 25 घंटे 05 मिनट तक तत्पश्चात सुकर्मा योग, सिंह में चंद्रमा 28 घंटे 20 मिनट तक तत्पश्चात कन्या में।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

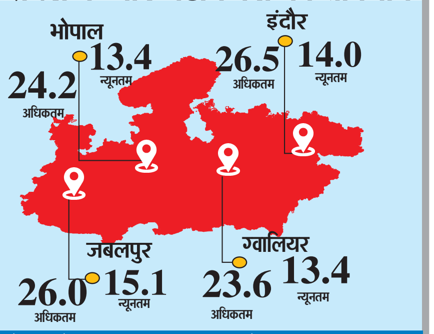

देश के चार महानगरों का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	22.5	9.4
मुंबई	32.7	20.0
चेन्नई	34.6	17.5
कोलकाता	27.4	15.3

सूर्यास्त 6:09 PM
सूर्योदय 7:00 AM
चन्द्रोदय 7:42 AM
चन्द्रास्त 7:56 PM

गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार के बीच समझौता, धार जिले के कुक्षी में जेटी टर्मिनल का काम शुरू

गुजरात-ओंकारेश्वर के बीच नर्मदा में चलेगा क्रूज

जागरण, खंडवा। बाम्बे-टू-गोवा की समुद्री यात्रा तो रूपहले पर्दे पर खूब प्रसिद्ध हुई। अब गुजरात के लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची स्टैचू से ओंकारेश्वर के आदी शंकराचार्य की प्रतिमा यानी 'अद्वैतधाम' तक नर्मदाजी में क्रूज चलने की तैयारी है। 130 किलोमीटर तक मीठे पानी वाली मां नर्मदा में यात्री हिलोरों पर यात्रा का आनंद ले सकेंगे। इसके लिए एमओयू (समझौता ज्ञापन) भी गुजरात और मध्यप्रदेश सरकार के बीच हो चुका है। समाजसेवी और भाजपा प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि खंडवा जिले के प्रभारी और प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने इसका खुलासा किया है। श्री लोधी ने कहा कि इस बीच आने वाले पर्यटन स्थलों की सैर भी क्रूज़ के यात्रियों को कराई जाएगी। ओंकारेश्वर से गुजरात के

केवड़िया यानी स्टैचू ऑफ यूनिटी तक क्रूज (पानी का जहाज) चलाया जाएगा।

पर्यटन स्थलों का आनंद मिलेगा

दोनों सरकार के समझौते के बीच वर्तमान में मेघनाद धार कुक्षी के पास फ्लोटिंग जेटी टर्मिनल का कार्य चल रहा है। मीडिया से चर्चा के दौरान प्रवक्ता सुनील जैन बताया कि मप्र और गुजरात सरकार ने मिलकर पर्यटन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण एमओयू साइन किया है, जो जल्द ही मूर्त रूप लेने वाला है। पर्यटन इतिहास का बड़ा कदम दोनों ही प्रदेश के वासियों को मां नर्मदा में चलाये जाने वाले क्रूज के जरिए स्टैचू ऑफ वन नेस से लेकर स्टैचू ऑफ यूनिटी तक के पर्यटन स्थलों का आनंद मिल सकेगा। स्टैयू ऑफ वननेस से लेकर स्टैचू ऑफ यूनिटी तक के लिए प्रदेश के पर्यटन विभाग ने एक बड़ी ही महत्वपूर्ण योजना बनाई है, जिसमें इस क्षेत्र में नर्मदा नदी में क्रूज चलाने की योजना है।

दो महापुरुषों की प्रतिमाओं की डोर बनेगा क्रूज

खंडवा जिले में ओंकारेश्वर स्टैचू ऑफ वननेस आदी शंकराचार्य की प्रतिमा के स्थान से नर्मदा जल मार्ग से पानी का जहाज क्रूज गुजरात की ओर कैवडीया स्टैचू ऑफ यूनिटी लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तक चलने वाला है। मध्य प्रदेश और गुजरात सरकार के बीच इस जल मार्ग का एमओयू हो चुका है।

मां की गोद में बैठकर कर सकेंगे यात्रा

खंडवा जिले के लिए मां नर्मदा सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी गई है, इसलिए इनके पूजक भी बढ़ते जा रहे हैं। मां नर्मदा के किनारे अभी तक परिक्रमा होती थी। अब 130 किलोमीटर मां नर्मदा के बीच मां की गोद में बैठकर लोग इन दो प्रतिमाओं के बीच परिक्रमा कर सकेंगे।

यहां की भी सैर हो सकेगी

दोनों प्रतिमाओं के अलावा ओंकारेश्वर, महेश्वर, मांडू, सरदार सरोवर और ऐसे कई पर्यटन स्थलों पर क्रूज़ रोककर यात्रियों को भ्रमण कराया जाएगा। श्री जैन ने बताया कि संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री लोधी की बड़ी योजना से मप्र को बड़ा फायदा होगा। इसके लिए मेघनाद धार जिले के कुक्षी के पास एक फ्लोटिंग क्रूज़ का अड्डा बनाया जा रहा है।

सिंहस्थ की तैयारी अब डिजिटल निगरानी में

जागरण उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की तैयारियां अब पूरी तरह हाईटेक होने जा रही हैं। उज्जैन में सिंहस्थ से जुड़े सभी विकास कार्य जीआईएस (जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम) एक्सपर्ट की निगरानी में किए जाएंगे। इसके लिए जिले में तीन जीआईएस एक्सपर्ट की नियुक्ति कर दी गई है, जिन्होंने कलेक्टर की सीधी निगरानी में काम भी शुरू कर दिया है। मध्यप्रदेश में सीमा से जुड़े विवादों को सुलझाने और विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से जमीन पर उतारने के लिए राज्य सरकार 27 जिलों में जीआईएस एक्सपर्ट तैनात कर रही है। अब इन्हीं विशेषज्ञों की मदद सिंहस्थ की तैयारियों में भी ली जा रही है।

जीआईएस एक्सपर्ट संभालेंगे जिम्मा

इस साल उज्जैन के हर क्षेत्र का बारीकी से डिजिटल नक्शा तैयार किया जाएगा। शहर की गलियां, सड़कें, खुले मैदान, नाले, बिजली-पानी की लाइनें और संभावित विकास क्षेत्र—सब कुछ एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज किया जाएगा। इसी नक्शे के आधार पर आगे विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार होगी। एमपी इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीईडीसी) के अधिकारियों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में जीआईएस तकनीक के जरिए सड़क, बिजली, पानी, गैस पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और औद्योगिक क्षेत्रों को एक ही मैप पर दिखाया जा रहा है।

खेल-खेल में बच्ची ने पानी में मिलाया कीटनाशक 10 परिजन अस्तपाल में

जागरण, मंडला। जिले में खेल-खेल में बड़ा कांड हो गया। घर पर खेलते समय चार साल की बच्ची ने पानी में कीटनाशक मिला दिया, जिससे परिवार के 10 सदस्य बीमार हो गए। आनन-फानन में सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। दरअसल, यह पूरा मामला बागली गांव का है। अचानक परिवार के सभी सदस्यों को चक्कर, उल्टियां और बेहोशी जैसी हालत होने पर अफरा-तफरी मच गई। परिवार के सदस्यों से बात हुई तो पता चला कि एक 4 वर्षीय बच्ची ने पानी मे कीटनाशक मिलाया है, जिसे परिवार के लोगों ने पी लिया। आनन फानन में परिवार के सदस्यों को जिला अस्पताल ले जाया गया है। बीमार होने वालों में 5 बच्चे, 3 महिला और 2 पुरुष शामिल है। स्थिति को भांपते हुए जिला हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने तत्काल इलाज शुरू किया। सभी लोगों की हालत स्थिर और सामान्य बताई जा रही है। समय रहते इलाज मिलने से बड़ी घटना होने से टल गई।

विदेशी बीमारी न्यूरो-बेहसेट का ग्वालियर में मिला पहला केस

जागरण, ग्वालियर। जयारोग्य अस्पताल समूह के न्यूरोलॉजी विभाग में विदेशों में पाई जाने वाली एक दुर्लभ और गंभीर बीमारी न्यूरो बेसहेट की पुष्टि हुई है। 26 साल का एक युवक इस बीमारी की चपेट में आया। इस केस को प्रदेश में पहला केस बताया जा रहा है। दरअसल बीते कुछ दिनों पहले भर्ती हुए मरीज को तेज सिरदर्द, चलने में लड़खड़ाहट, दाहिने शरीर में कमजोरी व मुंह-जननांगों में छाले जैसे लक्षण पाए गए थे।
न्यूरोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. दिनेश उदेनिया ने मरीज का एमआरआई, एचएलए-बी 51 और बी 5 जांच कराई, जिसमें बीमारी कन्फर्म हुई। लंबे इलाज और सतत मॉनिटरिंग के बाद मरीज को राहत मिली और उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। डॉक्टर्स की टीम ने मरीज को फॉलो अप के निर्देश दिए है। उल्लेखनीय है कि यह बीमारी विदेशों में युवाओं में ज्यादा देखी जाती है, खासकर जापान, चीन, कोरिया, तुर्की, ईरान और इराक जैसे देशों में इस बीमारी के केस सबसे ज्यादा मिलते हैं।

सतना में ट्रैक्टर से मिक्सर मशीन खींचने बांधे तार से दर्दनाक हादसा

तार में फंसकर कटी बाइक सवार की गर्दन, दो रिश्तेदार भी गंभीर

जागरण, सतना। प्रदेश के सतना में दर्दनाक हादसा में एक युवक की जान चली गई, जबकि उसके दो रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए। देर रात शहर के कोठी रोड पर कंचनपुर अमरपाटन का रहने वाला रामजस चौधरी अपने रिश्तेदार अरविंद और रामप्रसाद चौधरी के साथ बाइक से जा रहा था। इसी दौरान रामजस की गर्दन तार में फंसकर कट गई। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर बैठे दो अन्य रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए। ये दर्दनाक हादसा रात को गढिया टोला कब्रिस्तान के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक ठेकेदार का कर्मचारी ट्रैक्टर से एक भारी-भरकम मिक्सर मशीन को तार से बांधकर सड़क के दूसरी ओर ले जा रहा था। इसी दौरान सिविल लाइन की तरफ से आ रहे बाइक सवार तीन युवक तार में उलझ गए और सड़क पर गिर पड़े। हादसे में बाइक चला रहे रामजस की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल अरविंद और रामप्रसाद को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

बहन के यहां कार्यक्रम में जा रहे थे

पुलिस के मुताबिक, मृतक और दोनों घायल मौसेरे भाई हैं। वे अपनी एक मौसेरी बहन की ससुराल बगहा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। रामजस बाइक से सतना पहुंचा था। यहां से वो सिविल लाइन से अरविंद और रामप्रसाद के साथ बगहा के लिए निकला था। पुलिस ने ट्रैक्टर-मिक्सर मशीन को जब्त कर लिया है और ठेकेदार व संबंधित कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रेमिका को पाने उसके मासूम बेटे का गला घोंट नाले में फेंका, गिरफ्तार

जागरण, शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र से इंसानियत को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। प्रेमिका को पाने की सनक में युवक इस कदर अंधा हो गया कि उसने मासूमियत का गला घोंट दिया।

सात साल के बच्चे को अपने रास्ते का कांटा मानकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और शव बंद पड़ी कोयला खदान में फेंक दिया। दरअसल आरोपी मोइशीन का झिल्ली दफाई क्षेत्र में मजदूरी करने वाली नंदनी कोल से प्रेम प्रसंग था। आरोपी नंदनी के साथ रहना चाहता था, लेकिन उसके दो छोटे बच्चे इस रिश्ते में बाधा बन रहे थे, इसी सनक में मोइशीन ने बच्चों को खत्म करने की साजिश रची और पहले सात वर्षीय ऋतिक कोल को निशाना बनाया। आरोपी मासूम ऋतिक को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और बगैय्या नाला के पास स्थित बंद पड़ी कोयला खदान में उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद बच्चे के शव को पानी से भरी खदान में फेंक दिया। पांच दिनों से लापता बच्चे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

आंगनबाड़ी में मधुमक्खियों का हमला महिला ने जान देकर बच्चों का बचाया

नीमच में स्व सहायता समूह अध्यक्ष ने बच्चों को तिरपाल और दरी में लपेटा, खुद आईं चपेट में

जागरण, नीमच। प्रदेश के नीमच में एक आंगनबाड़ी केंद्र पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। अचानक हुए हमले के बाद केंद्र में खाना बनाने वाली स्वसहायता समूह की अध्यक्ष कंचन बाई मेघवाल अपनी जान की परवाह किये बिना बच्चों को मधुमक्खियों से बचाने उनके सामने खड़ी हो गईं। उन्होंने सभी बच्चों को तिरपाल और दरी में लपेटा। फिर अंदर के कमरे में भेजा। इस पूरी कवायद में कंचन बाई को कई मधुमक्खियों ने काट लिया। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला नीमच जिले के रानपुर गांव का है। पीएम के बाद कंचन बाई का शव परिजनों को सौंपा गया। जानकारी अनुसार दोपहर को मडावदा पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चे बाहर खेल रहे थे। अचानक कई मधुमक्खियां वहां आ गईं और बच्चों को घेर लिया। यह देखकर कंचन बाई ने तुरंत हिम्मत दिखाई। उन्होंने पास पड़ी तिरपाल और दरी से बच्चों को ढंकना शुरू कर दिया। कंचन बाई बच्चों को बचाने के लिए खुद मधुमक्खियों के सामने खड़ी हो गईं, जब तक ग्रामीण मदद के लिए दौड़ते, सैकड़ों मधुमक्खियां कंचन बाई को बुरी तरह डंक मार चुकी थीं।

रायसेन में बिजली बिल वसूली के लिए पहुंचे कर्मचारियों से मारपीट

जागरण, रायसेन। जिले के सिलवानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत साईंखेड़ा बरेली मार्ग पर उस समय तनाव की स्थिति बन गई, जब बकाया बिजली बिल वसूली के लिए पहुंचे बिजली कंपनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बिजली कंपनी के कर्मचारियों की टीम नियमित प्रक्रिया के तहत बकाया बिजली बिल की वसूली के लिए संबंधित उपभोक्ता के यहां पहुंची थी। इसी दौरान उपभोक्ता के बेटों सोनू और मोनू शेजवार द्वारा कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज की गई, जिसके बाद विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि कर्मचारियों पर ईंट से हमला किया गया और उनके साथ मारपीट भी की गई। घटना में शासकीय कार्य में लगे कर्मचारियों को चोटें आईं।

चंबल राजघाट पर माफिया की डेढ़ करोड़ की रेत नष्ट

मुरैना में 6 जेसबी से गड्ढे खोदकर ब्लॉक किए रास्ते

जागरण, मुरैना। जिले के चंबल राजघाट पर अवैध रेत खनन को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देश पर सुबह 6 बजे टास्क फोर्स ने राजघाट में ऑपरेशन शुरू किया। राजस्व, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से डंप की गई रेत को नष्ट किया। कार्रवाई के दौरान करीब 5,500 से अधिक ट्रॉलियों की रेत, जिसकी कीमत लगभग 1.65 करोड़ रुपए आंकी गई, दोपहर 12 बजे तक नष्ट कर दी गई।

कार्रवाई के दौरान किसी मौके पर 250 से अधिक पुलिस जवानों की तैनाती की गई। पूरा क्षेत्र को पुलिस छावनी बना दिया गया। यह पूरी कार्रवाई वन विभाग के डीएफओ हरिश्चंद्र बघेल और एडिशनल एसनी के नेतृत्व में की गई। टास्क फोर्स ने अवैध रूप से निकाली गई रेत को नष्ट करने के लिए 6 जेसीबी मशीनों का इस्तेमाल किया। रेत माफिया द्वारा चंबल नदी तक पहुंचने के लिए बनाए रास्तों को भी जेसीबी की मदद से पूरी तरह से ब्लॉक कर दिया। रेत माफिया के बनाए गए अस्थायी रास्तों को गहरे गड्ढे कर बंद कर दिया ताकि नदी तक ट्रैक्टर और गाड़ियों की आवाजाही न हो सके।

बैंक ने दूसरे ग्राहक का सोना युवक को लौटाया

जागरण, जबलपुर। एक सरकारी बैंक की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां बैंक मैनेजर ने गलती से किसी दूसरे ग्राहक का सोना एक युवक को दे दिया। मामले की जानकारी लगते ही मंगलवार को युवक सोना वापस करने बैंक पहुंचा। जानकारी के मुताबिक युवक ने कृषि उपज मंडी स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में अपना सोना गिरवी रखकर 5 लाख का लोन लिया था। बैंक प्रबंधन की ओर से यह चूक हुई और युवक को गलत सोना सौंप दिया। युवक को जब पता चला कि उसे जो सोना दिया गया है, वह किसी दूसरे ग्राहक का है, तो वह तुरंत बैंक पहुंचा और सोना वापस कर दिया।

बिजनेस प्लस

पतंजलि में हुआ 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम'

हरिद्वार। पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस, हरिद्वार में 'योगा ओलंपियाड ओरिएंटेशन एवं ट्रेनिंग प्रोग्राम' का नौ दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पतंजलि अनुसंधान संस्थान एवं वेलनेस में संपन्न हुआ। 22 से 30 जनवरी तक चला प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरी तरह से सफल रहा। यह कार्यक्रम योगदर्शन, मनोविज्ञान एवं आध्यात्मिकता पर आधारित था, जो आंतरिक शांति एवं आध्यात्मिक चिंतन की दिशा प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग सिक्किम सरकार के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास, समानता एवं योग के व्यापक प्रसार को बढ़ावा देना रहा। शुभारंभ मेडिटेशन, शंख वादन और हवन पूजन से हुआ। अध्यक्षता करते हुए आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि योग प्राचीन भारत की एक समग्र शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक साधना है। इस अवसर पर योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि नेचुरोपैथी अर्थात प्राकृतिक चिकित्सा एक औषधि-रहित उपचार पद्धति है, जो शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को सक्रिय करती है। इसमें संतुलित आहार, जड़ी-बूटियाँ, जल एवं मिट्टी चिकित्सा, योग, प्राणायाम, उपवास, सूर्य चिकित्सा एवं एक्यूपंक्चर के माध्यम से रोगों के मूल कारणों का उपचार किया जाता है। उन्होंने पतंजलि एवं सिक्किम सरकार के संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रमुख प्रतिनिधियों के रूप में श्री अधिकारी एवं जामयांग भूटिया उपस्थित रहे। समापन अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें प्रतीक-चिह्न एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

सीएम हिमंता के नेतृत्व में असम में एआई-संचालित अस्पतालों की दिशा में बड़ा कदम

गुवाहाटी। असम को भविष्य-तैयार हेल्थकेयर की ओर ले जाते हुए लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में दुनिया के पहले एआई-आधारित,

कॉन्टैक्टलेस रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम की सफल स्थापना की है। इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्घाटन मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने किया, जिससे असम एआई-सक्षम पब्लिक हेल्थकेयर मॉडल को अपनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। नए मेडिकल कॉलेज कॉम्प्लेक्स के स्टेप-डाउन आईसीयू में स्थापित यह सिस्टम बिना शारीरिक संपर्क के 24×7 मरीजों के महत्वपूर्ण पैरामीटर मॉनिटर करता है, जिससे संक्रमण नियंत्रण, मरीज सुरक्षा और क्लिनिकल दक्षता में सुधार होता है। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज के एमडी एवं सीईओ डॉ. सच्चिदानंद उपाध्याय ने कहा कि यह पहल रिएक्टिव केयर से प्रेडिक्टिव, एआई-आधारित हेल्थकेयर की ओर एक निर्णायक बदलाव है। यह मॉडल देशभर के लिए एक स्केलेबल और दोहराने योग्य बेंचमार्क प्रस्तुत करता है।

विशेषज्ञों ने कहा- जेरियाट्रिक केयर अब राष्ट्रीय जरूरत

नई दिल्ली। भारत तेजी से बढ़ती बुजुर्ग आबादी के दौर में प्रवेश कर रहा है, ऐसे में जेरियाट्रिक केयर अब वैकल्पिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है। इलनेस टु वेलनेस कांफ्रेंस में विशेषज्ञों ने जोर दिया कि बुजुर्गों की देखभाल कुछ बड़े अस्पतालों तक सीमित न रहकर घर और समुदाय से शुरू होने वाली,

जिला स्तर तक पहुंचने वाली एकीकृत व्यवस्था होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं तक असमान पहुंच, बढ़ती डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी बीमारियां, आर्थिक असुरक्षा और डिजिटल डिवाइड बुजुर्गों की प्रमुख चुनौतियां हैं। पूर्व स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि प्रशिक्षित केयरगिवर्स, होम केयर और कम्युनिटी सपोर्ट से कई मामलों को अस्पताल में भर्ती किए बिना संभाला जा सकता है। अनिल राजपूत और डॉ. एबी डे ने भी गरिमा, आजादी और स्वस्थ जीवन को जेरियाट्रिक केयर का केंद्र बताया। सम्मेलन में नीति, वर्कफोर्स और समाज की साझा भूमिका पर बल दिया।

युवा राइडर्स के लिए दैनिक राइड हुई आसान

नई दिल्ली। भारत में टू-व्हीलर परिवारों की रोज़मर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। देश में लगभग 260 मिलियन टू-व्हीलर चल रहे हैं, जिससे उनकी उपयोगिता और आवश्यकता स्पष्ट होती है। बढ़ते उपयोग के साथ राइडर और पिलियन, खासकर बच्चों की सुरक्षा बेहद ज़रूरी हो गई है। जागरुकता बढ़ने के बावजूद पीछे बैठने वाले बच्चों द्वारा हेलमेट पहनना अब भी नज़रअंदाज़ किया जाता है। सड़क परिवहन मंत्रालय की 2023 रिपोर्ट के अनुसार, हेलमेट न पहनने से सड़क दुर्घटनाओं में 31प्रतिशत मौतें हुईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हेलमेट पहनने से मौत का खतरा छह गुना तक कम हो सकता है। अब ब्रांड्स भी समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एथर जैसे ब्रांड बच्चों के लिए आईएसआई-सर्टिफाइड जूनियर हेलमेट और उन्नत सेफ्टी टेक्नोलॉजी वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर पेश कर रहे हैं। ऑटोमैटिक पावर कट, स्लिप कंट्रोल और राइड शेयरिंग जैसे फीचर्स राइड को सुरक्षित बनाते हैं। सही आदतें और आधुनिक तकनीक मिलकर हर राइड को सुरक्षित और आसान बना सकती हैं।

शिवपुरी में झोपड़ी पर गिरी बिजली, जिंदा जला किसान

पत्नी ने बच्चों को जलती झोपड़ी से निकाला, पति को नहीं बचा पाई

जागरण, शिवपुरी। जिले के सिलानगर गांव में मंगलवार अलसुबह झोपड़ी पर बिजली गिरने से एक किसान जिंदा जल गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के अनुसार, सिलानगर का रहने वाला किसान वीर सिंह आदिवासी अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ खेत पर बनी झोपड़ी में रहता था। हादसे से पहले रात को परिवार ने एक साथ खाना खाया और और झोपड़ी में सो गया। रात में अचानक मौसम बदला और रुक-रुक कर बारिश होने लगी। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे एक तेज आकाशीय बिजली सीधे झोपड़ी पर गिरी। बिजली गिरने की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। झोपड़ी में आग लग गई। वीर सिंह सीधे इसकी चपेट में आ गए, उनकी पत्नी ने दोनों बच्चों को जलती हुई झोपड़ी से सुरक्षित बाहर निकाला लेकिन अपने पति को नहीं बचा पाईं। आग की चपेट में आने से वीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई।

बड़ामलहरा में बिजली गिरने से युवक की मौत : भगवां थाना क्षेत्र के ग्राम पठिया में मंगलवार की सुबह बिजली गिरने से काठन गांव के रहने वाले 25 साल के लखन राजपूत की मौत हो गई। लखन सुिबह 8 बजे काठन नदी के पास गया था, इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ बिजली उसके ऊपर गिर गई। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही भगवां पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

रीवा मेडिकल कॉलेज के छात्रों में मारपीट, 28 पर एफआईआर

जागरण, रीवा। प्रदेश के रीवा में श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में छात्र गुटों के बीच शुरू हुआ टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा है। हॉस्टल से शुरू हुई मारपीट की आग पहले संजय गांधी अस्पताल पहुंची और फिर देर रात द्वारिका नगर तक फैल गई। हॉस्टलर और डे स्कॉलर छात्रों के बीच हुई इस झड़प में कई छात्र घायल हुए हैं। घायल छात्रों की शिकायत पर अमहिया थाना पुलिस ने 28 मेडिकल छात्रों को नामजद आरोपी बनाते हुए मारपीट, उत्पात और शांति भंग करने की धाराओं में अपराध दर्ज किया है। दरअसल सोमवार दोपहर श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के दो छात्र गुटों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। विवाद के बाद घायल छात्रों को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां फिर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हालात बिगड़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इसी बीच हॉस्टल में रहने वाले छात्र वहां से भाग निकले। मामला यहीं नहीं रुका। देर रात हॉस्टलर छात्रों का एक समूह द्वारिका नगर स्थित डे स्कॉलर छात्र के घर जा पहुंचा। यहां जमकर उत्पात मचाया गया और डे स्कॉलर छात्र के साथ मारपीट की गई।

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

2073

83,739

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Adani Enterpris	2,233.40	10.38%
Adani Ports	1,537.00	9.10%
Jio Financial	267.00	8.11%
Bajaj finance	972.80	6.72%
Interglobe Avi	5,007.80	5.53%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Tech Mahindra	1854.00	-0.44%
Bharat Elec	460.00	-0.03%
Nestle	1,340.40	-0.02%
Infosys	1,662.00	-1.52%
Cipla	1,333.00	-1.30%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	90.260
यूरो	106.44
येन	0.5792
पौंड	123.36

अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा 97% बढ़ा, 5,627 करोड़ पहुंचा

फॉर्च्यून तेल कंपनी को बेचने से मिले 5,632 करोड़; शेयर 10% चढ़ा

मुंबई, जेएनएन। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में 5,627 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। सालाना आधार पर यह 97 गुना यानी 9601 फीसदी बढ़ा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 58 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। रिजल्ट के बाद कंपनी का शेयर 10 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 2207 रुपए पर पहुंच गया है। तीसरी तिमाही में कंपनी को हुए मुनाफे की मुख्य वजह अडाणी विल्मर को बेचने से मिला पैसा है। इसे तीन चरण में बेचा गया था। दिसंबर तिमाही में तीसरा चरण के दौरान कंपनी को अपनी 20 फीसदी हिस्सेदारी बेचने से 5,632.09 करोड़ का मुनाफा हुआ।

फॉर्च्यून तेल वाली कंपनी है अडाणी विल्मर

पहला चरण: ऑफर फॉर सेल के जरिए 13.51 फीसदी शेयर बेचे। इससे ग्रुप को 3,945.73 करोड़ का एक्स्ट्रा मुनाफा हुआ।

दूसरा चरण: कंपनी ने फिर से 10.42 फीसदी शेयर बेचे। इससे 2,968.72 करोड़ का मुनाफा हुआ। अब ग्रुप की हिस्सेदारी घटकर सिर्फ 20 फीसदी रह गई।

तीसरा चरण: कंपनी ने 13 फीसदी हिस्सेदारी लेनी पीटीई लिमिटेड को बेची और बाकी बची 7 फीसदी हिस्सेदारी खुले बाजार में बेच दी। इससे 5,632.09 करोड़ का मुनाफा हुआ।

नतीजा: अब अडाणी ग्रुप का एडब्ल्यूएल में कोई मालिकाना हक या हिस्सेदारी नहीं बची है।

कम्पनी का मार्केट कैप 2.75 लाख करोड़ रुपए

तिमाही नतीजों के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर आज 10 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 2,207 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक महीने में 3 फीसदी और छह महीने में 4 फीसदी गिरा है। वहीं बीते एक साल में इसके शेयर में बदलाव नहीं हुआ है। इसका मार्केट कैप 2.75 लाख करोड़ रुपए है। कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

स्पेसएक्स बनी दुनिया की 11वीं सबसे वैल्यूएबल कंपनी

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क ने एक बड़ा दांव खेला है। उन्होंने अपनी रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स और एआई स्टार्टअप कंपनी एक्सएआई का मर्जर कर दिया है। इस कंबाइंड कंपनी की वैल्यू 1.25 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। इस वैल्यूएशन पर यह दुनिया का 11वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी होगी। स्पेसएक्स अगले कुछ महीनों में आईपीओ लाने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि यह 1.75 ट्रिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर हो सकता है। यह आईपीओ दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ सऊदी अरामको का था जिसने 2019 में 29 अरब डॉलर जुटाए थे। लिस्टेड कंपनियों की बात करें तो अभी एनवीडिया 4.519 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। इसके बाद गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट, ऐपल, माइक्रोसॉफ्ट, ऐमजॉन, मेटा प्लेटफॉर्म्स, टीएसएमसी, सऊदी अरामको, टेस्ला और ब्रॉडकॉम शामिल हैं।

कब तक आएगा आईपीओ : स्पेसएक्स के सीएफओ ब्रेट जॉनसन पिछले साल दिसंबर से ही आईपीओ को लेकर पुराने निवेशकों से बात कर रहे हैं। वह जून तक कंपनी का आईपीओ लाने की संभावना तलाश रहे हैं। बैंक ऑफ अमेरिका, गोल्डमैन सैश, जेपी मॉर्गन चेज और मॉर्गन स्टेनली इस बड़े आईपीओ को लीड कर सकते हैं। स्पेसएक्स रॉकेट और सैटेलाइट बनाती है।

फ्लिपकार्ट के खिलाफ जांच की जरूरत है या नहीं...

एससी ने एनसीएलएटी का आदेश किया रद्द

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंपनी अपीलेट ट्रिब्यूनल के 2020 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें डायरेक्टर जनरल को यह जांच करने का निर्देश दिया गया था कि फ्लिपकार्ट ने कॉम्पिटिशन एक्ट 2000 का कोई उल्लंघन किया है या नहीं। कोर्ट ने फ्लिपकार्ट की इस दलील पर विचार करने के बाद कि एनसीएलएटी ने इनकम टैक्स की कार्रवाई में एक असेसमेंट ऑफिसर की टिप्पणियों के आधार पर आदेश दिया था, जिसे इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने रद्द कर दिया था, मामले को नए सिरे से विचार के लिए एनसीएलएटी को वापस भेज दिया। कोर्ट ने साफ किया कि उसने एनसीएलएटी द्वारा नए सिरे से विचार के लिए सभी मुद्दों को खुला छोड़ दिया है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा, हम एनसीएलएटी से रिक्वेस्ट करते हैं कि वह इस कोर्ट के कई फैसलों, जिसमें कोल इंडिया लिमिटेड भी शामिल है, में बताए गए प्रिंसिपल्स को ध्यान में रखते हुए अपील पर नए सिरे से फैसला करे। पार्टियों को यह तय करने के लिए अपनी-अपनी बातें रखने की आजादी होगी कि क्या पहली नजर में कोई केस बनता है, और अगर ऐसा है, तो क्या केस को सीसीआई को आगे भेजने की जरूरत है। फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ऐसा कोई नतीजा नहीं निकला है कि यह संबंधित मार्केट में डोमिनेंट प्लेयर था और इसने डोमिनेंस का कोई गलत इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि एनसीएलएटी का ऑर्डर इनकम टैक्स प्रोसीडिंग्स में एक असेसिंग ऑफिसर द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों पर आधारित था। सिंघवी ने तर्क दिया कि असेसिंग ऑफिसर के ऑर्डर को इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने रद्द कर दिया था।

एशियाई शेयर बाजार में जोरदार उछाल

नई दिल्ली, जेएनएन। एशियाई शेयर बाजारों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। दक्षिण कोरिया के बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 5 फीसदी की छलांग लगी, जबकि टोक्यो का निक्केई 225 करीब 3 फीसदी चढ़ गया। निवेशकों ने टेक से जुड़े शेयरों में जोरदार खरीदारी की। बाजार अब प्रमुख कंपनियों के आय नतीजों का इंतजार कर रहे हैं, ताकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और चीन द्वारा रेयर अर्थ निर्यात पर संभावित पाबंदियों जैसे रुझानों के असर को समझा जा सके। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 3.2 फीसदी चढ़कर 54,346.33 पर पहुंचा।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक का शानदार प्रदर्शन, तीसरी तिमाही में 663.60 करोड़ का राजस्व

हैदराबाद, जेएनएन। देश की अग्रणी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी ने 663.60 करोड़ का राजस्व हासिल किया, जो पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 29 फीसदी अधिक है। इस दौरान कंपनी ने रिकॉर्ड 385 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी की, जो सालाना आधार पर 37 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए बढ़कर 97.10 करोड़ पहुंच गया।

M.P. STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

State IT Centre, 47-A, Arera Hills, Bhopal – 462011 (M.P.)
www.mpsedc.mp.gov.in, 0755-2518300, marketing@mpsedc.com

NOTICE INVITING TENDERS (NIT)

MPSEDC invites online proposals for following bids on MP Tender:

S.No.	Tender No.	NIT
1	MPSEDC/SDC/GPU/2026/670	RFP for Supply, Installation, Commissioning, Integration, and Setup of GPU, servers and solution for MP State Data Centre.

For detailed scope of work, terms and conditions please refer to the respective bid document available on MP Tender Portal (www.mptenders.gov.in).

M.P. Madhyam/124272/2026 **CHIEF GENERAL MANAGER**

निजी पीएफ ट्रस्ट की आयकर प्रणाली युक्ति संगत बनाएगा बजट: ईपीएफओ

नई दिल्ली, जेएनएन। सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ ने भविष्य निधि ट्रस्ट के लिए आयकर प्रणाली को युक्तिसंगत बनाने के लिए केंद्रीय बजट 2026-27 में रखे गए प्रस्ताव का मंगलवार को स्वागत करते हुए कहा कि विभिन्न नियमों को एक-दूसरे के अनुरूप बनाने और तालमेल बिठाने से हितधारकों के हितों को मजबूती मिलेगी। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि बजट में मान्यता-प्राप्त भविष्य निधि से जुड़े आयकर ढांचे को कर्मचारी भविष्य निधि एवं विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 और कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के वैधानिक और प्रशासनिक प्रावधानों के अनुरूप कर दिया गया है। बयान के मुताबिक, फिलहाल निजी पीएफ ट्रस्ट को आयकर अधिनियम और ईपीएफ अधिनियम की धारा 17 के तहत छूट की पात्रता में अंतर है। इसके अलावा, आयकर प्रावधानों और ईपीएफओ के तहत अधिसूचित निवेश के तरीके भी अलग हैं, जबकि नियोक्ता के अंशदान की सीमा दोनों कानूनों में समान नहीं है। इन भिन्नताओं से भ्रम की स्थिति पैदा होती है और अनावश्यक मुकदमेबाजी बढ़ती है। मान्यता-प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट का नियमन आयकर अधिनियम, 2025 की अनुसूची-11 के तहत होता है। नए प्रावधानों के तहत आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत पीएफ की मान्यता केवल उन्हीं ट्रस्ट को मिलेगी जिन्हें ईपीएफ अधिनियम, 1952 की धारा 17 के तहत छूट मिली हुई है। धारा 17 के तहत नियोक्ता अपने कर्मचारियों के पीएफ खातों के प्रबंधन और मासिक ईपीएफ रिटर्न दाखिल करने से छूट के लिए आवेदन कर सकते हैं। ईपीएफओ ने निवेश के मोर्चे पर कहा कि निवेश मानदंड अभी मौजूदा ईपीएफ ढांचे और अधीनस्थ विधानों के तहत ही नियंत्रित रहेंगे। साथ ही, सरकारी प्रतिभूतियों में 50 प्रतिशत निवेश की अनिवार्य सीमा को हटा दिया गया है। नियोक्ता के अंशदान के संबंध में कहा गया कि अब यह 7.5 लाख रुपये प्रति वर्ष की मौद्रिक सीमा के अधीन होगा। इस सीमा से अधिक अंशदान पर परिलाभ के रूप में कर लगाया जाएगा। ईपीएफओ ने कहा कि केंद्रीय बजट में आयकर प्रणाली को युक्तिसंगत बनाना हितधारकों के हितों को साधने में भूमिका निभाएगा।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मण्डल रेल प्रबन्धक / कार्य / झाँसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इन्जी0-ई-2026-15

कार्य का नाम: ललितपुर- खजुराहो सेक्शन :- प्रोवीजन ऑफ़ रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) एट किमी. 1175/4-5 नियर ब्रिज नंबर 1175/1 इन बिटवीन छतरपुर - बसारी स्टेशन ऑफ़ झाँसी डिवीजन।

अनुमानित लागत रू.: 47936742.07 | **अमानत राशि:** 389700.00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 09 माह

निविदा बन्द होने की तिथि : 23.02.2026 at 15:00 hrs. ● निविदा दिनांक 23.02.2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। 224/26(D)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये **मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/झाँसी** निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई-निविदा सूचना संख्या: झाँसी-इजी.-ई-2026-16

कार्य का नाम: एफबी वेल्डिंग फॉर सीटीआर वर्क इन दी जूरिडिक्शन ऑफ़ सीनियर डीईएन/ईस्ट/झाँसी।

अनुमानित लागत: ₹ 18075722.55 | **अमानत राशि:** ₹ 240400.00

निविदा बन्द होने की तिथि: 27.02.2026 at 15.00 hrs., स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह।

• निविदा दिनांक **27.02.2026** को **15.00** बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे।
• पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **225/26 FA**

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

सं.: एस.जी-664-25-संकेत-2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम :** धनबाद मंडल के अंतर्गत भुरकुंडा (BHKD) यार्ड में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (MSDAC) की व्यवस्था हेतु हेतु। **कार्य का आकलित मूल्य :** ₹3,85,25,115.61 (लगभग), **कार्य का अग्रधन राशि :** ₹3,42,600/-, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 15.01.2026 (12:30 बजे)। ऐसी ई निविदाओं के तहत डाक/कुरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रुप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट:**http//www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध होंगे। **द्रष्टव्य :**प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुधिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम दस दिन पहले वेबसाइट: **http//www.ireps.gov.in** का अवलोकन करे।

वरीय मंण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/पूमरे/धनबाद

पीआर/1515/डीएचएन/एस एण्ड टी/टी/25-26/40

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक(इंजी.)/पूर्व मध्य रेल/ समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे गये कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस. वेव पोर्टल पर खुली ई-निविदा के रूप में आमंत्रित करती है: निविदा सूचना सं: टी.सी.-220-2025-एस.पी.जे.।

कार्य का नाम : SSE/Br/ समस्तीपुर के तहत MNE-SHC सेक्शन के बड़े/महत्वपूर्ण पुलों के ब्र. नंबर 44, 45, 47, 52 और 53 के खराब/घिसे हुए/गड्ढे वाले/छेद वाले/कमजोर हिस्सों को बदलना, क्षतिग्रस्त ट्रॉली/मैन रिफ्यूज का पुनर्वास और ब्र. नंबर 47 और 53 के साइड पाथवे उपलब्ध कराना, बचे हुए हिस्से का मेटलाइजिंग और ब्र. नंबर 44, 45, 47, 52 और 53 के पुलों की क्रॉस-गर्डर प्रोटेक्शन स्क्रीन उपलब्ध कराना और ब्र. नंबर 44, 45, 47, 48, 52 और 53 के बेयरिंग इंस्पेक्शन प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना। निविदा लागत (रुपये में) : ₹8,76,02,055.74, बयाने की राशि (रुपये में) : ₹5,88,000/-, कार्य की समाप्ति अवधि : 12 माह।

(1) आई.आर.ई.पी.एस. वेव पोर्टल पर ई-निविदा के रूप में निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय : 16.01.2026 को 12.00 बजे तक। (2) ई-निविदा खुलने की तिथि एवं समय :- 16.01.2026 को 12.00 बजे के बाद। (3) वेबसाईट का विवरण जहाँ से निविदा एवं निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है:- वेबसाईट: www.ireps.gov.in उपरोक्त निविदा से समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाएगा बल्कि संबंधित यदि कोई भी संशोधन/परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

मंडल इंजीनियर/पुल पूमरे/समस्तीपुर

पीआर/1517/एसपीजे/अभि./टी/25-26/48

नेटफ्लिक्स ने कंटेंट लाइन-अप के साथ भारत पर फोकस किया दोगुना

मुंबई, जेएनएन। नेटफ्लिक्स ने भारत के लिए 2026 की अपनी कंटेंट स्लेट का अनावरण किया है। यह घोषणा ऐसे समय आई है जब स्ट्रीमिंग दिग्गज भारत में अपने 10 साल पूरे कर रहा है और जॉनर, भाषाओं व फॉर्मेट्स में बड़े स्तर पर विस्तार का संकेत दे रहा है। नेटफ्लिक्स इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट मोनिका शेरगिल ने एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, भारत में नेटफ्लिक्स के दस साल ऐसा पड़ाव नहीं हैं जिसे हम अकेले मनाएं। भारतीय कहानियां कहने का कोई एक तरीका नहीं है और न ही कोई एक दर्शक वर्ग। भारत एक देश है, जो कई 'भारतों' से मिलकर बना है। स्लेट में स्थापित फिल्ममेकर्स और बड़े सितारों के साथ-साथ उभरते क्रिएटर्स को भी जगह दी गई है। इसमें वॉर ड्रामा, क्राइम थ्रिलर, रोमांस, कॉमेडी, फैमिली नैरेटिव्स और अनस्क्रिप्टेड फॉर्मेट्स शामिल हैं। शेरगिल ने कहा, हमारी महत्वाकांक्षा है। एक-एक कहानी के जरिए भारत का उत्सव मनाना, उसका मनोरंजन करना और उसे सलाम करना। प्रमुख हिंदी टाइटल्स में ऑपरेशन सफेद सागर शामिल है, जो कारगिल युद्ध में भारतीय वायुसेना की भूमिका को दर्शाता है। अन्य हाइलाइट्स में नीना गुप्ता अभिनीत स्लाइस-ऑफ-लाइफ सीरीज चुंबक, निलांजना पुरकायस्थ की रोमांटिक थ्रिलर ये दिल सुन रहा है, नीरज पांडे की घूसखोर पंडित, जिसमें मनोज बाजपेयी हैं।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील से हीरा उद्योग में लौटी चमक

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते से रत्न एवं आभूषण उद्योग में खुशी की लहर दौड़ गई है। रत्न एवं आभूषण कारोबारियों को उम्मीद है कि इस समझौते से व्यापार बढ़ेगा, विश्वास फिर से बनेगा और पूरे क्षेत्र को एक मजबूत बढ़ावा मिलेगा। भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है जिसके तहत अमेरिका भारतीय सामान पर जवाबी शुल्क को घटाकर 18 फीसदी कर देगा। व्यापार समझौते की सबसे ज्यादा खुशी मुंबई के बीकेसी में स्थिति एशिया के सबसे बड़े डायमंड मार्केट भारत डायमंड ब्रुश में देखने को मिल रही है। अमेरिकी टैरिफ की चलते पिछले करीब पांच महीनों से भारतीय हीरा उद्योग में ग्रहण लग गया था। हीरा कारोबारियों की कहना है कि ब्रुश के अंदर काम बुरी तरह प्रभावित हुआ था, सबसे बड़े बाजार अमेरिका से व्यापार प्रभावित होने के कारण हीरे के कई कारखाने बंद करने पड़े थे, कारोबारियों को मजबूरी में कम कीमत पर माल बेचना पड़ रहा था, लेकिन इस समझौते से अमेरिकी बाजार खुल जाएंगे जिससे एक बार फिर से भारतीय हीरे की चमक वैश्विक बाजार को गुलजार करेगी। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष किरिट भंसाली ने कहा कि शुल्क को घटाकर 18 फीसदी करने से अमेरिकी आयातकों के लिए लागत कम होगी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)

लोक निर्माण विभाग, कोठी रोड, सिविल लाईंस, सतना (म.प्र.)

PHONE No. 07676-299470 E-mail:-dpepiusatna2@gmail.com

एन.आई.टी. नं. - 03/2026 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सीई/पी.डब्ल्यू.डी./ भवन / 228 — रीवा, दिनांक:- 27.01.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स. क्र.	पोर्टल टेण्डर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पी.ए.सी.) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ई.एम.डी.) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWPIU_478429_1	शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ़ जिला अनूपपुर, शासकीय महाविद्यालय नादन जिला मैहर, शासकीय महाविद्यालय ताला जिला मैहर, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना जिला सतना, शासकीय महाविद्यालय सिहावल जिला सीधी, शासकीय महाविद्यालय राजमिलन जिला सिंगरौली एवं शासकीय महाविद्यालय बरगवां जिला सिंगरौली में फर्नीचर प्रदाय एवं स्थापित करने हेतु निविदा (प्रथम आमंत्रण)	सतना	200.19	200190.00	15000	02 माह	आवश्यक नहीं

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 30-01-2026 समय 10:00 से दिनांक 13-02-2026 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

(इंजी. रोहित मरावी)
कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, सतना

जी-25282/25 — पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला आगर मालवा (म.प्र.)

E-mail-Modgmaga@mp.gov.in

क्रमांक/ खनिज/2026 — आगर मालवा, दिनांक / /2026

-:: सूचना ::-

(म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री अंश दांगी पिता श्री रतन दांगी निवासी ग्राम कंठालिया खेड़ा तहसील सोयतकलाँ जिला आगर मालवा द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क के तहत् उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 23/01/2026 को प्रस्तुत किया गया है । प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार :-

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
आगर मालवा	सोयतकलाँ	सोयतकलाँ	1376/3/1	3.000	शासकीय भूमि	पत्थर, गिट्टी मुरम एवं एम.सेन्ड	नवीन आवेदन

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारिख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर खनिज शाखा, जिला आगर मालवा में आपत्ति का लेख / कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करे ।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति / दावे पर विचार नहीं किया जाएगा ।

खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला आगर मालवा (म.प्र.)

जी-25265/25 — स्वच्छता ही सेवा है

कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम, म.प्र.

Phone No. 07574-254394 (O) Fax, 07574-252133 — E-mail: fdsatnp.hbd@mp.gov.in

सामग्री क्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

411 — 28/1/26

ई - निविदा विज्ञप्ति

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में विस्थापित ग्रामों में जे.सी.बी./पोकलेन द्वारा ठूंठ खुदाई एवं ठूंठ एकत्रीकरण कार्य करने के लिए प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्यप्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 12.02.2026 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।

क्र.		विवरण
1	निविदा प्रपत्र की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र वेबसाइड www.mptenders.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
2	निविदा प्रपत्र का मूल्य	500 /- रुपये (पांच सौ रुपये मात्र)
3	धरोहर राशि	1,50,000/-रुपये (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र)
4	निविदा प्रपत्र की ऑनलाईन उपलब्धता	www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से
5	ऑनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	दिनॉक 12.02.2026 को सायं 05:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तिथी व समय	दिनांक 16.02.2026 को प्रात: 11:00 बजे

(ऋषिभा सिंह नेताम)
भा.व.से.
उपसंचालक
सतपुड़ा टाइगर रिजर्व
नर्मदापुरम

जी-25263/25

पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार

भारतीय राजमार्ग प्रबंधन कंपनी लिमिटेड
(भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की एक पहल)

भर्ती सूचना

IHMCL दिल्ली में कार्य करने हेतु अनुभवी, प्रशिक्षित एवं योग्य व्यक्तियों को आमंत्रित करता है, जो उन्नत तकनीकों को लागू कर राष्ट्रीय राजमार्गों के भविष्य को आकार देने में योगदान देना चाहते हैं।

पद	पदों की संख्या	भर्ती का तरीका	वेतन श्रेणी (IDA पैटर्न के अनुसार)
प्रोडक्ट मैनेजर – राजमार्गयात्रा ऐप	01	सर्च-कम-सेलेक्शन प्रक्रिया	अनुभव एवं बाजार दर के अनुसार (₹ 2,00,000 – ₹ 3,00,000 /–)*
प्रोडक्ट मैनेजर – 1033 हेल्पलाइन	01	सर्च-कम-सेलेक्शन प्रक्रिया	अनुभव एवं बाजार दर के अनुसार (₹ 2,00,000 – ₹ 3,00,000 /–)*

*विशिष्ट मामलों में उच्च योग्यता, अनुभव एवं बाजार मानकों के आधार पर अधिक वेतन पर विचार किया जा सकता है।
2. पात्रता मानदंड एवं अन्य शर्तें IHMCL की वेबसाइट **www.ihmcl.co.in** पर उपलब्ध हैं।
3. **ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 03.03.2026 (शाम 6:00 बजे) तक।**
4. कोई भी संशोधन, परिशिष्ट या निरस्तीकरण केवल IHMCL की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल

यांत्रिक विभाग जोन क्र. 17

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्र. 261/यां.वि/जोन 17/2026 — भोपाल, दिनांक 30/01/2026

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	धरोहर राशि	प्रपत्र राशि	कार्य हेतु निर्धारित एस.ओ.आर.	कार्य की अवधि
01	2026_UAD_479317_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT SHIV NAGAR , JANTA NAGAR, HOUSING BOARD COLONY, AT WARD 78 AND 79 ZONE 17	4229475/-	31721/-	5000/-	MPUADD Raods WORK, ISSR 2025	4 Month
02	2026_UAD_479329_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AND RCC DRAIN AT NAVJEEVAN GALI NO 1 NEAR MATA MANDIR WARD 76 ZONE 17	1595127/-	11963/-	2000/-	MPUADD Raod & building sor, 2021	3 Month
03	2026_UAD_479338_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD AT PANNA NAGAR WARD 77 ZONE 17	846151/-	8462/-	2000/-	MPUADD Raods WORK, ISSR 2021	2 Month

1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
2- किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार विभाग के पास सुरक्षित होगा।

नि. क्र. 3079/025/026

सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम, भोपाल

बेखौफ बल्लेबाजी, बड़े शॉट लगाने की क्षमता के कारण टीम इंडिया विश्व कप में सबसे आगे

अक्टूबर 2023 के बाद से भारत ने जीते 48 टी-20 मैच, जीत के मामले में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर

जेएनएन, नई दिल्ली

अक्टूबर 2023 के बाद से टी-20 क्रिकेट में टीम इंडिया का जो दबदबा रहा है, उसे आंकड़ों की जुबानी बेहतर समझा जा सकता है। इस दौरान भारत ने 48 मैचों में जीत का परचम लहराया है और महज आठ मुकाबलों में उसे हार का स्वाद चखना पड़ा। इसमें सुपर ओवर के नतीजे शामिल नहीं हैं, जहां भारत का रिकॉर्ड 3-0 का रहा है। इसी प्रचंड फॉर्म के साथ भारत सात फरवरी से शुरू होने जा रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 के मैदान में उतरेगा और साफ तौर पर खिताब का सबसे बड़ा दावेदार होगा। दिग्गजों की फेहरिस्त में ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर जरूर है, लेकिन उसका जीत-हार का अनुपात (2.153) भारत के मुकाबले कहीं नहीं ठहरता। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 28 जीत और 13 हार दर्ज की हैं, जो भारत के आंकड़ों के सामने लगभग एक-तिहाई ही बैठता है। भारत की इस ऐतिहासिक सफलता की सबसे बड़ी ताकत उसकी बेखौफ बल्लेबाजी रही है। टीम इंडिया का रन रेट 9.69 का है, जो दुनिया की सभी टीमों में सबसे बेहतरीन है। आक्रामकता का आलम यह है कि पिछले 62 मैचों में भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 20 बार 200 या उससे ज्यादा का स्कोर खड़ा किया है। इस लिस्ट में वेस्टइंडीज दूसरे पायदान पर है, जिसके नाम 61 मैचों में 13 बार ऐसा कारनामा दर्ज है, जबकि न्यूजीलैंड ने 51 मैचों में 10 बार यह जादुई आंकड़ा पार किया है।

पांच मैचों में तीन बार स्कोर 200 पार

न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में टीम इंडिया ने अपनी बल्लेबाजी से विपक्षी खेमे में दहशत पैदा कर दी। भारत ने पांच पारियों में तीन बार 200 रनों की दहलीज को पार किया, जिसमें आखिरी मैच में बनाया गया 271 रनों का विशाल स्कोर भी शामिल है। इतना ही नहीं, तीसरे मैच में तो भारत ने 154 रनों के लक्ष्य को महज दस ओवरों में ही बौना साबित कर दिया। पूरी सीरीज में भारत का रन रेट 12.35 रहा, जो शीर्ष 12 टीमों के बीच तीन या उससे ज्यादा मैचों की किसी भी टी-20 सीरीज में दूसरा सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा है। दिलचस्प बात यह है कि इस मामले में नंबर 1 पर भी भारत ही काबिज है, जब अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 12.54 की रन रेट से रन कूटे थे।

अभिषेक शर्मा का दबदबा

व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें, तो अभिषेक शर्मा का दबदबा साफ नजर आता है। छक्कों की संख्या हो या उन्हें जड़ने की रफ्तार, दोनों ही मोर्चों पर वह सबसे आगे खड़े हैं। अक्टूबर 2023 से अब तक तमाम टी-20 मुकाबलों में उन्होंने 249 छक्के उड़ाए हैं, जो इस विश्व कप में खेलने वाले किसी भी बल्लेबाज से कहीं ज्यादा हैं। उनके छक्के लगाने की आवृत्ति भी सबसे कमाल की है। वह हर 6.78 गेंद पर एक छक्का जड़ रहे हैं। कम से कम 30 छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की फेहरिस्त में यह सबसे विध्वंसक आंकड़ा है। इतना ही नहीं, वह इस सूची में इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 200 के पार है। अभिषेक के अलावा भारत के पास तीन और ऐसे धुरंधर हैं, जो औसतन हर 11 गेंद के भीतर गेंद को सीमा रेखा के बाहर भेजने का दम रखते हैं। इशान किशन ने 101 छक्के जड़े हैं और उनकी औसत 9.64 गेंद प्रति छक्का है। हार्दिक पंड्या ने 10.47 की प्रति गेंद की औसत से 89 छक्के लगाए हैं, जबकि शिवम दुबे ने 111 छक्के उड़ाए हैं और उनका औसत 10.67 गेंद प्रति छक्का रहा है।

भारतीय बल्लेबाजों के 10.99 गेंद पर एक सिक्स

अक्टूबर 2023 से अब तक खेले गए तमाम टी-20 मैचों में भारत के विश्व कप स्क्वॉड में शामिल खिलाड़ियों ने कुल 1081 छक्के जड़े हैं। यानी हर 10.99 गेंद पर एक सिक्सर; जो इस टूर्नामेंट की सभी बड़ी टीमों के मुकाबले सबसे बेहतर औसत है। इस फेहरिस्त में ऑस्ट्रेलिया दूसरे पायदान पर है, जो भारत से करीब एक गेंद पीछे (11.91 गेंद प्रति छक्का) है। बाउंड्री प्रति गेंद और स्ट्राइक रेट के मामले में भी भारतीय सूरमाओं का कोई सानी नहीं है।

धुरंधर बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव, इशान किशन, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे और रिंकू सिंह जैसे धुरंधरों से सजी यह बैटिंग लाइनअप किसी भी गेंदबाजी आक्रमण के लिए जी का जंजाल बन सकती है। संजू सैमसन की मौजूदा फॉर्म भले ही चिंता का विषय हो, लेकिन इसके बावजूद यह मिडिल ऑर्डर बेहद विध्वंसक नजर आता है। अगर पिच बल्लेबाजों की मुफिद हो, तो फिर इस टीम को रोकना नामुमकिन सा हो जाता है। अक्टूबर 2023 से अब तक के आंकड़े गवाही देते हैं कि क्यों इस भारतीय लाइनअप के सामने गेंदबाज रहम की भीख मांगते नजर आते हैं।

पावर-हिटिंग: भारतीय बल्लेबाजों ने एक पारी में जड़े सबसे ज्यादा छक्के

एक पारी में सबसे ज्यादा बड़े शॉट्स खेलने के मामले में भी भारतीय बल्लेबाजों का ही बोलबाला है। अक्टूबर 2023 से अब तक तमाम टी-20 मुकाबलों में ऐसे नौ मौके आए हैं, जब मौजूदा भारतीय स्क्वॉड के बल्लेबाजों ने एक ही पारी में दस या उससे ज्यादा छक्के उड़ाए हों। किसी भी दूसरी टीम के स्क्वॉड में ऐसे मौके तीन से ज्यादा नहीं रहे हैं, जो भारतीय पावर-हिटिंग की गहराई को साफ तौर पर दर्शाता है। इन नौ में से चार बार यह कारनामा अकेले अभिषेक ने किया है। यह किसी भी दूसरी टीम की पूरी स्क्वॉड के कुल आंकड़े से भी ज्यादा है। इन चार पारियों में इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल खेली गई 54 गेंदों में 135 रन की पारी शामिल है, जिसमें उन्होंने 13 सिक्सर लगाए थे। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पंजाब किंग्स के खिलाफ 141 रन की पारी में उन्होंने दस सिक्सर जड़े थे। अभिषेक के अलावा भारत के दो और बल्लेबाज यह उपलब्धि दो बार हासिल कर चुके हैं - किशन और तिलक वर्मा। विपक्षी गेंदबाजों के लिए ये आंकड़े डराने वाले हैं और यह साफ करते हैं कि अगले एक महीने में भारत वह टीम होगी जिसे काबू में करना और हराना सबसे बड़ी चुनौती रहने वाली है।

प्रसारक पीसीबी के खिलाफ कर सकते हैं कानूनी कार्रवाई

भारत के खिलाफ मैच से पाक का बहिष्कार

कराची/ नई दिल्ली, जेएनएन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को चेतावनी दी है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी-20 विश्व कप मैच के बहिष्कार के कारण उसे टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार की ओर से कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह जानकारी पीसीबी के एक सूत्र ने मंगलवार को दी। पाकिस्तान ने अपनी सरकार के निर्देश पर 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया है, लेकिन अभी तक उसने इस फैसले के कारणों को औपचारिक रूप से आईसीसी को नहीं बताया है। इस पर कार्रवाई करते हुए आईसीसी पाकिस्तान का सालाना राजस्व हिस्सा (लगभग 3.5 करोड़ डॉलर) रोक सकता है और उसी रकम से प्रसारकों को भुगतान कर सकता है। पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पिछले सप्ताह इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को जानकारी देने से पहले बोर्ड के कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ली थी, लेकिन इसके बावजूद बोर्ड गंभीर नतीजों के लिए तैयार है।

पीसीबी ने आईसीसी को नहीं दी सूचना

पीसीबी ने अभी तक लिखित रूप में आईसीसी को कोई सूचना नहीं दी है, लेकिन इस बहिष्कार के फैसले को बांग्लादेश को विश्व कप से हटाए जाने के बाद उसके समर्थन में उठाया गया कदम माना जा रहा है। सूत्र ने बताया, आईसीसी ने जब अपने सभी आयोजनों के लिए प्रसारक के साथ चार साल का करार किया था, तब उसमें भारत-पाकिस्तान मैच भी शामिल थे, जिसके आधार पर प्रसारक ने आईसीसी को भुगतान किया। उन्होंने कहा कि इसलिए प्रसारक को अनुबंध के उल्लंघन के आधार पर पीसीबी और आईसीसी को अदालत में ले जाने का पूरा अधिकार होगा। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि पीसीबी ने इस मामले में अन्य सदस्य बोर्डों से समर्थन मांगा था, लेकिन उसे कहीं से भी समर्थन नहीं मिला।

वित्तीय जुर्माने के साथ मुकदमा भी

पीसीबी के सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलने पर अड़ा रहा तो उसे वित्तीय जुर्माने के साथ प्रसारकों की ओर से मुकदमा भी झेलना पड़ सकता है। आईसीसी की विवाद निपटान समिति (डीआरसी) में जाने की कोशिश भी शायद नाकाम रहे। आईसीसी की डीआरसी एक आंतरिक समिति है, जो आईसीसी बोर्ड के अपने फैसलों के खिलाफ अपील नहीं सुनती। पीसीबी के एक अन्य सूत्र ने कहा, सरकार के निर्देश के बावजूद पीसीबी को परेशानी हो सकती है, क्योंकि पाकिस्तान अपनी इच्छा के अनुसार भारत में नहीं बल्कि तटस्थ स्थल श्रीलंका में अपने सभी मैच खेल रहा है। उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह है कि भारतीय सरकार ने अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने की अनुमति नहीं दी है, लेकिन मई में हुए टकराव के बाद भी एशिया कप या आईसीसी टूर्नामेंटों में तटस्थ स्थानों पर पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से नहीं रोका है।

मैदान से हटकर

कार्दशियन को डेट कर रहे एफ1 ड्राइवर लुइस हैमिल्टन

फॉर्मूला 1 ड्राइवर लुइस हैमिल्टन और बिजनेसवुमन किम कार्दशियन के बीच संभावित रोमांस की अफवाहों ने हाल के दिनों में जोर पकड़ लिया है। दोनों को पेरिस में एक साथ आते देखा गया। उनका पेरिस दौरा इंग्लैंड में साथ घूमने के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिससे उनके बीच रोमांस की अटकलें तेज हो गई हैं।

कई मीडिया आउटलेट्स ने पेरिस के एक होटल में उनके एक साथ पहुंचने की तस्वीरें और डिटेल्स शेयर कीं। यह उनकी डेटिंग की अफवाहों के बाद उनकी पहली पब्लिक आउटिंग है, जिससे फैंस और मीडिया ऑब्जर्वर के बीच दिलचस्पी और बढ़ गई है। सामने आई तस्वीरों में कार्दशियन और हैमिल्टन पेरिस में एक साथ स्पॉट किए गए। दोनों लो प्रोफाइल बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे। कार्दशियन ने बड़े सनग्लासेस और ब्लैक ट्रेंचकोट पहना था, जबकि हैमिल्टन ऑल-ब्लैक आउटफिट में ग्रे शॉल के साथ होटल में जाते हुए दिखे। ये तस्वीरें ऑनलाइन खूब शेयर हुईं, जिससे उनके कनेक्शन को लेकर रहस्य और बढ़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दोनों को अलग-अलग, लेकिन कुछ ही मिनटों के अंदर होटल में जाते हुए देखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों वीकेंड पर कोट्सवोल्ड्स में एस्टेले मैनर में थे। रियलिटी स्टार और एंटरप्रेन्योर कार्दशियन और फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन हैमिल्टन की दोस्ती एक दशक से ज्यादा समय से है। (जेएनएन)

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल-2 आज दोपहर एक बजे से

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा भारत

जेएनएन, हरारे

अब तक खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम बुधवार को अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। इस प्रतियोगिता के इतिहास में भारत सबसे सफल टीम है। उसने पांच बार (2000, 2008, 2012, 2018, 2022) खिताब जीते हैं। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है, जिसने चार बार ट्रॉफी जीती है। इस तरह से भारत रिकॉर्ड छठी बार खिताब जीतने की दिशा में बुधवार को एक कदम और आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा। भारत ने अब तक टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। उसने अपने सभी पांच मैच आसानी से जीते हैं, जिसमें सुपर सिक्स चरण में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर 58 रन की जीत भी शामिल है।

भारतीय टीम हालांकि अफगानिस्तान को कम करके आंकने की गलती नहीं करेगी। अफगानिस्तान का भी टूर्नामेंट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उसने अपने पांच मैचों में से चार जीते हैं। उसे एकमात्र हार श्रीलंका से मिली थी। लेकिन खिलाड़ियों की फॉर्म और खेल के हर क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी नजर आता है।

इंग्लैंड फाइनल में पहुंचा

बुलावायो, जेएनएन। कप्तान थॉमस रियू (110 रन) के शतक की बदौलत इंग्लैंड ने अंडर-19 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 27 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। थॉमस की पारी के आगे ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ओलिवर पीक (100 रन) का शतक बेकरा गया। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत लड़खड़ाई और टीम 57 रन पर दो विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद कप्तान रियू ने मोर्चा संभाला और कालेब फाल्कनर (40 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 135 रन की अहम साझेदारी की। इससे इंग्लैंड ने सात विकेट खोकर 277 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। 278 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया 47.3 ओवर में 250 रन पर सिमट गया। नितेश सैमुअल ने 47 और आर्यन शर्मा ने 34 रन बनाए।

दिल्ली लगातार चौथी बार डब्ल्यूपीएल के फाइनल में, खिताबी भिड़ंत आरसीबी से

एलिमिनेटर में गुजरात जाएंट्स को सात विकेट से हराकर किया बाहर

जेएनएन, वडोदरा

दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी-20 के एलिमिनेटर मैच में मंगलवार को गुजरात जाएंट्स को 26 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर लगातार चौथी बार फाइनल का टिकट कटाया। कैपिटल्स के सामने गुरुवार को खेले जाने वाले फाइनल में पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की चुनौती होगी। जाएंट्स को सात विकेट पर 168 रन पर रोकने के बाद दिल्ली ने 15.4 ओवर में तीन विकेट गंवा कर लक्ष्य हासिल कर लिया। कैपिटल्स के लिए लिजेल ली ने 24 गेंद में 43, शेफाली वर्मा ने 21 गेंद में 31, कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने 23 गेंद में 41 और लौरा वोल्वार्डट ने 24 नाबाद 32 रन का योगदान दिया। ली और शेफाली ने पहले विकेट के लिए 43 गेंद में 89 रन की आक्रामक साझेदारी के साथ मैच का रुख तय किया, तो वहीं वोल्वार्डट और जेमिमा ने तीसरे विकेट के लिए 42 गेंद में 68 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत को जाया नहीं होने दिया। जाएंट्स के लिए जॉर्जिया वेयरहम ने दो, जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ को एक सफलता मिली। सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी की नाबाद 62

रन की शानदार पारी के दम पर जाएंट्स ने सात विकेट 168 रन बनाए। मूनी ने पांचवें विकेट के लिए जॉर्जिया वेयरहम के साथ 46 गेंद में 61, जबकि आखिरी ओवरों में काश्वी गौतम के साथ 19 गेंद में 39 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। वेयरहम ने 35 रन बनाए, जबकि काश्वी ने 10 गेंद में 18 रन की परी के दौरान तीन चौके जड़ें। दिल्ली की शिनेल हेनरी (35 रन पर तीन विकेट) और नंदिनी शर्मा (44 रन पर दो विकेट) ने शानदार गेंदबाजी की।

हार के बावजूद सबालेंका शीर्ष पर बरकरार, जोकोविच तीसरे स्थान पर

मेलबर्न, जेएनएन। कार्लोस अल्काराज से ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में हारने वाले 24 बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन नोवाक जोकोविच नवीनतम विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अल्काराज ने दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर से आगे रहते हुए एटीपी टूर पर अपनी नंबर एक रैंकिंग बरकरार रखी है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में सिनर को हराने वाले जोकोविच एक पायदान ऊपर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। 38 वर्षीय जोकोविच अगस्त 2024 के बाद पहली बार शीर्ष तीन में शामिल हुए हैं। डब्ल्यूटीए टूर पर आर्यना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में एलिना रयबाकिना से हारने के बावजूद अपनी शीर्ष रैंकिंग बरकरार रखी है। रयबाकिना रैंकिंग में दो स्थान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि इगा स्वियातेक दूसरे स्थान पर हैं। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में चौथे से छठे स्थान पर तीन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला हैं। सेमीफाइनल में हारने वाली एलिना स्वितोलिना दो पायदान चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गईं हैं।

विश्व चैंपियन डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में खेलेंगे

ओस्लो, जेएनएन। मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश मई में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे, जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी और गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन सहित कई स्टार खिलाड़ी शिरकत करेंगे। गुकेश ने 25 मई से पांच जून तक होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की पुष्टि कर दी है। यह दुनिया के सबसे कड़े शतरंज टूर्नामेंट में से एक होगा। यह प्रतियोगिता अपने पारंपरिक स्थल स्टेवेंगर से ओस्लो में स्थानांतरित होने वाली है। पिछले साल ओपन वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे भारतीय स्टार गुकेश खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन के रूप में ओस्लो आएंगे। भारतीय ग्रैंडमास्टर और विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख नॉर्वे शतरंज में महिलाओं के वर्ग में पदार्पण करेंगी और 2024 में इस वर्ग के शुरू होने के बाद महिलाओं के टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन जाएंगी। अब तक किसी भी भारतीय ने यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नहीं जीता है।

बेंजेमा अल हिलाल से जुड़े, रोनाल्डो की उम्मीदों पर फेर सकते हैं पानी

रियाद, जेएनएन। फ्रांस के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी करीम बेंजेमा सऊदी अरब के एक क्लब अल इत्तिहाद को छोड़कर दूसरे क्लब अल हिलाल से जुड़ गए हैं, जो क्रिस्टियानो रोनाल्डो की खिताब जीतने की उम्मीदों के लिए बुरी खबर हो सकती है। पूर्व बैलोन डीओर विजेता बेंजेमा सऊदी प्रो लीग के अग्रणी क्लब अल हिलाल में शामिल हो गए हैं, जो रोनाल्डो के क्लब अल नासर से लीग तालिका में एक अंक आगे है। रोनाल्डो को 2022 में सऊदी अरब के क्लब से जुड़ने के बाद से अब भी अपने पहले लीग खिताब का इंतजार है। अल हिलाल उनके क्लब का मुख्य प्रतिद्वंद्वी है, जिसने पांच बार के चैंपियंस लीग विजेता बेंजेमा को टीम में शामिल करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रियाल मैड्रिड के पूर्व स्ट्राइकर बेंजेमा ने पिछले साल अल इत्तिहाद को लीग के खिताब के साथ-साथ किंग्स कप का चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। अल हिलाल सऊदी अरब की सबसे सफल टीम है, जिसने 21 लीग खिताब और चार एशियाई चैंपियनशिप जीती हैं।

साई में जूडो हॉल एवं सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का शिलान्यास

भोपाल, खेप्र। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने साई के एनसीओई भोपाल में जूडो हॉल तथा उन्नत सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस वर्चुअल शिलान्यास समारोह में खेल सचिव हरि रंजन राव वर्चुअल रूप से उपस्थित रहे। लगभग 16 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से निर्मित होने वाला जूडो हॉल विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाओं से सुसज्जित होगा। वहीं, लगभग 14 करोड़ की लागत से विकसित किया जाने वाला सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक एक 8-लेन, 400 मीटर लंबा अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला ट्रैक होगा।

टेस्ट मैच में अंतिम ओवर पूरा करना अनिवार्य, लैमिनेटेड बैट की अनुमति

जेएनएन, लंदन

मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने क्रिकेट के नियमों में कुल 73 बदलावों की घोषणा की है, जिसमें बहु-दिवसीय मैचों में अगर अंतिम ओवर के दौरान विकेट गिरता है, तो पूरा ओवर खेलना अनिवार्य करना भी शामिल है। नए नियम इस साल अक्टूबर से लागू होंगे। एमसीसी ने कहा कि 2022 के बाद पहली बार जारी की गई 'लॉज ऑफ क्रिकेट की नई प्रति' का मकसद नियमों को समय के अनुरूप और आधुनिक खेल के लिए अधिक समावेशी बनाना है। एमसीसी ने वेबसाइट पर बताया कि बहु-दिवसीय मैचों में दिन का अंतिम ओवर अब हर हाल में पूरा कराया जाएगा। एमसीसी के अनुसार, ऐसा न होने से खेल का रोमांच कम हो जाता है। एमसीसी ने कहा कि यह अनुचित माना गया कि अगर दिन के अंतिम ओवर में गेंदबाजी कर रही टीम विकेट ले ले, तो बल्लेबाजी टीम को नया बल्लेबाज भेजने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि इससे समय की बचत भी नहीं होती, क्योंकि बची हुई गेंदें अगले दिन पूरी करनी ही पड़ती हैं। साथ ही इससे खेल का रोमांच कम हो जाता है। नया बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों से बच जाता है, क्योकि आमतौर पर उस समय गेंदबाजों के लिए हालात अनुकूल होते हैं। एमसीसी ने स्पष्ट किया, नए नियम के तहत अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो अंतिम पूरा किया जाएगा, भले ही उस दौरान विकेट गिर जाए।

एमसीसी ने क्रिकेट नियमों में 73 बदलाव किए, इस साल अक्टूबर से लागू होंगे

यह नियम बदले गए

गेंद साइज: अब गेंदों को साइज-1, साइज-2 और साइज-3 के रूप में वर्गीकृत किया गया है। साइज-1 (पारंपरिक पुरुषों की गेंद) में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन अब तीनों श्रेणियों के लिए मानक एक समान कर दिए गए हैं।

लैमिनेटेड बल्ला: ओपन एज क्रिकेट में 'लैमिनेटेड' बल्लों के इस्तेमाल को भी मंजूरी दे दी है। इससे पहले ऐसे बल्लों की अनुमति केवल जूनियर क्रिकेट में थी। शीर्ष स्तर पर हालांकि अब भी एक ही टुकड़े के विलो से बने बल्लों का इस्तेमाल जारी रहने की संभावना है।

विकेटकीपर: अब गेंद फेंके जाने से पहले अगर विकेटकीपर स्टंप्स के बराबर या आगे खड़ा होता है, तो इसे नोबॉल नहीं माना जाएगा। विकेटकीपर अब भी गेंद को पकड़ने के लिए तब तक स्टंप्स के आगे नहीं आ सकता, जब तक गेंद बल्लेबाज के विकेट को पार न कर जाए या बल्ले अथवा शरीर से संपर्क न कर ले। लेकिन अब नियम यह है कि गेंद छोड़े जाने के बाद ही विकेटकीपर को पूरी तरह स्टंप्स के पीछे होना होगा।

बनी हॉप कैच: अब कोई भी फील्डर सीमा के बाहर रहते हुए हवा में गेंद को केवल एक बार छू सकता है और उसके बाद पूरी तरह बाउंड्री के अंदर जमीन पर होना जरूरी होगा। अगर कोई फील्डर बाउंड्री के बाहर से गेंद को उछालकर अंदर खड़े साथी खिलाड़ी की ओर भेजता है और बाद में खुद सीमा के बाहर चला जाता है, तो उसे बाउंड्री माना जाएगा।

ओवरथ्रो: रन रोकने या रनआउट के प्रयास में स्टंप्स की ओर फेंकी गई गेंद को ओवरथ्रो माना जाएगा, जबकि केवल गेंद रोकने या दूसरे क्षेत्ररक्षकों को देने में हुई चूक को ओवरथ्रो नहीं माना जाएगा।

शार्ट रन: जानबूझकर शॉर्ट रन लेने की स्थिति में अब फील्डर टीम को यह तय करने का अधिकार होगा कि अगली गेंद पर कौन सा बल्लेबाज स्ट्राइक पर रहेगा। एमसीसी ने यह भी स्पष्ट किया कि गेंद को तब पूरी तरह से रुकी हुई माना जाएगा जब वह किसी क्षेत्ररक्षक के हाथ में हो या जमीन पर स्थिर हो। अब गेंद का गेंदबाज या विकेटकीपर के हाथ में होना जरूरी नहीं होगा।

भारत-अमेरिका में डील के बाद रुपये की मजबूती और शेयर बाजार में तेजी की वजहें

मजबूत आर्थिक जमीन पर 'ट्रंप फैक्टर' से मिला बड़ा उछाल

जागरण Special

नई दिल्ली, जेएनएन। मंगलवार का दिन भारतीय आर्थिक परिदृश्य में एक साथ कई संकेत छोड़ गया है। डॉलर के मुकाबले रुपया 129 पैसे मजबूत हुआ, जो बीते तीन सालों की सबसे बड़ी बढ़त है। शेयर बाजार में सेंसेक्स 2,073 अंक उछल गया, निफ्टी 639 अंक ऊपर बंद हुआ और अडाणी समूह के कई शेयर 7 से 11 प्रतिशत तक चढ़ गए। पहली नजर में इसकी वजह अमेरिकी की ओर से भारत पर टैरिफ घटाना दिखाई देता है, लेकिन इतनी बड़ी हलचल की वजह महज टैरिफ में कमी नहीं है। इसके पीछे कई परतों में फैली आर्थिक कहानी है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगाए गए आयात शुल्क (टैरिफ) को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की है। इसका सीधा अर्थ यह है कि भारतीय सामान अब अमेरिका में सस्ता पड़ेगा, जिससे निर्यात (एक्सपोर्ट) बढ़ने की उम्मीद है। यही खबर बाजार के लिए ट्रिगर बनी यानी वह चिंगारी, जिससे तेजी की शुरुआत हुई। विदेशी निवेशकों (एफपीआई—फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स) में यह संकेत गया कि भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में अनिश्चितता घट रही है। डॉलर पर दबाव आया और रुपया तेजी से मजबूत हुआ। लेकिन अर्थशास्त्र का एक पुराना नियम है कि केवल एक खबर से इतना बड़ा और व्यापक उछाल नहीं आता, जब तक जमीन पहले से तैयार न हो। यह न तो सिर्फ एक व्यक्ति की घोषणा है, न ही एक कंपनी का नतीजा। यह नीति, कॉरपोरेट रणनीति और वैश्विक माहौल तीनों का संयुक्त परिणाम है। शेयर बाजार और रुपया भावनाओं से चलते हैं, लेकिन भावनाएं खाली हवा में नहीं बनतीं। मंगलवार की तेजी दरअसल उस कहानी का परिणाम है, जो कई महीनों से लिखी जा रही थी।

मजबूती के पीछे चार वजहें और हिस्सेदारी

- **ट्रंप का टैरिफ फैसला:** 30 फीसदी असर
- **अडाणी के शेयर और मुनाफा:** 25 फीसदी
- **बजट का कैपेक्स:** 25 फीसदी
- **ईयू डील और अन्य वैश्विक संकेत:** 20 फीसदी
- ट्रेड डील से डॉलर की मांग घटी
- शेयर बाजार में तेजी से विदेशी पूंजी की निकासी रुकी, कुछ जगहों पर शॉर्ट कवरिंग हुई
- कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर स्पष्टता बढ़ी
- भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप (यानी बैकएंड में स्थिरता बनाए रखना)
- **रुपया महज 'टैरिफ की खबर पर प्रतिक्रिया' नहीं, बल्कि आर्थिक सेंटिमेंट का थर्मामीटर है।**

बजट का कैपेक्स: मजबूत नींव से बढ़ा भरोसा

अगर ट्रंप की खबर चिंगारी है, तो बजट में कैपिटल एक्सपेंडिचर (कैपेक्स) उसका ईंधन है। सरकार ने पूंजीगत खर्च बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपए कर दिया है। इसका मतलब है कि सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली, ग्रीन एनर्जी, लॉजिस्टिक्स और भारी उद्योग में पैसा जाएगा। इसका असर तुरंत नहीं, लेकिन धीरे-धीरे पूरे बाजार पर पड़ता है। निवेशक इसे ग्रोथ का भरोसा मानते हैं। यही कारण है कि इंफ्रास्ट्रक्चर, मेटल, कैपिटल गुड्स और पावर सेक्टर में एक साथ खरीदारी दिखी।

अडाणी फैक्टर: तेजी को हवा देने वाला इंजन

शेयर बाजार की इस रैली में अडाणी समूह की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा तीसरी तिमाही में 97 गुना बढ़कर 5,627 करोड़ रुपए पहुंचा। यह मुनाफा मुख्यतः एसेट मोनेटाइजेशन से आया यानी कंपनी ने अपनी हिस्सेदारी बेचकर नकदी जुटाई।

सरल शब्दों में कहें तो, कंपनी ने अपने कुछ कारोबार बेचे, कर्ज का दबाव कम किया और बैलेंस शीट (लेखा-जोखा) मजबूत की। इससे निवेशकों को यह संदेश गया कि जोखिम घट रहा है।

- 10 फीसदी से ज्यादा चढ़ा अडाणी एंटरप्राइजेज
- 7 से 11 फीसदी तक उछले ग्रीन, पोर्ट्स, पावर जैसे शेयर
- 300-400 अंकों की तेजी सिर्फ अडाणी शेयरों से सेंसेक्स और निफ्टी पर पड़ने का अनुमान

2025 में महिलाओं के काम छोड़ने की वजह

4.55 लाख महिलाएं जॉब से हुईं बाहर

देखभाल की जिम्मेदारी और चाइल्ड केयर खर्च

रिसर्च के मुताबिक कार्यस्थल पर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर काम करने वाली गैर-लाभकारी संस्था कैटलिस्ट के ताजा आंकड़े बताते हैं कि 2025 में नौकरी छोड़ने वाली महिलाओं में से 42 फीसदी ने देखभाल से जुड़ी जिम्मेदारियों को इसका मुख्य कारण बताया।

- **200** से ज्यादा महिलाओं के बीच किया गया सर्वे, जो जनवरी 2025 के बाद कार्यबल से बाहर हुईं
- **42%** महिलाओं ने देखभाल की जिम्मेदारियों को नौकरी छोड़ने की मुख्य वजह बताया
- **17%** महिलाओं ने नौकरी में मिलने वाले कम वेतन को एक बड़ा कारण बताया
- **57%** महिलाओं ने स्वेच्छा से छोड़ी नौकरी
- **43%** महिलाओं को नौकरी से निकाला गया

यह महिलाओं के कार्यबल में पूरी भागीदारी से पीछे हटने का संकेत है। महिलाएं काम छोड़ नहीं रहीं, बल्कि उन्हें देखभाल की जिम्मेदारियों और कठोर कार्य-संरचना के बीच फाड़ा जा रहा है।

शीला ब्रासेल
रिसर्च डायरेक्टर, कैटलिस्ट

समाधान क्या हो सकता है

- काम के समय में लचीलापन
- देखभाल का बोझ कम करने वाले संसाधन, जैसे ऑन-साइट डे-केयर या पेड लीव
- न्यायसंगत वेतन और करियर ग्रोथ की नियमित समीक्षा

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं को ईरान में दी गईं खौफनाक प्रताड़नाएं

तेहरान, जेएनएन। ईरानी-जर्मन पत्रकार मिशेल अब्दोल्लाही ने ईरानी सरकार पर चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी सुरक्षा बलों ने विरोध करने वाली महिलाओं के खिलाफ बलात्कार और म्यूटिलेशन (विकलांग करना) को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया ताकि वह लोगों में ज्यादा से ज्यादा डर पैदा कर सके और संघर्ष रुक जाए। एक की रिपोर्ट के अनुसार, अब्दोल्लाही ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर दावा किया कि उन्हें प्रत्यक्षदर्शियों से जानकारी मिली है। उनके अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं के साथ बलात्कार किया जाता है, उनके गर्भाशय निकाल दिए जाते हैं, सिर की खाल उनके बालों सहित उतार दी जाती है और शरीर पर सिगरेट के जलने के निशान छोड़ दिए जाते हैं।

उधमपुर में घिरे जैश के आतंकी, मुठभेड़

जम्मू,जेएनएन। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले के माजल्टा में छिपे आतंकवादियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों की मौजूदगी से जुड़ी ठोस खुफिया जानकारी के आधार पर इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं और ऑपरेशन जारी है। यह कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को फंडिंग, मदद और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने से जुड़े मामलों की जांच के सिलसिले में की जा रही है। एनआईए ने श्रीनगर के रैनावाड़ी में छापेमारी की। एनआईए की टीमें स्थानीय सुरक्षा बलों के साथ इलाके में मौजूद हैं और संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ले रही है।

ग्लोबल ऑर्डर मर चुका है: इटली के पूर्व पीएम

ब्रसेल्स, जेएनएन। इटली के पूर्व पीएम मारियो द्रागी ने दावा किया है कि ग्लोबल ऑर्डर मर चुका है। उन्होंने यह बयान बेल्जियम की ल्यूवेन यूनिवर्सिटी में सोमवार को आयोजित एक समारोह में दिया। द्रागी ने कहा कि जो लोग ये चेतावनी दे रहे हैं कि मौजूदा ग्लोबल इकोनॉमिक ऑर्डर टूट रहा है, वे सही हैं। द्रागी यह भी कहा कि असली खतरा इसके टूटने से नहीं है, बल्कि इस बात से है कि इसकी जगह क्या लेगा। उन्होंने कहा कि यूरोप को एक ऐसे अमेरिका का सामना करना पड़ रहा है जो ये कहता है कि उसने बहुत ज्यादा कीमत चुकाई है, लेकिन ये नहीं देखता कि उसे कितने फायदे मिले हैं। वहीं चीन पर आरोप लगाया कि वो ग्लोबल सप्लाई चेन के अहम हिस्सों को अपने कंट्रोल में रखता है।

मुनव्वर राणा की बेटी को तलाक दे घर से निकाला

लखनऊ,जेएनएन। उत्तरप्रदेश राजधानी लखनऊ के सादतगंज थाना क्षेत्र से एक गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। मशहूर शायर मुनव्वर राना की बेटी हिबा राना ने अपने पति सैय्यद मो. साकिब पर दहेज उत्पीड़न, जानलेवा हमला और तीन तलाक देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हिबा राना के मुताबिक उनकी शादी के समय परिजनों ने लाखों रुपये नकद और कीमती सोने चांदी के जेवर दिए थे। इसके बावजूद शादी के बाद ससुराल में उन्हें लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि पति और ससुर की नजर हमेशा अतिरिक्त दहेज पर रही। कभी 20 लाख रुपये तो कभी फ्लैट की मांग को लेकर उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया गया।

सबसे बढ़िया डील मिली, देश के उज्ज्वल भविष्य का अच्छा संकेत : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर मंगलवार को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि आज हर भारतवासी देश भर में पीएम मोदी का साधुवाद कर रहा है, क्योंकि उन्होंने एक बहुत ही बढ़िया ट्रेड डील संपन्न किया है। जनहित को ध्यान में रखने के लिए भारत के भविष्य को चार चांद लगाने वाले डील को फाइनल किया है। मैं सभी देशवासियों को बधाई देना चाहता हूं। 140 करोड़ देशवासियों की तरफ से पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। भारत की अर्थव्यवस्था को, हर गरीब के लिए ढेर सारे अवसर लाने वाला ट्रेड डील पीएम ने कल तय किया। गोयल ने कहा कि पीएम ने जो ट्रेड डील फाइनलाइज की है, सभी पड़ोसियों के मुकाबले सबसे बढ़िया डील भारत को मिली है। देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। महीनों से हमारी टीम लगातार बातचीत कर रही थी। कई सारे जटिल विषय थे।

लघु, मध्यम उद्योगों को मिलेंगे मौके

कई सारी समस्याएं थीं। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा हुआ था। सभी को तकलीफ हो रही थी। मित्रता के आधार पर पीएम ने भारत के हितों को प्राथमिकता देते हुए, विश्व के सामने जिस प्रकार से पेश किया है, पीएम मोदी के नेतृत्व में बढ़िया डील मिली है। पीएम मोदी ने हमेशा कृषि और डेयरी, दोनों सेक्टर्स को संभाला है। यूएस के साथ ट्रेड डील में कृषि, डेयरी सेक्टर को लेकर भी संरक्षण किया है। इस ट्रेड डील से सभी देशवासी काफी उत्साहित हैं।

तेल खरीदी बंद करने के ट्रंप के बयान पर रूस बोला हमें यकीन नहीं

मॉस्को, जेएनएन। रूस ने मंगलवार को कहा कि भारत सरकार की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, जिसमें यह कहा गया हो कि भारत रूस से तेल की खरीद बंद करने जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक क्रेमलिन के प्रवक्ता रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस, भारत को लेकर ट्रम्प की टिप्पणियों का विश्लेषण कर रहा है। जब उनसे सीधे पूछा गया कि क्या भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने का फैसला कर लिया है, तो उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली की तरफ से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है।

ट्रम्प का दावा- भारत रूसी तेल खरीदना बंद करेगा

पेस्कोव का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि भारत ने अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीदना रोकने पर सहमति जताई है। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को घोषणा की थी कि अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हुआ है। इसके तहत अमेरिका ने भारतीय सामान पर लगने वाला टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमति दी है। इसके बदले में ट्रम्प का दावा है कि भारत, रूस से तेल खरीदना बंद करेगा और व्यापार से जुड़ी रुकावटें भी कम करेगा। भारत ने उनकी इस घोषणा पर न तो स्वीकार किया है और न ही खारिज किया है।

यूक्रेन जंग बाद बढ़ी रूसी तेल की खरीद

फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर सैन्य हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हो गया, जो अब तक जारी है। इस युद्ध के कारण रूस पर अमेरिका और यूरोपीय देशों ने कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, खासकर उसके तेल और गैस सेक्टर पर। इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को अपना कच्चा तेल सस्ते दामों पर बेचने के लिए नए खरीदार ढूंढने पड़े। इसी दौरान भारत ने रूस से रियायती दरों पर तेल खरीदना शुरू किया। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और रूस का द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 68.7 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन इसमें बड़ा हिस्सा कच्चे तेल का था।

मंत्री ने मानी थी गिरावट की बात

अब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प कह रहे हैं कि भारत रूस से तेल आयात रोकने पर सहमत हो गया है। अगर भारत वाकई रूसी तेल का आयात पूरी तरह बंद कर देता है, तो भारत-रूस का कुल द्विपक्षीय व्यापार घटकर 20 अरब डॉलर से भी नीचे आ सकता है। भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पिछले महीने कहा था कि रूस से कच्चे तेल के आयात में आगे भी गिरावट आने की संभावना है। पुरी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि रूस से तेल खरीद में आई कमी की वजह किसी राजनीतिक या विदेशी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि बाज़ार की परिस्थितियों का नतीजा है।

एपस्टीन फाइल्स में नार्वे की राजकुमारी के नाम पर विवाद

ओस्लो, जेएनएन। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मारिट और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच संबंध सामने आने से विवाद छिड़ गया हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से 30 जनवरी को जारी की गई एपस्टीन फाइल्स में प्रिंसेस नाम का 1 हजार से ज्यादा बार आया है। नॉर्वे के एक अखबार रिपोर्ट के मुताबिक, इन फाइलों में मेटे-मारिट और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच 2011 से 2014 के दौरान हुए कई ईमेल शामिल हैं। दोनों के बीच लंबे समय तक संपर्क रहा। एक मेल में एपस्टीन ने मेटे-मारिट को बताया कि वो शादी करना चाहता है और पत्नी की तलाश में पेरिस आया है। उसने फ्लर्टी मैसेज करते हुए कहा था कि पेरिस अफेयर और अवैध संबंध बनाने के लिए अच्छा है, लेकिन पत्नी ढूंढनी हो तो स्कैंडिनेवियाई महिलाएं ज्यादा अच्छी और वफादार पत्नी होती हैं। इस पर मेटे-मारिट ने जवाब दिया, मुझे अभी भी इस बात पर यकीन नहीं हो रहा कि आप सच में पत्नी की तलाश कर रहे हैं।

एपस्टीन की बातें मुझे गुदगुदाती हैं : मेटे

एक ईमेल में मेटे ने एपस्टीन से पूछा था कि क्या अपने 15 साल के बेटे के वॉलपेपर के लिए दो न्यूड लड़कियों की फोटो (सर्फबोर्ड के साथ) लगाना ठीक रहेगा? एक अन्य ईमेल में उन्होंने एपस्टीन को आकर्षक बताया था। नॉर्वे के मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, निजी ईमेल में मेटे-मारिट ने एपस्टीन से कहा था, 'तुम्हारी बातें मुझे गुदगुदाती हैं।' कुछ ईमेल में उन्होंने उन्हें 'सॉफ्ट हार्टेड' और 'स्वीटहार्ट' भी लिखा। दोनों की दोस्ती सामने आने के बाद शनिवार को मेटे-मारिट ने एपस्टीन से अपने संबंधों को लेकर माफी मांगी।

एआई ड्रीमलाइनर के फ्यूल कंट्रोल स्विच की जांच शुरू

नई दिल्ली, जेएनएन। एयर इंडिया ने अपने सभी 787 ड्रीमलाइनर विमानों के फ्यूल कंट्रोल स्विच की दोबारा जांच कर दी है। यह फैसला लंदन के हीथ्रो से बेंगलुरु विमान के फ्यूल कंट्रोल स्विच में गड़बड़ी के बाद लिया गया है। विमान में 200 यात्री सवार थे। एयर इंडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मनीष उप्पल ने बोइंग 787 के पायलटों को ईमेल भेजकर यह जानकारी दी। फिलहाल एयर इंडिया के बेड़े में 32 बोइंग 787 विमान हैं। उप्पल ने इमेल में बताया कि फ्यूल कंट्रोल स्विच के लैच की एहतियातन फ्लीट-वाइड री-इंस्पेक्शन की जा रही है। इंजीनियरिंग टीम को बोइंग कंपनी के पास भेजा है। कंपनी का जबाव आने तक अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए सभी विमानों की जांच शुरू की गई है। अब तक के विमानों की जांच में कहीं कोई भी गड़बड़ी नहीं मिली है। एयर इंडिया ने क्रू से कहा है कि संचालन के दौरान दिखने वाली किसी भी तकनीकी गड़बड़ी को तुरंत रिपोर्ट करें। विमान का हैंडओवर लेने से पहले सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएं। लंदन-बेंगलुरु का स्विच लॉक हो था सोमवार को एक पायलट ने बोइंग 787 विमान में फ्यूल कंट्रोल स्विच से जुड़ी खराबी की रिपोर्ट दी थी।

लंदन-बेंगलुरु विमान का स्विच लॉक नहीं हो रहा था, उड़ान पर पाबंदी

रूस-यूक्रेन पर बोले ट्रंप-दुनिया को जल्द मिलेगी अच्छी खबर

वाशिंगटन, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने करीब चार साल से चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर एक बड़ी उम्मीद जगाई है। ट्रंप ने संकेत दिए कि उनकी सरकार के शांति प्रयास रंग ला रहे हैं और जल्द ही दुनिया को इस मोर्चे पर कोई अच्छी खबर मिल सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उनकी सरकार यूक्रेन और रूस के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए बहुत प्रभावी ढंग से काम कर रही है।

फिर होगी अबू धाबी में बातचीत

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने की कोशिशों के तहत शांति वार्ता का अगला दौर अगले हफ्ते होने जा रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को घोषणा की है कि रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 और 5 फरवरी को अबू धाबी में त्रिपक्षीय बैठकें आयोजित की जाएंगी।

यूएस नेवी ने मार गिराया ईरानी ड्रोन, अरब सागर में बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिकी नौसेना ने अरब सागर में एयरक्राफ्ट कैरियर के पास पहुंच रहे ईरानी ड्रोन को मार गिराया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि यह ड्रोन अमेरिकी युद्धपोत की ओर बढ़ रहा था, जिसे खतरे के तौर पर देखा गया। यह घटना तब सामने आई जब अमेरिका-ईरान के बीच तुर्की में इसी हफ्ते परमाणु समझौते पर बातचीत शुरू होने वाली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह ईरान का शहीद-139 ड्रोन था, जिसे अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट ने हवा में ही निशाना बनाकर गिरा दिया। इस घटना को क्षेत्र में बढ़ते अमेरिका-ईरान तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि ईरान की तरफ से इस पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरानी हथियारबंद नावों ने एक एस-फ्लैग्ड ऑयल टैंकर को रोकने की कोशिश की थी। विपक्ष समर्थित एक ईरानी न्यूज एजेंसी ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि जैसे ही टैंकर इस रणनीतिक जलमार्ग में दाखिल हुआ, उस पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। रिपोर्ट में समुद्री सुरक्षा एजेंसी वैनगार्ड टेक के हवाले से कहा गया है कि 50-कैलिबर मशीन गनों से लैस ईरान की छह गनबोट्स टैंकर के करीब पहुंचीं और उसे इंजन बंद कर बोर्डिंग के लिए तैयार होने का आदेश दिया। हालांकि, टैंकर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाद में एक अमेरिकी युद्धपोत ने उसे सुरक्षा दी। ब्रिटेन की यूके मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस एजेंसी ने भी ओमान से करीब 16 नॉटिकल मील उत्तर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के इनबाउंड ट्रैफिक जोन में एक जहाज से जुड़ी घटना की सूचना मिलने की पुष्टि की थी।

सड़क पर गिरे व्यक्ति की मदद के बजाय मोबाइल चोरी की कोशिश

इलाज न मिलने से मौत, घटना सीसीटीवी में कैद

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के आउटर इलाके में मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार तड़के सड़क पर बेहोश होकर गिरे एक व्यक्ति की मदद करने के बजाय एक राहगीर ने उसका मोबाइल फोन चुराने की कोशिश की। पीड़ित को समय पर सहायता नहीं मिल सकी और बाद में उसकी मौत हो गई। दिल्ली पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। घटना नई दिल्ली के रन्होला क्षेत्र के विकास नगर में सुबह करीब 4 बजे हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फुटेज से संकेत मिलता है कि व्यक्ति को संभवतः दिल का दौरा या मिर्गी का दौरा पड़ा हो सकता है। हालांकि, मौत के सटीक कारण की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

घंटों सड़क पर पड़ा रहा पीड़ित

घटना के बाद पीड़ित कई घंटों तक सड़क पर ही पड़ा रहा। सुबह करीब 8 बजे जब स्थानीय लोग वहां जमा हुए, तब पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सीसीटीवी में क्या दिखा

सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देता है कि व्यक्ति सड़क पर बेहोश पड़ा है। इसी दौरान स्कूटर पर सवार दो युवक वहां पहुंचे। पीछे बैठे युवक ने पहले पीड़ित का मोबाइल फोन उठाया। मानो उसने मान लिया हो कि व्यक्ति नशे में है। इसके बाद वह लौटा और पीड़ित की जेबें टटोलने लगा। पुलिस के मुताबिक, उसे कुछ हाथ नहीं लगा। तभी उसकी नजर पास लगे सीसीटीवी कैमरे पर पड़ी और वह स्कूटर सवार साथी के साथ मौके से फरार हो गया।

फंक्शनल फ्रीज से कैसे बचें

हेल्थ-वॉच

आजकल सोशल मीडिया पर फंक्शनल फ्रीज शब्द काफी चर्चा में है, क्योंकि यह उस अनुभव को बयान करता है जिससे हम में से ज्यादातर लोग कभी न कभी गुजर चुके होते हैं। यह कोई आलस नहीं है, बल्कि एक ऐसी स्थिति है जहां शरीर, दिमाग और भावनाएं, तीनों मिलकर जैसे रुक-सी जाती हैं। इस अवस्था में व्यक्ति के पास काम करने की क्षमता तो होती है, लेकिन शुरू करने की एनर्जी या इच्छा नहीं रहती। यहां तक कि छोटे और आसान काम भी भारी लगने लगते हैं। लगातार तनाव, बर्नआउट या जिंदगी में दिशा की कमी इसकी बड़ी वजह हो सकती है। कई बार ऐसा भी होता है कि बाहर से सब कुछ ठीक दिखता है, करियर अच्छा चल रहा है, रिश्ते भी अच्छे हैं लेकिन अंदर से अपने ही जिंदगी से कुछ कटा हुआ महसूस होता है। जरूरी बात यह है कि फंक्शनल फ्रीज कोई मेडिकल या साइकोलॉजिकल डायग्नोसिस नहीं है। यह फ्रीज रिस्पॉन्स जैसी स्थिति से भी अलग होता है, जो किसी खतरनाक या जानलेवा स्थिति में नर्वस सिस्टम की स्वाभाविक प्रतिक्रिया होती है। यह ज्यादातर धीरे-धीरे जमा हुए मानसिक और भावनात्मक दबाव का नतीजा होता है इस समस्या से बाहर कैसे निकलें? फंक्शनल फ्रीज में दिमाग के साथ शरीर भी फ्रीज हो जाता है। ऐसे में एक्सरसाइज तो दूर की बात आप कुछ देर वॉक पर भी नहीं जा पाएंगे। इसलिए आप सोमैटिक एक्सरसाइज से शुरुआत कर सकते हैं।

सोमैटिक एक्सरसाइज : सोमैटिक एक्सरसाइज आपको इस फ्रीज से बाहर निकलने में मदद करेगी। इससे धीरे-धीरे तनाव दूर होता है और आपका दिमाग और शरीर फिर फ्रेश करने लगता है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज : फंक्शनल फ्रीज से राहत पाने के लिए आप ब्रीदिंग एक्सरसाइज कर सकते हैं। यह स्ट्रेस को दूर करने का बेहतरीन तरीका होता है।

लाफिंग एक्सरसाइज : जब भी स्ट्रेस महसूस हो, तो लाफिंग एक्सरसाइज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हंसने से एंडोर्फिन्स नाम का हार्मोन रिलीज होता है, जिससे स्ट्रेस कम होता है और आपको अच्छा महसूस हो सकता है।

नेचर से जुड़ें : अगर आप थका हुआ महसूस कर रहे हैं, तो रील्स स्क्रॉल करने की बजाय अपने घर की बालकनी में बैठे या आसपास के पार्क में थोड़ी देर वॉक करें। हरे-भरे वातावरण से जुड़ने से मन हल्का होता है।

ऑस्ट्रेलिया में गांधी की प्रतिमा की चोरी

मेलबर्न, जेएनएन। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में स्थित ऑस्ट्रेलियन इंडियन कम्युनिटी सेंटर से महात्मा गांधी की एक कांस्य प्रतिमा चोरी हो गई है। यह प्रतिमा भारत सरकार की तरफ से भेंट की गई थी। 12 नवंबर 2021 को ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन पीएम स्कॉट मॉरिसन ने इसका उद्घाटन किया था। इस घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक यह घटना 12 जनवरी की रात करीब 12.50 बजे हुई। नॉक्स क्राइम इन्वेस्टिगेशन यूनिट इस चोरी की जांच कर रही है। इस घटना के बाद मेलबर्न के भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय ने नाराजगी जताई।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रनिंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/- संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें 9826065324
₹50/-

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 500/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

बालाघाट में 9 दिन अधिवक्ता काली पट्टी बांधकर करेंगे काम

जागरण, बालाघाट। नए न्यायालय भवन के निर्माण की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। जिला अधिवक्ता संघ के आह्वान पर 3 फरवरी से 11 फरवरी तक सभी वकील काली पट्टी बांधकर विरोध जताएंगे। मंगलवार को अधिवक्ताओं ने बार रूम के सामने प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जाहिर की। अधिवक्ताओं के अनुसार, साल 2013 में कलेक्ट्रेट के पास नए कोर्ट भवन के लिए करीब 10 एकड़ जमीन आवंटित की थी।

शराबबंदी को लेकर महिलाओं ने खोला मोर्चा

जागरण, बड़वानी। जिले की ठीकरी तहसील के ग्राम बांदरकच्छ में शराब के बढ़ते नशे से तंग आकर महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया है। सरपंच विनय खन्ना के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने ठीकरी पुलिस थाने पहुंचकर गांव में पूर्ण शराबबंदी की मांग को लेकर आवेदन सौंपा। महिलाओं ने कहा कि गांव में अवैध रूप से बिक रही शराब के कारण युवा पीढ़ी नशे की गर्त में जा रही है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

अखिलेश यादव
सपा प्रमुख

उत्तर प्रदेश में सुनियोजित तरीके से बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से नाम काटने की तैयारी है और इसका सीधा निशाना पीडीए तथा खासकर मुस्लिम समाज है। अब तक जमा किए गए सभी फॉर्म-7 तत्काल निरस्त किए जाएं और भविष्य में हर फॉर्म-7 पर यूनिक नंबर अनिवार्य किया जाए।

रिसर्च: पिंक नॉइज हर बार फायदेमंद नहीं, अध्ययन में सामने आए चौंकाने वाले नतीजे

शांत लगने वाली आवाजें बिगाड़ रही हैं आपकी नींद

नई दिल्ली, जेएनएन। एक समय था जब नींद के लिए लोग कमरे की खिड़कियां बंद कर लेते थे। फिर आया व्हाइट नॉइज यानी लगातार चलने वाली 'श्श्श' जैसी आवाज, जो बाहर की हलचलों को ढक देती थी। अब तकनीक और ऐप्स के दौर में इसका नया रूप है पिंक नॉइज। यह सुनने में थोड़ा गर्म, मुलायम और कम चुभने वाला लगता है। लेकिन एक नई मेडिकल स्टडी इशारा कर रही है कि यही पिंक नॉइज आपकी नींद को नुकसान भी पहुंचा सकता है। यह विश्लेषण येल स्कूल ऑफ मेडिसिन के डॉक्टर एफ पेरी विल्सन ने अपने साप्ताहिक मेडिकल कॉलम इम्पैक्ट फैक्टर में एक नई रिसर्च के आधार पर किया है। उनका कहना है कि जिस आवाज को हम सुकून देने वाला मानते हैं, वह हर हाल में फायदेमंद हो यह जरूरी नहीं।

व्हाइट नॉइज और पिंक नॉइज में फर्क

सरल भाषा में समझें तो व्हाइट नॉइज वह आवाज है जिसमें सभी फ्रीक्वेंसी (आवाज की तरंगें) बराबर होती हैं। यह पुराने टीवी के स्टैटिक जैसी होती है। वहीं पिंक नॉइज में ऊंची फ्रीक्वेंसी की आवाजें थोड़ी धीमी होती हैं और लो फ्रीक्वेंसी (भारी आवाज) ज्यादा महसूस होती है। इसी वजह से यह कानों को ज्यादा आरामदायक लगती है और लोग इसे नींद के लिए बेहतर मानते हैं।

पहले की रिसर्च

अब तक हुए कई अध्ययनों में यह पाया गया था कि पिंक नॉइज नींद में मदद कर सकता है। एक सिस्टमैटिक रिव्यू में 11 अध्ययनों में से 9 में इसके सकारात्मक असर बताए गए थे। लेकिन समस्या यह थी कि ज्यादातर रिसर्च में तुलना 'कोई आवाज नहीं' और 'पिंक नॉइज' के बीच की गई थी। असल जिंदगी में, खासकर शहरों में, पूरी तरह खामोशी शायद ही मिलती है।

नई स्टडी: असली हालात में टेस्ट

यही वजह है कि पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की यह नई स्टडी अहम मानी जा रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ पैन्सिलवेनिया के प्रोफेसर मैथियास बैसनर और उनकी टीम ने यह जानने की कोशिश की कि जब पिंक नॉइज का इस्तेमाल दूसरी आवाजों को ढकने के लिए किया जाए, तो उसका असर क्या होता है। इस अध्ययन में 21 से 41 वर्ष के 25 स्वस्थ युवाओं को एक हफ्ते तक स्लीप लैब में सुलाया गया। हर रात उनके लिए अलग-अलग 'साउंड सीन' यानी आवाज का माहौल बनाया गया।

नतीजे: जो शांत लगता है, वह सही नहीं भी हो सकता

सबसे पहले यह साफ हुआ कि अचानक आने वाली पर्यावरणीय आवाजें नींद के लिए नुकसानदेह हैं। इनसे डीप स्लीप यानी गहरी नींद करीब 25 मिनट तक कम हो गई और उसकी जगह हल्की नींद (स्टेज-2 स्लीप) बढ़ गई। डीप स्लीप शरीर और दिमाग की मरम्मत के लिए सबसे जरूरी मानी जाती है। ऐसे में उसका कम होना चिंता की बात है। दिलचस्प यह है कि जब इन आवाजों को ढकने के लिए पिंक नॉइज चलाया गया, तो नींद उतनी बेहतर नहीं हुई जितनी उम्मीद की जा रही थी।

इस तरह किया गया प्रयोग

- कुछ रातें पूरी तरह शांत थीं।
- कुछ रातों में हर 4-6 मिनट पर अचानक आवाजें सुनाई गईं। जैसे कार, ट्रेन, हेलिकॉप्टर, फायर अलार्म, बच्चे के रोने की आवाज, यहां तक कि ड्रोन की भनभनाहट।
- एक रात महज लगातार पिंक नॉइज चलाया गया।
- एक रात वही शोर था, साथ में पिंक नॉइज भी।
- एक रात शोर के बीच प्रतिभागियों को ईयरप्लग पहनाए गए।

इस दौरान नींद से जुड़े लगभग हर पहलू को मापा गया। मूड, नींद की गुणवत्ता का अनुभव, दिमागी और हृदय से जुड़े टेस्ट, और सबसे अहम पॉलीसोमनोग्राफी जिससे यह पता चलता है कि व्यक्ति नींद के किस चरण में है।

संक्षिप्त खबरें

मूक-बधिर के दुष्कर्मी की जमानत निरस्त

जागरण, इंदौर। हाई कोर्ट ने जिला कोर्ट के फैसले को पलटते हुए मूक-बधिर युवती से दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्मी की जमानत निरस्त कर दी। जिला कोर्ट ने यह कहते हुए दुष्कर्मी को जमानत दे दी थी कि आरोपित युवती को सहमति से ले गया था या बगैर सहमति के यह साक्ष्य का विषय है। पीड़िता की ओर से जमानत निरस्त करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका प्रस्तुत हुई थी। न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर ने मंगलवार को याचिका स्वीकारते हुए जिला कोर्ट के जमानत आदेश को निरस्त कर दिया। अधिवक्ता शन्नो शगुफ्ता खान ने बताया कि एमआईजी पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाली 18 वर्ष 9 माह आयु की मूक-बधिर युवती से दो युवकों ने दुष्कर्म किया था। घटना 4 अप्रैल 2025 की है। मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया जबकि दूसरा फरार हो गया था। घटना के दो माह बाद ही जिला कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी थी। जमानत निरस्त करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका प्रस्तुत की। न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर ने याचिका स्वीकारते हुए जिला कोर्ट द्वारा आरोपी को दी गई जमानत निरस्त कर दी।

बैंक और एमपीआईडीसी के साथ 3.57 करोड़ की धोखाधड़ी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। कारोबार को बढ़ाने के लिए बैंक से करोड़ों का लोन लेकर उसका दुरूपयोग करने के आरोप में इंदौर की कंपनी यशास एफआरपी मैन्युफैक्चरिंग एलएलपी के संचालक पति-पत्नी के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) की इंदौर यूनिट ने केस दर्ज किया है। ईओडब्लयू ने बैंक ऑफ बड़ौदा और मप्र औद्योगिक केंद्र विकास निगम के साथ 3.57 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में संचालकों संजय गुप्ता और शालिनी गुप्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 409 और 120 बी के तहत एफआईआर दर्ज की है। फर्म के संचालकों ने बैंक ऑफ बड़ौदा से टर्म लोन, वर्किंग कैपिटल, कैश क्रेडिट एवं एक्सपोर्ट पैकेजिंग क्रेडिट के रूप में 2013 से 2015 तक कुल 11.05 करोड़ रुपए का ऋण मंजूर कराया था। इस लोन का उपयोग केवल व्यापार और निर्यात के लिए होना था। लेकिन बिजनेस में इन्वेस्ट करने के बजाय लोन की बड़ी रकम कैश के रूप में निकाली गई।

भोपाल में सुबह 50 मीटर विजिबिलिटी रात होते ही शुरू हुआ ठंडी हवा का दौर

राजधानी सहित आठ जिलों में बारिश, रायसेन में सुबह जम गईं ओस की बूंदें

नगर संवाददाता, भोपाल। पश्चिमी विक्षोभ के कारण प्रदेश के मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है। मंगलवार को भोपाल में घना कोहरा छाया था, जिस कारण सुबह छह बजे से सात बजे के बीच विजिबिलिटी महज 50 मीटर रह गई थी। यानि सड़क पर सिर्फ 50 मीटर तक ही दिखाई दे रहा था। अन्य जिलों में भी विजिबिलिटी कम हुई, लेकिन भोपाल के मुकाबले बहुत कम। राजधानी भोपाल में जहां सुबह के समय घना कोहरा छाया हुआ था, वहीं रात होते होते ठंडी हवाओं का दौर भी चल पड़ा। इससे शहर का तापमान गिरने लगा। मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार बुधवार से भोपाल में रात का पारा कुछ नीचे जाएगा, जबकि दिन के तापमान में वृद्धि होने की संभावना है। मंगलवार को भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 24.2 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री रहा।

आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत: अलग-अलग जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की जान चलीग गई है। प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक झोपड़ी पर बिजली गिरने से किसान की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं छतरपुर जिले के भगवा थाना क्षेत्र के ग्राम पठिया में खेत से लौटते समय 25 वर्षीय लखन लोधी पर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

कई जगह छाया रहा कोहरा

फोटो: एचसी वर्मा

ग्वालियर-मंदसौर में गिरे ओले, फसलों को नुकसान की आशंका

ग्वालियर और मंदसौर में ओलावृष्टि हुई, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा है। भोपाल, भिंड, छतरपुर, राजगढ़, आगर-मालवा और गुना समेत 8 जिलों में बारिश दर्ज की गई। रायसेन में सुबह ओस की बूंदें जम गईं। कोहरे का असर उज्जैन, मुरैना, देवास, धार, इंदौर, नर्मदापुरम, रतलाम, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया और ग्वालियर सहित कई जिलों में रहा। भोपाल और सीहोर में दृश्यता घटकर 50 मीटर तक पहुंच गई। खराब मौसम के कारण दिल्ली से भोपाल और इंदौर आने वाली कई ट्रेनें अपने तय समय से देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग ने भोपाल, ग्वालियर, रीवा समेत 20 जिलों में मावठा गिरने का अलर्ट जारी किया है। भोपाल मौसम केंद्र से मिली जानकारी अनुसार मौसम में बदलाव के कारण आसमान पर बादल छाए हुए हैं। उत्तर भारत जैसे हिमालयी क्षेत्र में बर्फबारी हो रही है। वहां से ठंडी हवाएं मप्र के मैदानी क्षेत्रों में पहुंच रही हैं। बुधवार से आसमान साफ होने की संभावना है, जिससे बादल छंट जाएंगे। बादल हटने से रात के तापमान में गिरावट आएगी। इससे ठंड बढ़ेगी। मौसम विभाग का कहना है कि जब सिस्टम वापस लौटेगा तो ठंड का असर एक दौर और आएगा। प्रदेश में दिन-रात के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पहले ही सप्ताह में पश्चिमी विक्षोभ का असर रहेगा। शुरुआत 4 दिन तक बारिश होने की संभावना है। 2 और 5 फरवरी को फिर से नए वेस्टर्न डिस्टरबेंस की एक्टिविटी देखने को मिलेगी। इनके गुजरने के बाद ठंड का एक और दौर आ सकता है।

नगर निगम के बर्खास्त अधिकारी की 80 लाख की प्रॉपर्टी अटैच

ईओडब्ल्यू छापे में उजागर हुआ था करोड़ों का घोटाला

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की इंदौर यूनिट ने भ्रष्टाचार के सात माह पुराने मामले में कार्रवाई करते हुए इंदौर नगर निगम के पूर्व अधिकारी चेतन पाटिल और उनकी पत्नी च्योति पाटिल की दो प्रॉपर्टी अटैच कर ली हैं। मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत ईडी ने एक आवासीय प्लॉट और एक मकान अटैच किया है जिसका बाजार भाव 80 लाख रूपए बताया जा रहा है। ईडी ने अपनी जांच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की है जिसमें उजागर हुआ था कि चेतन पाटिल ने अपनी 1998 से 2023 तक अपनी नौकरी के दौरान आय से 1.38 करोड़ रुपए की अधिक संपत्ति जुटाई थी। इस अवधि में उनकी वैध आय केवल 55.11 लाख रुपए थी, जबकि खर्च और प्रॉपर्टी इससे लगभग चार गुना अधिक पाई गईं।

फर्जी फर्म बनाकर लेता था रिश्वत

ईडी की जांच में मनी लॉन्ड्रिंग का एक बड़ा जाल भी सामने आया है। चेतन पाटिल के खिलाफ छानबीन में पाया गया है कि वह भ्रष्टाचार और रिश्वत की कमाई को वैध दिखाने के लिए कई बैंक खातों का इस्तेमाल करता था। इसके लिए चेतन पाटिल ने अपनी पत्नी के नाम पर नग्रोध आर्किटेक्ट इंजीनियर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर नाम की एक शैल कंपनी बनाई थी। जांच में पाया गया कि इस फर्म का कोई वास्तविक बिजनेस ही नहीं था। इस फर्म के बैंक खातों का उपयोग केवल नकदी जमा करने और फंड को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। जांच एजेंसी के अनुसार चेतन और उसकी पत्नी अवैध कमाई का इस्तेमाल प्रॉपर्टी खरीदने के अलावा होम लोन चुकाने, बीमा प्रीमियम भरने और अन्य व्यक्तिगत खर्चों में करते थे।

मस्टरकर्मी से बना उद्यान अधिकारी, छापों के बाद बर्खास्त

इंदौर नगर निगम में उद्यान अधिकारी चेतन पाटिल को नौकरी के दौरान महज 30 हजार रूपए प्रतिमाह मिलते थे लेकिन उसने इतनी सी सैलरी में करोड़ों की प्रॉपर्टी बनाई थी। ईओडब्ल्यू द्वारा अगस्त 2025 में छापेमारी के बाद नगर निगम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पाटिल को सेवा से बर्खास्त कर दिया था। जांच में पचा चला था कि चेतन पाटिल की नियुक्ति 2004 में महज एक मस्टर कर्मचारी के रूप में हुई थी। धीरे-धीरे रसूखदार अधिकारियों और राजनीतिक संपर्कों के दम पर वह उद्यान अधिकारी के पद तक पहुंच गया था। चेतन पाटिल के खिलाफ छापो में पता चला कि उसने केवल आय से अधिक संपत्ति ही नहीं बनाई बल्कि वह सरकारी खरीदी में भी जमकर धांधली करता था। इंदौर में हुए प्रवासी भारतीय सम्मेलन के दौरान पेड़ों, पौधों और गमलों की 2 करोड़ की खरीदी में भी उसने बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं की थीं। ईओडब्ल्यू के छापों में पाटिल के प्राइम लोकेशन पर महंगे प्लॉट और आलीशान मकान के अलावा, सोने के जेवर, कीमती सामान, कई जीवन बीमा पॉलिसियां और अन्य निवेश की जानकारी भी मिली थी।

श्योपुर-कटनी में शराब तस्करों से 67 लाख रुपए का माल जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश पुलिस ने कटनी और श्योपुर में अवैध शराब के कारोबारियों पर दबिश देते हुए 67 लाख 34 हजार रुपए की अवैध शराब के साथ तस्करी में इस्तेमाल कि एजा रहे वाहन जब्त किए हैं। पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार श्योपुर में पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रक में छिपाकर भारी मात्रा में अवैध शराब राजस्थान ले जाई जा रही है। इसके बाद जिले की देहात थाना पुलिस ने राजस्थान-श्योपुर सीमा पर नाकाबंदी कर एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। इस ट्रक में अंग्रेजी शराब की 635 पेटियों में 4,863 लीटर शराब थी। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने शराब और ट्रक को जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत 58 लाख 90 हजार रुपए है।

फिल्मी अंदाज में पीछा कर पकड़ी शराब से भरी कार

दूसरी कार्रवाई कटनी जिले के ग्राम देवरीटोला में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक कार में अवैध शराब की तस्करी की जा रही है। जब पुलिस ने संदिग्ध कार को रोकने की कोशिश की, तो ड्राइवर ने कार की रफ्तार ब?ा दी और मैहर बायपास की तरफ भाग निकला। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपी कार छोड़कर फरार हो गए। इस दौरान जब पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें 24 पेटी देसी शराब भरी हुई थी। इस मामले में पुलिस ने 8 लाख 44 हजार रुपए की शराब और कार जब्त की है। पुलिस ने इसके बाद एक एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की।

पैसों को लेकर विवाद में दलित युवक को मुर्गा बनाकर पीटा

जागरण, मुरैना। पैसों को लेकर विवाद में एक दलित युवक के साथ मानवता को शर्मसार करने वाला व्यवहार किया गया। मामला मुरैना जिले के अंबाह का है। युवक को मुर्गा बनाकर थप्पड़ मारे गए और उससे अश्लील हरकतें कराई गईं। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवक आरोपी की ही गली में किराये से रहता था। डर के चलते युवक का परिवार घर छोड़कर कहीं चला गया है। एसपी समीर सौरभ के अनुसार आरोपी आभाष उर्फ धर्मेंद्र तोमर पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अंबाह थाने का आदतन अपराधी है। आरोपी और उसके सहयोगियों ने कर्ज की रकम वापस नहीं करने पर युवक को अपने घर बुलाया और उसके साथ मारपीट व अभद्रता की। पीड़ित युवक के साथ हुई प्रताड़ना के दो वीडियो सामने आए हैं। एसपी मुरैना समीर सौरभ ने कहा कि यह हरकत शर्मनाक है।

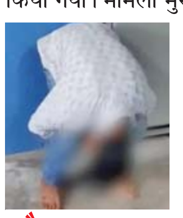

मुरैना का मामला
दहशत में युवक के परिजनों ने छोड़ा इलाका

रोचक — प्रीमियम बोतलबंद पानी का बिज़नेस 400 मिलियन डॉलर का

भारत के अमीरों को वाइन नहीं, प्रीमियम पानी का नशा

नई दिल्ली, जेएनएन। एक भारतीय फूड स्टोर पर, अवंती मेहता ने फ्रांस, इटली और भारत से मंगाए गए ड्रिंक्स की एक ब्लाइंड टेस्टिंग ऑर्गनाइज की। शायद आप गलत समझ रहे हैं, यह वाइन नहीं, पानी है.... इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने फ्रेंच आल्प्स से 'एवियन', दक्षिणी फ्रांस से 'पेरी', इटली से 'सैन पेलेग्रिनो' और अरावली पहाड़ों की तलहटी से भारत के 'आवा' के सैंपल्स में मिनरल कार्बोनेशन और सलिनिटी चेक करने के लिए छोटे शॉट ग्लास में इसे चखा। अवंती मेहता खुद को इंडिया की सबसे कम उम्र की वॉटर सोमेलियर कहती है (यह शब्द आमतौर पर प्रीमियम वाइन से जुड़ा होता है।) अवंती कहती हैं- आपको ऐसा पानी चुनना चाहिए जिससे आपको कुछ न्यूट्रिशनल वैल्यू मिल सके। उनका परिवार आवा मिनरल वॉटर ब्रांड का मालिक है। प्रीमियम वॉटर दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में 400 मिलियन का बिज़नेस है और यह और भी बड़ा होता जा रहा है क्योंकि इसके अमीर लोग इसे एक नए स्टेटस सिंबल के तौर पर देखते हैं जो फैलते वेलनेस क्रेज़ के साथ फिट बैठता है। प्रीमियम इंडियन मिनरल वॉटर की एक लीटर की बोतल लगभग एक डॉलर यानी 90 रू की होती है, जबकि इम्पोर्टेड ब्रांड 3 डॉलर से ज़्यादा के होते हैं, यानी देश के सबसे कम कीमत वाले बेसिक बोतलबंद पानी की कीमत से 15 गुना ज़्यादा। यह विचारणीय है कि 1.4 बिलियन लोगों वाले देश में पीने के लिए साफ़ पानी मिल पाना एक बड़ी बात है।

बॉलीवुड स्टार और अमीर लोगों की पसंद प्रीमियम पानी

पॉपुलर 20 रु वाला प्लास्टिक बोतलबंद पानी मुख्य रूप से पेप्सी, कोका-कोला और भारतीय बाज़ार की लीडर बिसलेरी बनाती है। आम भारतीय इसे खरीद सकते हैं। ज्यादातर लोग अपने घरों में पानी को साफ करने वाले प्यूरीफायर भी लगवाते हैं, लेकिन इससे ज्यादातर मिनरल्स भी पानी से निकल जाते हैं। यही वजह है कि अमीर उपभोक्ता इम्पोर्टेड और लोकल प्रीमियम पानी के बिजनेस को बढ़ावा दे रहे हैं। बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर और उनकी बहन ने प्रीमियम पानी का ब्रांड `बैकबे' लॉन्च किया है। जो 700 मिली की बॉटल्स के कार्टन में उपलब्ध है।

90

300

24%

तेजी से बढ़ रहा पानी का बाजार

भारत में कई लोग बोतलबंद पानी को एक ज़रूरत मानते हैं और स्टैंडर्ड 20 रु की बोतलें सुविधा स्टोर, रेस्टोरेंट और होटलों में आसानी से मिल जाती हैं। स्टेंडर्ड पानी का बाज़ार सालाना लगभग 5 बिलियन डॉलर का है और हर साल लगभग 24 फीसद कर दर से बढ़ रहा है, जो कि विश्व में सर्वाधिक तेज दर है। भारत प्रीमियम वॉटर सेगमेंट डिमांड में बढ़ोतरी में सबसे आगे है। कुछ इलाकों में म्युनिसिपल पानी पर भरोसा न होने की वजह से बोतलबंद पानी की मांग बढ़ गई है। अब लोग समझते हैं कि मिनरल वॉटर के कितने फ़ायदे हैं। यह महंगा है, लेकिन सेहत के लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद है। दिल्ली के रियल एस्टेट डेवलपर बीएस बत्रा कहते हैं कि उनका परिवार सेहत को बनाए रखने के लिए घर पर सिर्फ़ प्रीमियम पानी इस्तेमाल करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।